शिक्षक संदर्शिका

कक्षा-2

हिन्दी

2024-25

शिक्षा का अधिकार
समग्र शिक्षा
सबको शिक्षा, अच्छी शिक्षा

शिक्षक संदर्शिका निर्माण समिति

प्रकाशक : हरियाणा स्कूल शिक्षा परियोजना परिषद्

प्रकाशन वर्ष : 2024

संकल्पना एवं निर्माण : एस.सी.ई.आर.टी., हरियाणा स्कूल शिक्षा परियोजना परिषद्, शैक्षणिक प्रकोष्ठ और लैंग्वेज एंड लर्निंग फाउंडेशन

दिशाबोध :

- डॉ. जी. अनुपमा, आई.ए.एस. अतिरिक्त मुख्य सचिव, स्कूल शिक्षा विभाग, हरियाणा
- श्री जितेंद्र कुमार, आई.ए.एस. निदेशक, स्कूल शिक्षा परियोजना परिषद्, स्कूल शिक्षा विभाग, हरियाणा
- श्री रिप्पूदमन सिंह ढिल्लो, आई.ए.एस. निदेशक, प्राथमिक शिक्षा स्कूल शिक्षा विभाग, हरियाणा
- डॉ. धीर झिंगरन, निदेशक, लैंग्वेज एंड लर्निंग फाउंडेशन

प्रबंधकीय मार्गदर्शन :

- श्री कुलदीप मेहता, सहायक निदेशक अकादमिक शाखा (शैक्षणिक प्रकोष्ठ)
- डॉ. प्रमोद कुमार, कार्यक्रम अधिकारी अकादमिक शाखा (शैक्षणिक प्रकोष्ठ)

अकादमिक परामर्श एवं मार्गदर्शन :

- राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद, हरियाणा, गुरुग्राम
- डॉ. धीर झिंगरन, निदेशक, लैंग्वेज एंड लर्निंग फाउंडेशन
- रमेश चन्द्र, निदेशक (अकादमिक), लैंग्वेज एंड लर्निंग फाउंडेशन

सामग्री निर्माण एवं समीक्षा समूह :

- अलीमुद्दीन खांन, हीना परवीन, आनन्द द्विवेदी, राजिन्दर सिंह, जयदीप वैष्णव (लैंग्वेज एंड लर्निंग फाउंडेशन)

विभागीय समीक्षा समूह : एफ.एल.एन. (FLN) प्रकोष्ठ

समन्वयन :

- डॉ. प्रमोद कुमार, कार्यक्रम अधिकारी अकादमिक शाखा
- विक्रम पाल, सीनियर प्रोग्राम मैनेजर (लैंग्वेज एंड लर्निंग फाउंडेशन) हरियाणा
- अलीमुद्दीन खांन, अकादमिक लीड (लैंग्वेज एंड लर्निंग फाउंडेशन) हरियाणा

चित्रांकन : हबीब अली, निखिल खत्री, निलेश गहलोत, अबीरा बंदोपाध्याय, सुशांत दास

लेआउट एवं ग्राफिक डिजाइन : प्रेमचन्द सैनी, जयपुर (राजस्थान)

मुद्रक :

शिक्षकों के लिए

हम सभी जानते हैं कि बच्चों में सीखने की जन्मजात क्षमता होती है। जन्मजात क्षमता के साथ-साथ सीखने के लिए अनुकूल एंव उत्साहजनक परिवेश का होना भी आवश्यक है। बच्चे अपने आस-पास उपलब्ध सन्दर्भ और परिवेश से भाषाई अनुभव लेते रहते हैं, परन्तु बहुत से भाषाई कौशलों का विकास केवल परिवेशीय अनुभव से नहीं होता है। इन कौशलों का विकास व्यवस्थित और योजनाबद्ध तरीके से करना होता है। विद्यालय वो जगह है जहाँ बच्चे न केवल अपनी मौखिक भाषा को समृद्ध करते हैं बल्कि ज़रूरी पठन और लेखन सम्बन्धी कौशलों को भी विकसित करते हैं।

बच्चों में भाषा एवं गणितीय बुनियादी कौशलों के विकास के लिए देश में निपुण भारत मिशन चल रहा है। हरियाणा में भी स्कूल शिक्षा परियोजना परिषद् तथा राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद्, गुरूग्राम के नेतृत्व में निपुण हरियाणा मिशन चल रहा है। इस अभियान में सेंट्रल स्क्वायर फाउंडेशन (सी.एस.एफ.) और लैंग्वेज एंड लर्निंग फाउंडेशन (एल.एल.एफ.) संस्थाओं द्वारा अकादमिक और तकनीकी सहयोग दिया जा रहा है। मुझे खुशी हो रही है कि स्कूल शिक्षा परियोजना परिषद् के नेतृत्व और राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद्, गुरूग्राम के तकनीक सहयोग से लैंग्वेज एंड लर्निंग फाउंडेशन की अकादमिक टीम ने बच्चों के भाषा विकास को सुनिश्चित करने के लिए उत्कृष्ट शिक्षण सामग्री का निर्माण किया है। साथ ही शिक्षकों की मदद के लिए शिक्षक संदर्शिका भी बनाई है। इस शिक्षक संदर्शिका में शिक्षकों के लिए वो सभी दिशा-निर्देश विस्तार-पूर्वक दिए गए हैं जो उन्हें सामग्री के उपयोग और गतिविधियों के संचालन में मदद करेंगे। संदर्शिका में भाषा शिक्षण की रूपरेखा, साप्ताहिक/दिवसवार, शिक्षण कार्य-योजना, पाठ योजनाएँ और सीख आकलन योजना को भी शामिल किया गया है, जो शिक्षक को व्यवस्थित शिक्षण कार्य संचालन में मदद करेंगी।

सभी शिक्षक साथियों को मेरा सुझाव है कि इस शिक्षक संदर्शिका को ठीक से पढ़कर समझ लें और भाषा शिक्षण की योजना बनाने में इसकी नियमित मदद लें। मेरा विश्वास है कि यह संदर्शिका आपके लिए एक शिक्षक सहयोगी की भूमिका निभायेगी। मुझे आशा है, आप इस शिक्षक संदर्शिका की मदद से बच्चों के साथ शिक्षण सामग्री का गुणवत्तापूर्ण उपयोग करेंगे, जिससे हम बच्चों के बुनियादी कौशल विकास के लक्ष्य को सफलतापूर्वक हासिल कर पायेंगे।

धन्यवाद

निदेशक
प्राथमिक शिक्षा, स्कूल शिक्षा विभाग,
हरियाणा

विषय सूची

क्र.सं.	विषय-वस्तु	पृ.सं.
1.	संदर्शिका में उपयोग होने वाले संकेतों (Icons) का विवरण	1
2.	संदर्शिका का उपयोग	2
3.	निपुण हरियाणा	4
4.	सीखने-सिखाने के सिद्धांत एवं मान्यताएँ	5
5.	सीखने की परिकल्पना	6
6.	कक्षा-2 में भाषा शिक्षण की रणनीति	7
7.	कक्षा-2 के लिए लक्षित दक्षताएँ (2024-25)	10
8.	कक्षा-2 में भाषा शिक्षण की रूपरेखा	11
9.	कक्षा-2 में भाषा शिक्षण के लिए उपयोग में आने वाली सामग्री का विवरण	12
10.	भाषा शिक्षण की वार्षिक योजना	13
11.	साप्ताहिक शिक्षण योजना की रूपरेखा	14
12.	पाठ्यपुस्तक और अभ्यास पुस्तिका पर कार्य की रणनीति	15
13.	गतिविधियों पर कार्य कैसे करें?	16
14.	मौखिक भाषा विकास/पाठ्यपुस्तक एवं संबंधित लेखन गतिविधियाँ	17
15.	डिकोडिंग/अभ्यास पुस्तिका एवं संबंधित पठन-लेखन गतिविधियाँ	31
16.	पठन गतिविधियाँ	36
17.	आकलन एवं पुनरावृत्ति	39
18.	साप्ताहिक व दैनिक योजना	44
19.	दैनिक शिक्षण योजना के नमूने	68
20.	साप्ताहिक आकलन ट्रैकर	88
21.	प्रवाहपूर्ण पठन आकलन ट्रैकर	90
22.	स्किल पासबुक (सावधिक आकलन-1 और 2 ट्रैकर)	91
23.	वार्षिक आकलन ट्रैकर	93
24.	प्रिंट-रिच वातावरण	94
25.	कक्षा-कक्ष प्रबंधन	

संदर्शिका में उपयोग होने वाले संकेतों (Icons) का विवरण

संकेत	विवरण
1	पृष्ठ संख्या
	दिवस/पाठ/गतिविधि का उद्देश्य
	शिक्षण योजना
	गतिविधि के चरण
	साप्ताहिक आकलन (मैंने सीख लिया)
	पुनरावृत्ति / रेमेडियल कार्य
	मौखिक भाषा विकास / पाठ्यपुस्तक पर कार्य
क स म	डिकोडिंग / अभ्यास पुस्तिका पर कार्य
	पठन
	निर्धारित समय
	शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा
	तैयारी और सामग्री
	ध्यान देने योग्य बातें
	शिक्षक या बच्चे का कथन
सप्ताह 1 दिवस 1	कैलेंडर (सप्ताह/दिवस)
	गतिविधि

संदर्शिका का उपयोग

शिक्षक संदर्शिका कक्षा-2 के शिक्षकों के भाषा शिक्षण कार्य को बेहतर बनाने में इस्तेमाल के लिए तैयार की गयी है। इस संदर्शिका में संतुलित भाषा शिक्षण पद्धति के अंतर्गत शिक्षण प्रक्रिया की विभिन्न गतिविधियों के बारे (क्या, क्यों और कैसे) में विस्तार से बताया गया है। कक्षा शिक्षण में कक्षा प्रबंधन, कक्षा का वातावरण इत्यादि की भी बहुत बड़ी भूमिका होती है। अतः इन बिन्दुओं को भी संदर्शिका में शामिल किया गया है। शिक्षक संदर्शिका का मुख्य उद्देश्य भाषा शिक्षकों के लिए कार्यक्रम के उद्देश्य, भाषा शिक्षण की एप्रोच और सिद्धांत एवं अकादमिक सत्र 2024-25 के लिए निर्धारित की गई दक्षताओं पर शिक्षण कार्य करने की रणनीति, शिक्षण गतिविधि और सामग्री के उपयोग को विस्तार से प्रस्तुत करना है।

पूरी संदर्शिका की विषयवस्तु को समझना

शिक्षक संदर्शिका को एक बार ठीक से पढ़ लें। संदर्शिका पढ़ते समय अपने लिए नोट ज़रूर बना लें। शिक्षण कार्यशाला के दौरान इस संदर्शिका का उपयोग किया जाएगा।

कार्यक्रम के सैद्धांतिक पहलुओं को समझना

पृष्ठ 2 से 6

संदर्शिका के सैद्धांतिक भाग को पहले पढ़ लें, ताकि आगे बताए गए कार्यों को समझने में आसानी हो। इस भाग में कार्यक्रम की एप्रोच और सिद्धांतों के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई है।

कार्यक्रम के अधिगम लक्ष्य और भाषा शिक्षण की रणनीति को समझना

पृष्ठ 7 से 16

इस वर्ष के लिए तय वार्षिक लक्ष्य, वार्षिक और साप्ताहिक योजना, सामग्री इत्यादि के बारे में बताया गया है। इनको ही आधार बनाकर आगे की दैनिक योजनाएँ तैयार की गई हैं।

कक्षा शिक्षण के लिए प्रस्तावित गतिविधियों का विवरण

पृष्ठ 17 से 38

इस भाग में साप्ताहिक एवं दैनिक योजना में शामिल की गई मौखिक भाषा विकास, डिकोडिंग और पठन एवं संबंधित लेखन की गतिविधियों का विस्तृत विवरण दिया गया है जिसमें प्रत्येक गतिविधि को करवाने के चरण शामिल है।

आकलन और पुनरावृत्ति

पृष्ठ 39 से 43

पृष्ठ 88 से 93

इस भाग में बच्चों के सीखने के स्तर के आकलन की रणनीति बताई गई है। आकलन के बाद बच्चों के स्तर में सुधार के लिए किस तरह पुनरावृत्ति कार्य किये जाएँ, इसका विवरण दिया गया है। इसके साथ ही आकलन के आधार पर बच्चों की उपलब्धि दर्ज करने के लिए साप्ताहिक आकलन, सावधिक आकलन एवं वार्षिक आकलन ट्रैकर और प्रवाहपूर्ण पठन की गति और स्तर को दर्ज करने के लिए ट्रैकर दिए गए हैं।

कक्षा शिक्षण के लिए साप्ताहिक / दैनिक योजना और संबंधित गतिविधियों पर कार्य

पृष्ठ 44 से 67

यह इस संदर्शिका का सबसे अहम भाग है। इस भाग को पहले समझ लें और फिर शिक्षण प्रक्रिया के दौरान दैनिक योजना और गतिविधियों का उपयोग करें। अकादमिक वर्ष 2024-25 में 24 सप्ताह के शिक्षण कार्य की योजना है, जिसमें मौखिक भाषा विकास, डिकोडिंग, पठन और लेखन के अधिगम लक्ष्यों के लिए प्रयुक्त विषयवस्तु को साप्ताहिक व दैनिक शिक्षण योजना में विभाजित किया गया है।

- दिन की शुरुआत में पहले उस दिन की दिवसवार योजना देखें।
- योजना के अनुसार प्रत्येक गतिविधि के लिए सामग्री और अन्य तैयारी कर लें।
- गतिविधि के लिए बताए गए चरणों और शिक्षण योजना का अनुसरण करें।
- गतिविधि के दौरान और बाद में अनौपचारिक आकलन या समीक्षा अवश्य करें।
- गतिविधि के अंत में ट्रैकर वाले कॉलम में अपना हस्ताक्षर और दिनाँक दर्ज करें।

कक्षा शिक्षण के लिए योजना के नमूने

पृष्ठ 68 से 87 इस भाग में शिक्षण योजना के कुछ उदाहरणों को शामिल किया गया है।

प्रिंट-रिच और कक्षा प्रबंधन

पृष्ठ 94 से 95 यहाँ शिक्षण को प्रभावी बनाने के लिए बेहतर कक्षा प्रबंधन और प्रिंट रिच वातावरण निर्माण के बारे में बताया गया है।

- कक्षा प्रक्रिया के दौरान इस संदर्शिका को अपने पास रखें। कक्षा में जाने से पूर्व योजना और गतिविधियों के तरीकों को एक बार पढ़ लें।
- ब्लॉक या संकुल स्तर पर होने वाली बैठकों में संदर्शिका अपने साथ ज़रूर लेकर जाएँ, ताकि अकादमिक चर्चा और संदर्भ के रूप में आप इसका उपयोग कर सकें।

निपुण हरियाणा

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के उद्देश्यों को ध्यान में रखते हुए शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा राष्ट्रीय बुनियादी एवं संख्या ज्ञान मिशन की स्थापना की गई है। इस मिशन के तहत हमारे विद्यालयों में ऐसा अनुकूल वातावरण बनाने पर ज़ोर दिया गया है, जिसमें बच्चों की बुनियादी साक्षरता एवं संख्या ज्ञान के सीखने को सुनिश्चित किया जा सके। इसके अंतर्गत, हमें मिलकर यह सुनिश्चित करना है कि प्रत्येक बच्चा कक्षा-3 के बाद पठन, लेखन और संख्या ज्ञान कौशल की अपेक्षित शिक्षण-दक्षताओं को प्राप्त कर ले। यह मिशन 3 से 9 वर्ष की आयु के बच्चों की अधिगम आवश्यकताओं पर केन्द्रित है। इस मिशन को निपुण भारत (आधारभूत साक्षरता और गणना में कुशलता के लिए राष्ट्रीय पहल) का नाम दिया गया है। हरियाणा राज्य में भी इस मिशन को निपुण हरियाणा के नाम से लागू किया जा रहा है। राज्य में अंग्रेजी को दूसरी भाषा के रूप में मिशन में शामिल किया गया है।

निपुण हरियाणा मिशन का लक्ष्य

इन दीर्घकालिक लक्ष्यों को 2026-27 तक प्राप्त करने के लिए देश भर में 'मिशन मोड' में काम किया जाएगा। निपुण हरियाणा मिशन के अंतर्गत 2025-2026 तक इन लक्ष्यों को प्राप्त करने की योजना बनाई है। निपुण कार्यक्रम के वृहत्तर लक्ष्यों को नीचे देखा जा सकता है:

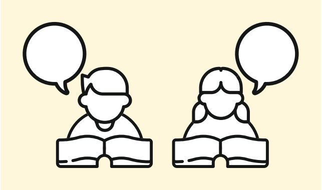

समझ के साथ पढ़ना

बुनियादी साक्षरता के महत्वपूर्ण लक्ष्यों में से एक है 'समझ के साथ पढ़ना'। बच्चा जब किसी पाठ को पढ़कर उसका अर्थ समझने लगे तब माना जाता है कि वह समझ के साथ पढ़ रहा है। समझ के साथ पढ़ने के लिए कुछ बेहद ज़रूरी चरण होते हैं जैसे, ध्वनि जागरूकता, वर्ण पहचान, डिकोडिंग और पठन। इन पर योजनाबद्ध तरीके से काम किया जाना आवश्यक है।

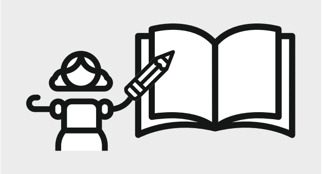

लिखना

समझ के साथ पढ़ने के साथ ही लिखने के कौशल का विकास भी बुनियादी साक्षरता के महत्वपूर्ण लक्ष्यों में से एक है। समझ के साथ लिखने का कौशल विकसित करने के लिए बच्चों को क्रमशः उभरता लेखन, देखकर लिखना, साझा लेखन, रचनात्मक लेखन आदि चरणों से गुज़रना होगा।

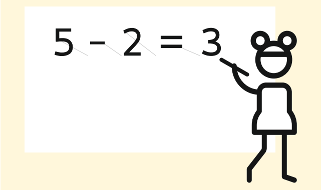

बेसिक गणितीय संक्रिया

बुनियादी गणित में संक्रियाओं की समझ एक महत्वपूर्ण घटक है। जोड़, घटाव, गुणा और भाग केवल संख्याओं का अमूर्त उपयोग नहीं हैं। इन संक्रियाओं का अनुप्रयोग दैनिक जीवन में व्यापक रूप में होता है। ये संक्रियाएँ विषयवस्तु के विश्लेषण, वर्णन और जीवन के संदर्भ में सरल समस्याओं की व्याख्या और समाधान के लिए उपयोगी हैं।

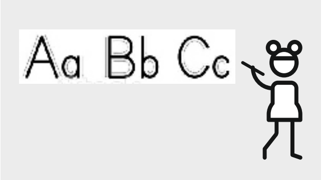

मिशन में अंग्रेजी भाषा

बच्चे अंग्रेजी में छोटे वाक्य स्पष्ट शब्दावली और व्याकरण के नियमों को लागू करके उपयोग कर पायें। वे सहजता के साथ कुछ परिवेशीय विषयों पर शब्दावली ग्रहण कर चुके हों और उन्हें उपयोग करें। साथ ही वे कुछ सरल प्रश्नों को समझकर उनके उत्तर कम से कम हाँ या नहीं में दे पाएँ।

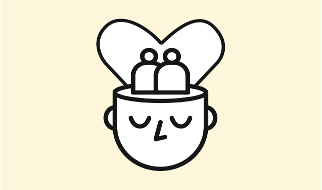

जीवन के बुनियादी कौशल

निपुण भारत मिशन के अंतर्गत केवल बुनियादी साक्षरता एवं संख्या ज्ञान पर ही ध्यान केंद्रित नहीं किया गया है बल्कि बच्चों को विद्यालय और घर में ऐसा माहौल देना प्रस्तावित है जिससे वो जीवन जीने के कुछ बुनियादी कौशल भी हासिल कर पाएँ। इसके लिए बच्चों को सामाजिक और भावनात्मक रूप से मज़बूत बनाने की गतिविधियाँ की जाएगी।

सीखने-सिखाने के सिद्धांत एवं मान्यताएँ

सीखने-सिखाने के कुछ सामान्य सिद्धांत हैं, जो कक्षा-कक्ष में बच्चों के सीखने में प्रभावी रहे हैं। शिक्षक कक्षा में इन सिद्धांतों को अपनाकर कक्षा-कक्षीय प्रक्रिया को और बेहतर बना सकते हैं।

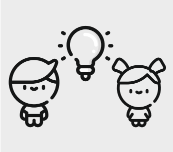

1. **सभी बच्चे सीख सकते हैं :** सभी बच्चों में मस्तिष्क की बनावट एक जैसी होती है, इस कारण सभी बच्चे सीखने के लिए समान रूप से तैयार होते हैं। यह ज़रूर है कि कुछ बच्चों को दूसरे बच्चों की तुलना में थोड़े अधिक सहयोग एवं अभ्यास की आवश्यकता हो सकती है। यह प्राय: इस बात पर निर्भर करता है कि उन्हें सीखने के कितने मौके मिले या नियमित रूप से मिलते हैं और इस दौरान कार्य में उनकी सक्रिय रूप से सहभागिता कितनी रही।

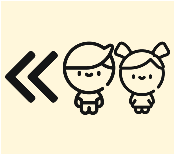

2. **कक्षा में बच्चों के पूर्वज्ञान और अनुभव का उपयोग करना :** अगर हम कक्षा-कक्षीय प्रक्रिया को बच्चों के पूर्वज्ञान और अनुभवों से जोड़ दें तो जहाँ एक तरफ बच्चों की समझ को मान्यता एवं जगह मिलती है, वहीं दूसरी तरफ, कक्षा-कक्षीय प्रक्रिया रोचक और प्रभावी हो जाती है। बच्चों के पूर्वज्ञान और अनुभवों को कक्षा-कक्षीय प्रक्रिया में जोड़ने से उनकी अभिव्यक्ति के अवसर बढ़ जाते हैं, जो सीखने के लिए बहुत ही आवश्यक हैं।

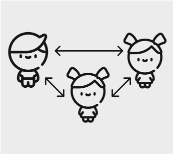

3. **बच्चों को सहपाठियों के साथ सीखने के अवसर देना :** कक्षा- कक्षीय प्रक्रिया केवल शिक्षक केन्द्रित नहीं होनी चाहिए। बच्चे अपने हम-उम्र साथियों के साथ ज़्यादा सहज होते हैं और उनके साथ जुड़कर आसानी से नई बातें सीख सकते हैं। ऐसे में अगर योजनाबद्ध तरीके से बच्चों को उनके सहपाठियों के साथ सीखने के अवसर दिए जाएँ तो इसके परिणाम बेहतर होंगे।

4. **सीखने में बच्चों की मदद करना :** शिक्षक शिक्षण प्रक्रिया में सबसे ज़्यादा समय एक मार्गदर्शक की भूमिका में रहें तो बच्चों को खुद से कार्य या अभ्यास करने के अवसर मिलते हैं। इस मार्गदर्शन के दौरान शिक्षकों को बच्चों के कार्य का अवलोकन करना चाहिए और बच्चों को समस्या आने पर ज़रूरत के हिसाब से शिक्षक को उनकी मदद करनी चाहिए।

5. **कक्षा में सौहार्दपूर्ण वातावरण बनाना :** यह ज़रूरी है कि कक्षा-कक्षीय प्रक्रिया सौहार्दपूर्ण वातावरण में हो। इसके लिए शिक्षक कक्षा की शुरुआत में गीत/कविता/खेल आदि करवा सकते हैं। शिक्षक और बच्चों के बीच, बच्चों और बच्चों के बीच संबंध जितने सहज होंगे, सीखने की प्रक्रिया उतनी ही रोचक और बेहतर परिणाम देने वाली होगी।

6. **सीखने की प्रक्रिया में सभी बच्चों का जुड़ाव सुनिश्चित करना :** एक शिक्षक के तौर पर हमारी शिक्षण प्रक्रिया ऐसी होनी चाहिए, जिससे सभी बच्चे सीख सकें। इसके लिए बच्चों के अनुभव और अधिगम स्तर को देखते हुए उन्हें समूहों में बाँटा जा सकता है और शिक्षण की अलग-अलग रणनीतियाँ बनाई जा सकती हैं।

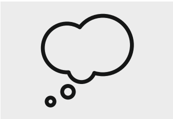

7. **सोचने की प्रक्रिया के मौके और प्रोत्साहन देना :** कक्षा-कक्षीय प्रक्रिया के दौरान हमारी शिक्षण रणनीति कुछ ऐसी होनी चाहिए, जिसमें बच्चों को थोड़ा रुककर सोचने के मौके मिलें। साथ ही, हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि उन्हें सोचने और कक्षा-कक्षीय प्रक्रिया में सहभागिता के दौरान नियमित रूप से प्रोत्साहन मिले।

8. **बच्चों के घर की भाषा का उपयोग एवं सघन बातचीत के अवसर देना :** प्रारंभिक कक्षाओं के बच्चे सबसे ज़्यादा अपने घर की भाषा में सहज होते हैं और इसके साथ ही इस भाषा में वे मौखिक रूप से बहुत सारा चिंतन संबंधी कार्य करते हैं। इसलिए उनके घर की भाषा एवं चिंतन कौशल का उपयोग कक्षा-कक्षीय प्रक्रिया में एक संसाधन के रूप में करना चाहिए। बच्चों को बातचीत के जितने अवसर मिलेंगे, वे भाषायी रूप से उतने ही बेहतर बनेंगे। साथ ही, उनमें अभिव्यक्ति-क्षमता और कल्पना-शक्ति का भी विकास होगा।

9. **सतत् आकलन :** कक्षा-कक्षीय प्रक्रिया को बेहतर करने के लिए सतत आकलन बहुत आवश्यक है। सतत आकलन के द्वारा शिक्षक यह पता लगा सकते हैं कि कौन-सा बच्चा अभी किस स्तर पर है और उसके लिए कौन-सी शिक्षण रणनीति ज़्यादा कारगर होगी।

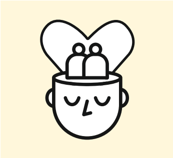

10. **सामाजिक और भावनात्मक विकास पर काम :** अनेक शोध इस बात की पुष्टि करते हैं कि अगर बच्चे सामाजिक और भावनात्मक रूप से मज़बूत हैं तो उनका संज्ञानात्मक विकास भी अच्छा होता है। ऐसे में, हमें बच्चों के सामाजिक और भावनात्मक विकास के अलग-अलग पहलुओं पर भी काम करते रहना होगा।

सीखने की परिकल्पना

बच्चे कैसे सीखते हैं?

बच्चों में सीखने की जन्मजात क्षमता होती है। जन्मजात क्षमता के साथ-साथ सीखने के लिए अनुकूल एवं उत्साहजनक परिवेश का होना भी ज़रूरी है। ये दोनों घटक: 'जन्मजात क्षमता' एवं 'सामाजिक परिवेश' साथ मिलकर बच्चों के अनुभव और समझ को गढ़ते हैं।

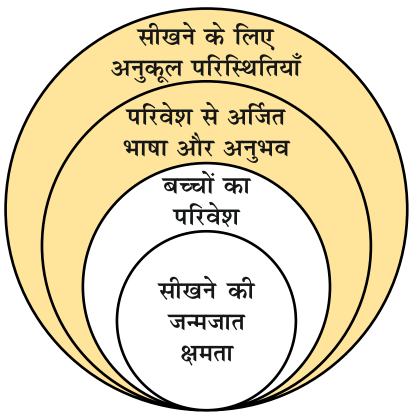

बच्चे अपनी इस समझ और अनुभव को स्वाभाविक रूप से अपने हाव-भाव के साथ घर की भाषा में सहजता से अभिव्यक्त करते हैं। इसलिए, यह कथन कि बच्चे जब पहली बार विद्यालय आते हैं तो वे खाली तख्ती की तरह नहीं होते हैं, बिलकुल सही है। बच्चे जब पहली बार विद्यालय आते हैं तो अपने साथ समृद्ध अनुभव लेकर आते हैं, जिसे घर की भाषा में मौखिक रूप से अभिव्यक्त कर सकते हैं।

बच्चों के सीखने में विद्यालयों की भूमिका

ऐसे में अगर हम विद्यालयों में बच्चों के परिवेश, उनके अभी तक के अनुभव, समझ और उनके घर की भाषा के लिए जगह बनाते हैं और उनका प्रोत्साहन करते हैं तो उनके 'सीखने के अनुभव' और 'गति' को बल मिलता है। इसके साथ ही, इस तरह के अनुकूल वातावरण बच्चों में आत्मविश्वास और सीखने के प्रति रुचि एवं उत्साह को विकसित करते हैं।

सीखने की प्रक्रिया

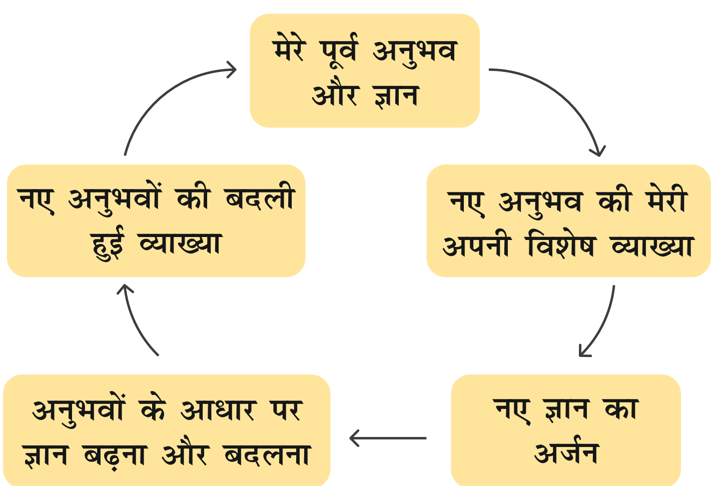

सीखना एक सतत प्रक्रिया है- यह बच्चों के लिए उतनी ही स्वाभाविक एवं निरंतर चलने वाली प्रक्रिया है जितनी की बड़ों के लिए। इस प्रक्रिया में सीखने वाले (बच्चे) सक्रिय तौर पर नए अनुभवों को ग्रहण करते एवं गढ़ते हैं। वे नए अनुभवों को अपने मस्तिष्क में व्यवस्थित करके नए विचारों को बनाते हैं। इस तरह, नए अनुभव, उनके पहले के (संबंधित) अनुभवों से जुड़ते हैं और उनकी समझ को बढ़ाते एवं समृद्ध करते हैं या इन नए अनुभवों के कारण पहले के अनुभवों की समझ में बदलाव या संशोधन होता है।

हम शिक्षकों को सीखने की इस प्रक्रिया को याद रखना चाहिए, ताकि हम हमेशा सजग रहें कि हम अपने सिखाने के तरीकों, बच्चों को अभ्यास के लिए दिए जाने वाले मौकों, शिक्षण अधिगम सामग्री, बच्चों को दिए जा रहे प्रोत्साहन एवं सीखने में आ रही कठिनाइयों की पहचान कर सकें। साथ ही, लक्षित दक्षताओं को हासिल करने में बच्चों की मदद कर पाएँ। इससे बच्चे अपने पुराने अनुभव और समझ को समृद्ध कर पाएँगे या उनमें संशोधन कर, बिल्कुल नए अनुभव और समझ की रचना कर पाएँगे। यह उनके आगे के सीखने की यात्रा में उपयोगी सिद्ध होगा।

कक्षा-2 में भाषा शिक्षण की रणनीति

संतुलित भाषा शिक्षण पद्धति

इस कार्यक्रम में संतुलित भाषा शिक्षण एप्रोच को काम में लिया गया है। पढ़ने की वास्तविक प्रक्रिया को यदि समझने का प्रयास करें तो हम पाएँगे कि **'शब्द-पहचान'** और **'अर्थ निर्माण'** की क्रिया साथ-साथ हो रही होती है।

1. शब्द पहचान/डिकोडिंग

शब्द पहचान ध्वनि/वर्ण के संबंध को समझते हुए शब्द को पढ़ पाने की क्षमता है। डिकोडिंग सिखाने की प्रक्रिया को अंश आधारित भाषा शिक्षण कहा जाता है।

2. अर्थ निर्माण

अर्थ निर्माण का आशय भाषा के विभिन्न पहलुओं की समझ से है। इसके तहत समृद्ध शब्द-भंडार, सांसारिक समझ, वाक्य-विन्यास की समझ जैसे अर्थ निर्माण के कौशल आते हैं। सांसारिक समझ से अर्थ यह है कि स्कूल बोलने से बच्चे को स्कूल की पूरी तस्वीर और अनुभव नज़र आए। अर्थ निर्माण के कौशल के तहत कई चीज़ें आती हैं, जैसे- अपने पूर्व ज्ञान का इस्तेमाल करना अथवा पाठ को अपने अनुभवों से जोड़ पाना, अनुमान लगाना, पाठ के अलग-अलग हिस्सों को आपस में जोड़ पाना, निष्कर्ष निकालना इत्यादि।

संतुलित भाषा पद्धति में बच्चों के साथ शब्द पहचान और अर्थ निर्माण पर साथ-साथ कार्य किया जाता है। भाषा शिक्षण में दोनों तरह के कौशलों के कार्य में संतुलन होना चाहिए और बच्चों को इन दोनों प्रक्रियाओं को साथ-साथ विकसित करने के मौके मिलने चाहिए। कुशल पठन न तो शब्दों को पहचाने बिना और न ही अर्थ समझे बिना किया जा सकता है।

प्रवाहपूर्ण डिकोडिंग या शब्द पढ़ना

एक बच्चा पढ़कर कितना समझ रहा है यह उसके प्रवाहपूर्ण डिकोडिंग पर भी निर्भर करता है। नीचे एक बच्चे के द्वारा कहानी पढ़ने के प्रयास को देखें।

इस प्रकार बच्चे ने कहानी तो पढ़ ली, लेकिन जब पाठ आधाारित प्रश्न पूछे, तो वह एक भी सवाल का उत्तर नहीं दे पाया। आखिर ऐसा क्यों हुआ होगा?

वास्तव में, यहाँ जब यह बच्चा पढ़ रहा है तो उसका अधिकांश समय और ध्यान एक-एक वर्ण को जोड़ते हुए शब्द बनाने में लग रहा है। जैसे-जैसे वह आगे के शब्दों को पढ़ रहा है, वह पिछले पढ़े शब्दों को भूलता जा रहा है। इस वजह से वह सचेत रूप से अर्थ को समझने पर ध्यान नहीं दे पा रहा।

दूसरे शब्दों में कहें तो जब पाठक तेज़ी से और आराम से किसी सूत्रबद्ध पाठ को पढ़ते हैं तो बजाय शब्द-पहचान पर ध्यान देने के, वे अपना ध्यान पाठ का अर्थ पकड़ने में लगाते हैं। दूसरी ओर, जब पाठक शब्दों को डिकोड करने में जूझ रहे हों तो इसी दौरान उसे समझने पर ध्यान नहीं दे पाते।

परिणामस्वरूप, ऐसे बच्चे को बार-बार अपना ध्यान कभी शब्दों को पहचानने पर तो कभी अर्थ-निर्माण के बीच बदलते रहना पड़ता है। इसकी वजह से दोनों में से कोई भी प्रक्रिया अच्छी तरह नहीं हो पाती। इससे ऐसी स्थिति बनती है जिसमें पाठक पढ़े हुए पाठ को समझ नहीं पाते हैं।

इसका अर्थ यह हुआ कि अगर पढ़ते समय गति स्वत:स्फूर्त न हो तो पढ़े हुए को समझना काफ़ी कठिन हो जाता है। यानी किसी भी कहानी/लेख को पढ़कर समझने के लिए आवश्यक है कि उसे उचित गति और सही-सही पढ़ा जाए। परंतु, बच्चे हमेशा ही धाराप्रवाह पढ़ते हुए लेख को समझ लेंगे, यह भी ज़रूरी नहीं।

- कई बार तेज़ी से पढ़ते हुए बच्चे लेख को समझ नहीं पाते। ऐसा तब होता है जब वे पाठ के साथ कोई भावपूर्ण या व्यक्तिगत रिश्ता नहीं जोड़ पाते और सिर्फ शब्दों को जल्दी-जल्दी डिकोड करते चले जाते हैं।
- पढ़ने की गति का समझने पर प्रभाव एक हद तक ही होता है। एक बार बच्चे उचित गति से पढ़ना शुरू कर दें, उसके बाद यह गति बढ़ा देने से समझ बढ़ेगी ऐसा नहीं होता।

विचार करें:

यह तो हमने समझ लिया कि पाठ को प्रवाह से पढ़ पाना उसे समझने के लिए ज़रूरी है। तो क्या पहले पूरा बल केवल प्रवाहपूर्ण डिकोडिंग पर लगा देना सही रणनीति है?

प्रवाहपूर्ण डिकोडिंग पढ़कर समझने के लिए आवश्यक है, लेकिन पर्याप्त नहीं। डिकोडिंग के साथ-साथ समझ पर काम करना ज़रूरी है। ये दोनों एक साथ विकसित होने वाले कौशल हैं तथा एक-दूसरे को समृद्ध करते हैं। जैसे-जैसे बच्चों के सही पढ़ने की गति बढ़ेगी, वैसे ही पाठ पर उनकी समझ बेहतर होगी। साथ ही साथ, जैसे-जैसे पाठ पर बच्चों की समझ बेहतर होगी, पाठ को पढ़ने की उनकी गति भी बढ़ती जाएगी।

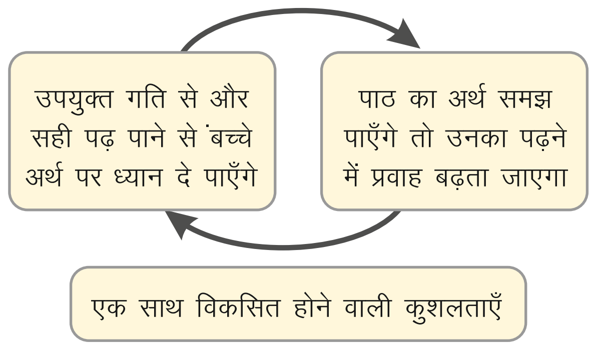

पढ़कर समझना

पठन के साथ ही समझते हुए पढ़ने के लिए आवश्यक है कि शिक्षक प्रत्यक्ष रूप से पढ़कर समझने से जुड़ी रणनीतियों पर कार्य करें। यदि हम वास्तव में चाहते हैं कि सभी बच्चे समझते हुए पढ़ना सीखें तो प्रारंभिक कक्षाओं से ही पाठ को पढ़ाते समय उस पर ढेर सारी चर्चा की जानी चाहिए और समझते हुए पढ़ने से संबंधित उचित रणनीतियाँ सिखाई जानी चाहिए।

समझते हुए पढ़ने की रणनीतियाँ

कक्षा-2 के अंत तक बच्चा छोटे-छोटे पाठ को समझते हुए पढ़कर अर्थ समझ सके, तार्किक कौशलों का उपयोग कर सके, विभिन्न प्रकार की वाक्य संरचनाओं से अर्थ निर्माण कर सके, कहानी को परिस्थिति, पात्रों, घटनाओं के सही क्रम व सही अंत के साथ पुन: सुनाने में सक्षम हो सके। इन सभी प्रकार के उद्देश्यों को पूरा करने के लिए पूरे वर्ष शिक्षकों को अपनी कक्षा में समझते हुए पढ़ने की विभिन्न रणनीतियों को स्थान देने की आवश्यकता है-

- अनुमान लगाना
- बच्चों के अनुभव और पूर्व ज्ञान को सक्रिय करना
- अलग प्रकार के प्रश्न पूछना
- सार-संकलन/पुन: सुनाना

अनुमान लगाना

अनुमान लगाने का अर्थ है पाठ पढ़ते हुए अपने मौजूदा ज्ञान और अनुभव के आधार पर यह सोचते जाना कि पाठ में आगे क्या होगा। अच्छे पाठक हमेशा पढ़ने से पहले और पढ़ने के दौरान अनुमान लगाते चलते हैं। पढ़ने से पहले अगर बच्चे अनुमान लगाने लगें तो उन्हें अपनी सोच केंद्रित करने में मदद मिलती है।

अनुमान पर कार्य कैसे करें?

- **पाठ पढ़ने से पहले:** पाठ शुरू करने से पहले बच्चों का ध्यान पाठ के शीर्षक, चित्र या कुछ शब्दों पर आकर्षित कर सकते हैं और बच्चों से पूछ सकते हैं कि इनके आधार पर वे पाठ के बारे में अनुमान लगाएँ।
- **पढ़ने के दौरान:** कहानी पढ़ने के दौरान बीच में रुककर बच्चों से ज़रूर पूछें- 'तुम्हें क्या लगता है, आगे क्या होगा?' समय-समय पर कहानी बढ़ने के साथ बच्चों की कहानी से अपेक्षाएँ और कल्पनाएँ बदलती रहेंगी और इस तरह बच्चों के अनुमान भी बदल जाएँगे। बच्चों को अपने अनुमान की जाँच करने और उसे बदलने का मौका भी दे सकते हैं।
- **पढ़ने के बाद:** बच्चों से पूछें कि सबने क्या सोचा था या क्या अनुमान लगाया था कि कहानी में क्या होगा और वास्तव में क्या हुआ? बच्चों के अनुमान कितने नज़दीक थे?

अलग प्रकार के प्रश्न पूछना

समझ बढ़ाने के लिए, अच्छे प्रश्न पूछना सबसे शक्तिशाली और कारगर तरीका हो सकता है। शिक्षक जितने ज़्यादा उच्च-स्तरीय सवाल पूछते हैं, उन पर बच्चों को सोचने का मौका और समय देते हैं, उतना ही बच्चों की सोच, तर्क करने के कौशल और समझने की क्षमता में सुधार आता है। कुछ प्रश्नों के उदाहरण नीचे दिए गए हैं:

1. **पूर्व ज्ञान से जुड़े प्रश्न :** ये प्रश्न बच्चों की कहानी से जुड़े पूर्व ज्ञान को बढ़ने या मौजूदा पूर्व ज्ञान को जागृत करने में सहायक होते हैं। जैसे, रेगिस्तान का क्या मतलब है? क्या आप में से कोई राजस्थान गया है?
2. **अनुमान लगाने वाले प्रश्न :** ये प्रश्न बच्चों को अलग-अलग संकेतों का उपयोग करते हुए अनुमान लगाने के लिए प्रेरित करते हैं। जैसे, रेतीली में चलने में क्या-क्या दिक्कते आती होंगी? ऊँट क्या-क्या खाता होगा?
3. **निष्कर्ष निकालने वाले प्रश्न:** पाठ में जो स्पष्ट रूप से नहीं दिया, उससे जुड़े अनुमान लगाने वाले प्रश्न बच्चों को स्वयं निष्कर्ष निकालने के लिए प्रेरित करते हैं। जैसे, ऊँट कितने दिन तक बिना पानी के रह सकता है?
4. **विश्लेषण तर्क/वितर्क राय देने से जुड़े प्रश्न:** ये प्रश्न बच्चों को अलग-अलग दृष्टिकोण समझने या अपना दृष्टिकोण बताते हुए उससे जुड़े तर्क देने के लिए प्रेरित करते हैं। जैसे, अगर रेत गर्म हो तो ऊँट को क्या-क्या परेशानी हो सकती है? क्या ऊँट बारिश में भी चल सकता है?
5. **कल्पनाशीलता को बढ़ाने वाले प्रश्न:** ये प्रश्न बच्चों को कहानी से हटाकर उनकी कल्पना को नई उड़ान देते हैं। जैसे, जब आँधी चलती है तो रेगिस्तान में क्या होता होगा? ऊँट तब भी रेत में चल पाते होंगे?
6. **जीवन से जोड़ने वाले प्रश्न:** ये प्रश्न कहानी को बच्चों से जोड़ने में सहायक होते हैं। जैसे, जब आप कहीं घूमने जाते हैं और आपके पास पानी खत्म हो जाता है तो क्या-क्या समस्याएँ आती हैं?

बच्चों के अनुभव और पूर्वज्ञान को सक्रिय करना

अच्छा पृष्ठभूमि ज्ञान और पिछले अनुभव नए अर्थ-निर्माण पर गहरा प्रभाव डालते हैं। बच्चों के पूर्वज्ञान को उकसाने वाले प्रश्न पूछने चाहिए। यह न केवल उनके लिए लाभदायक है जो विषय के बारे में कुछ पहले से जानते हैं, बल्कि उन बच्चों के लिए भी बहुत ही महत्वपूर्ण है? जिनके पास पहले से कोई जानकारी नहीं। चर्चा में दूसरों की बात सुनकर उन्हें भी नई जानकारी मिलती है और पढ़े जा रहे पाठ से जुड़ने का मौका मिलता है।

सार-संकलन/पुनः सुनाना

दोबारा सुनाने और सार-संकलन करने से मौखिक भाषा प्रवाह विकसित करने में मदद मिलती है। इससे कहानी की संरचना के बोध में सुधार आता है, विचारों को व्यवस्थित करने और तथ्यों व सूचनाओं को क्रमबद्ध करने का अभ्यास होता है। साथ ही, व्यक्तिगत व्याख्याएँ करने और समझते हुए पढ़ने की क्षमता में सुधार आता है। बच्चों को सार संकलित करने और कहानियों को फिर से सुनाने के अवसर मिलने चहिए।

कक्षा-2 के लिए लक्षित दक्षताएँ (2024-25)

एक शिक्षक के तौर पर आप यह बेहतर जानते और समझते हैं कि कक्षा-कक्षीय प्रक्रिया का मुख्य उद्देश्य बच्चों में कुछ दक्षताओं का विकास करना होता है। ये दक्षताएँ विषयवार अलग-अलग होती हैं और कक्षावार क्रमिक रूप से आगे बढ़ती हैं। कक्षा 2 में भाषा की मुख्य अधिगम दक्षताओं को नीचे दी जा रही सूची में देखा जा सकता है :

मौखिक भाषा विकास	HIN201	विद्यार्थी 5-7 पंक्तियों की कविता/ बालगीत/ पहेलियों को सुनकर लय के साथ दोहरा सकते हैं और स्वयं भी कविता सुना सकते हैं।
	HIN202	विद्यार्थी 7-8 पंक्तियों की छोटी कहानी को सुनकर समझ सकते हैं और उसे घर की भाषा एवं हिन्दी में अपने शब्दों में बता सकते हैं।
	HIN203	विद्यार्थी सुनी गई कहानी-कविता, चित्र, परिवेश आधारित सरल प्रश्नों के जवाब घर की भाषा व हिन्दी में दे सकते हैं। (तथ्यात्मक प्रश्न, निष्कर्षात्मक/तर्क वाले प्रश्न एवं कल्पना आधारित प्रश्न आदि)।
	HIN204	विद्यार्थी घर की भाषा और हिन्दी भाषा में अपने बारे में और अपने आस-पास की चीज़ों अथवा परिचित चित्रों के बारे में 5-7 वाक्य बोल सकते हैं।
	HIN205	विद्यार्थी स्कूल एवं परिवेश में उपलब्ध परिचित एवं अपरिचित चीज़ों के नाम हिन्दी में बता सकते हैं।
	HIN206	विद्यार्थी चित्रों के माध्यम से किसी कहानी को घर की भाषा अथवा हिन्दी में हाव-भाव एवं शब्दावली का इस्तेमाल करते हुए सुना सकते हैं।

डिकोडिंग	HIN207	विद्यार्थी कक्षा 1 में बची हुई मात्राओं (ै ,ो ,ौ) एवं संयुक्ताक्षरों को पहचान कर बता सकते हैं।
	HIN208	विद्यार्थी कक्षा 2 में सिखाई गई मात्राओं से बने परिचित शब्दों (दो/तीन/चार अक्षरों) को उचित गति एवं शुद्धता के साथ पढ़ सकते हैं।

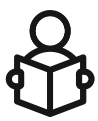

पठन	HIN209	विद्यार्थी एक पेज की (10-12 वाक्यों की) / दो/ तीन पेज की कहानी/कविता/पाठ को उपयुक्त उतार- चढ़ाव, शुद्धता एवं प्रवाह के साथ पढ़ कर समझ सकते हैं।

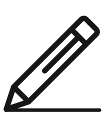

लेखन	HIN210	विद्यार्थी नई सीखी हुई मात्राओं को विभिन्न वर्णों के साथ (जैसे- मैं, को, पौ आदि) लगाकर लिख सकते हैं।
	HIN211	विद्यार्थी दो/ तीन/ चार अक्षरों वाले कठिन शब्द एवं संयुक्ताक्षर वाले शब्द लिख सकते हैं।
	HIN212	विद्यार्थी सुनी/ देखी/ पढ़ी कहानी/ कविता एवं किसी चित्र/ संदर्भ से सम्बन्धित बातों के बारे में अपने शब्दों में पाँच-सात वाक्य लिख सकते हैं।
	HIN213	विद्यार्थी संरचनाबद्ध लेखन गतिविधि के तौर पर पढ़ी हुई कहानी/ पाठ/ कविता पर आधारित प्रश्नों के जवाब दे सकते हैं। (1-2 वाक्यों में)- जैसे गाँव का नाम क्या था? बिल्ली चूहे के पीछे क्यों भागी?
	HIN214	विद्यार्थी सुनी गई कहानी/कविता आदि में लिंग, वचन, मिलते-जुलते लेकिन भिन्नार्थक शब्द (घाट, घटा, घट), विलोम शब्द की पहचान कर सकते हैं।

इन दक्षताओं को अकादमिक सत्र में प्राप्त करने के लिए शिक्षण योजनाएँ बनाई गई हैं जो इस शिक्षक संदर्शिका में दी गई हैं। इन शिक्षण योजनाओं में विभिन्न गतिविधियों एवं शिक्षण सामग्रियों को काम में लिया गया है, जो क्रमिक रूप से बच्चों को लक्षित दक्षताओं को प्राप्त करने में मदद करेंगी। प्रत्येक शिक्षण योजना किसी निर्धारित शिक्षण उद्देश्य पर आधारित है। जैसा कि हमने पहले भी बात की है कि ये शिक्षण योजनाएँ 'संतुलित भाषा शिक्षण पद्धति' पर आधारित हैं, अतः मौखिक भाषा, डिकोडिंग, पठन एवं लेखन पर साथ-साथ कार्य किया जाएगा।

कक्षा-2 में भाषा शिक्षण की रूपरेखा

इस संदर्शिका में 24 सप्ताह के शिक्षण कार्य की योजना है, जिसमें मुख्य फोकस प्रवाहपूर्ण पठन और समझ आधारित गतिविधियों पर रहेगा। बच्चे अपने स्तर के पाठ को पढ़कर समझ सकें। इसके लिए मौखिक भाषा विकास, डिकोडिंग, पठन की गतिविधियों को व्यवस्थित किया गया है।

खंड-1	खंड-2	खंड-3
मौखिक भाषा विकास/ पाठ्यपुस्तक एवं संबंधित लेखन (30 मिनट)	डिकोडिंग/अभ्यास पुस्तिका एवं संबंधित पठन-लेखन (40 मिनट)	पठन (20 मिनट)
गतिविधियाँ	**गतिविधियाँ**	**गतिविधियाँ**
• कविता/बालगीत • पाठ्यपुस्तक पर कार्य • चित्र-चार्ट पर कार्य • चित्र-कथा पर कार्य • सृजनात्मक गतिविधि • कहानी सुनाना/अभिनय	• पुनरावृत्ति वर्ण/अक्षर और मात्रा • पाठ पर आधारित पठन और लेखन की गतिविधियाँ (पढ़कर सुनाना, मार्गदर्शन में पठन और स्वतंत्र पठन)	• आदर्श पठन • मार्गदर्शन में पठन • स्वतंत्र पठन • प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास एवं आकलन
सामग्री	**सामग्री**	**सामग्री**
• झिलमिल-2 पाठ्यपुस्तक • चित्र-चार्ट • चित्र-कथा पोस्टर • सृजनात्मक गतिविधि (शिक्षक संदर्शिका) • बच्चों के लिए नोटबुक, अभ्यास पुस्तिका, पेंसिल रंग आदि	• वर्ण/अक्षर मात्रा कार्ड • ग्रिड कार्ड • अभ्यास पुस्तिका (भाग-1) • श्रुतलेख के लिए नोटबुक	• झिलमिल-2 पाठ्यपुस्तक • अभ्यास पुस्तिका (भाग-2) • कहानी की किताबें • बरखा सीरीज़ की किताबें

कक्षा-2 में भाषा शिक्षण के लिए उपयोग में आने वाली सामग्री का विवरण

पाठ्यपुस्तक

राज्य की पाठ्यपुस्तक का उपयोग कई तरह की गतिविधियों के लिए किया जाएगा।

अभ्यास पुस्तिका

कक्षा-2 के सभी बच्चों के लिए अभ्यास पुस्तिका उपलब्ध रहेगी, जिसका उपयोग डिकोडिंग, पठन और लेखन के लिए किया जाएगा।

चित्र-कथा चार्ट

कक्षा-2 के लिए कुल 8 चित्र-कथा चार्ट उपलब्ध रहेंगे। इनका उपयोग बच्चों के साथ मौखिक भाषा विकास की गतिविधियों के लिए किया जाएगा।

शिक्षक संदर्शिका

शिक्षकों के लिए संदर्शिका उपलब्ध रहेगी, जिसका उपयोग दैनिक योजना, गतिविधियों का विवरण, कार्य के चरण व शिक्षण कार्य के निर्देशों को समझने के लिए किया जाएगा।

चित्र-चार्ट

कक्षा-2 में सभी बच्चों के लिए बड़े आकार के 10 अलग-अलग चित्र-चार्ट उपलब्ध रहेंगे। इनका उपयोग मुख्य रूप से बच्चों के साथ मौखिक भाषा विकास की गतिविधियों के लिए किया जाएगा।

ग	का
आ	र

वर्ण/अक्षर कार्ड

कक्षा-2 में वर्ण/अक्षर कार्ड उपलब्ध रहेंगे। शिक्षक इनका उपयोग बच्चों को वर्ण और अक्षरों की पहचान के लिए करेंगे।

आ	म	न
क	म	ग
आ	ग	म
क	र	म

ग्रिड कार्ड

कक्षा-2 में ग्रिड कार्ड बच्चों के लिए उपलब्धा रहेंगे। शिक्षक इनका उपयोग बच्चों के साथ वर्ण और अक्षर की पहचान के साथ-साथ वर्णो/अक्षरों को जोड़कर शब्द बनाकर पढ़ने के अभ्यास के लिए भी कर सकेंगे।

ध्यान रखने योग्य बात: 1. कक्षा- 2 में भी 'नानी कहे कहानी' की किताबें और कविता पोस्टर को उपयोग में लिया जाएगा।
2. यदि चित्र-कथा चार्ट और चित्र-चार्ट उपलब्ध नहीं है तो आप स्वयं उनका निर्माण कर सकते हैं या फिर पुस्तकालय से इस तरह की किताबें या चित्र खोजकर कक्षा में इस्तेमाल में लाए। यदि ग्रिड कार्ड या अक्षर कार्ड उपलब्ध नहीं हैं तो आप उन्हें स्वयं से भी बना सकते हैं।

भाषा शिक्षण की वार्षिक योजना

सप्ताह संख्या	किए जाने वाले काम का विवरण
सप्ताह 1 से 8 तक	• कक्षा-1 की दक्षताओं का दोहरान (वर्ण मात्रा, शब्द पठन, वाक्य/वाक्यांश पठन) • पाठ्यपुस्तक 'झिलमिल-2' के पाठों (पाठ सं. 1 से 5 तक) पर काम • मौखिक भाषा विकास की गतिविधियाँ • प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास
सप्ताह 9 से 10 तक	• पाठ्यपुस्तक झिलमिल-2 के पाठों (पाठ सं. 6 से 9) पर काम • मौखिक भाषा विकास की गतिविधियाँ • अभ्यास पुस्तिका में दिए गए पाठों को पढ़ने और उस पर आधारित लेखन के अभ्यास • प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास
सप्ताह 11 सावधिक आकलन 1	• सप्ताह 10 तक सीखी हुई दक्षताओं का आकलन • पाठ्यपुस्तक झिलमिल-2 के पाठ (पाठ सं. 10) पर काम • मौखिक भाषा विकास की गतिविधियाँ
सप्ताह 12 से 19 तक	• पाठ्यपुस्तक झिलमिल-2 के पाठों (पाठ सं. 11 से 13) पर काम • मौखिक भाषा विकास की गतिविधियाँ • अभ्यास पुस्तिका में दिए गए पाठों को पढ़ने और उस पर आधारित लेखन के अभ्यास • प्रवाहपूर्ण पठन आकलन
सप्ताह 20 सावधिक आकलन 2	• पाठ्यपुस्तक झिलमिल-2 के पाठ (पाठ सं. 5) पर काम • सप्ताह 19 तक सीखी हुई दक्षताओं का आकलन • मौखिक भाषा विकास की गतिविधियाँ
सप्ताह 21 से 24 तक	• पाठ्यपुस्तक झिलमिल-2 के पाठों (पाठ सं. 9 से 11) पर काम • अभ्यास पुस्तिका में दिए गए पाठों को पढ़ने और उस पर आधारित लेखन के अभ्यास • प्रवाहपूर्ण पठन आकलन • मौखिक भाषा विकास की गतिविधियाँ
अकादमिक सत्र के अंत में	वार्षिक आकलन

साप्ताहिक शिक्षण योजना की रूपरेखा

(सप्ताह 1 से 8 तक)

खंड	गतिविधि	पहला दिन	दूसरा दिन	तीसरा दिन	चौथा दिन	पाँचवाँ दिन (साप्ताहिक आकलन)	छठा दिन (पुनरावृत्ति दो समूहों में)
मौखिक भाषा विकास / पाठ्यपुस्तक एवं संबंधित लेखन (30 मिनट)	कविता/बालगीत	✓	✓	✓	✓	✓	✓
	पाठ्यपुस्तक पर कार्य	✓	✓	✓			
	चित्र-चार्ट पर कार्य				✓		
	सृजनात्मक गतिविधियाँ					✓	
	कहानी सुनाना/अभिनय						✓
डिकोडिंग/अभ्यास पुस्तिका एवं संबंधित पठन-लेखन (40 मिनट)	पुनरावृत्ति (शब्द पहचान एवं वाक्य आधारित)	✓	✓	✓	✓		
	आकलन एवं पुनरावृत्ति					✓	✓
पठन (20 मिनट)	प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास	✓	✓	✓	✓		
	स्वतंत्र पठन					✓	✓

(सप्ताह 9 से 24 तक)

खंड	गतिविधि	पहला दिन	दूसरा दिन	तीसरा दिन	चौथा दिन	पाँचवाँ दिन (साप्ताहिक आकलन)	छठा दिन (पुनरावृत्ति दो समूहों में)
मौखिक भाषा विकास / पाठ्यपुस्तक एवं संबंधित लेखन (30 मिनट)	कविता/बालगीत	✓	✓	✓	✓	✓	✓
	पाठ्यपुस्तक पर कार्य	✓	✓	✓			
	चित्र-चार्ट / चित्र-कथा पर कार्य				✓		
	सृजनात्मक गतिविधि					✓	
	कहानी सुनाना/अभिनय						✓
डिकोडिंग/अभ्यास पुस्तिका एवं संबंधित पठन-लेखन (40 मिनट)	वाक्य/पाठ आधारित पठन लेखन कार्य	✓	✓	✓	✓		
	आकलन एवं पुनरावृत्ति					✓	✓
पठन (20 मिनट)	प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास और आकलन	✓	✓	✓	✓		
	स्वतंत्र पठन					✓	✓

पाठ्यपुस्तक और अभ्यास पुस्तिका पर कार्य की रणनीति

वर्ष 2024-25 में निपुण भारत के लक्ष्यों को आधार बच्चों के लिए शिक्षण रणनीतियाँ तय की गयी हैं। इसके लिए पाठ्यपुस्तक (झिलमिल-2) और अभ्यास पुस्तिका (नई सुगम) को कक्षा में व्यवस्थित और प्रभावी तरीके से उपयोग करने की योजना है। बच्चों द्वारा पाठ का प्रवाहपूर्ण पठन करना, पाठ पढ़कर समझना, पाठ से जुड़े लेखन कार्य करना और अपने अनुभव/बात को लिखना- इन सभी मुख्य कौशलों पर झिलमिल-2 और नई सुगम के बीच सामंजस्य बनाकर कार्य किया जाएगा।

झिलमिल-2 पाठ्यपुस्तक पर कार्य करने की रणनीति

झिलमिल-2 से भाषा शिक्षण के खंड-1 (30 मिनट) के दौरान मौखिक भाषा, पठन और लेखन कौशल पर किया कार्य किया जाएगा। इस खंड में सप्ताह में तीन दिन झिलमिल-2 पर और बाकी तीन दिन मौखिक भाषा की अन्य गतिविधियाँ (चित्र-चार्ट, चित्रकथा, कहानी, सृजनात्मक कार्य, इत्यादि) पर कार्य होगा। झिलमिल-2 के पाठों को एक समीक्षा के आधार पर दो तरीके से कार्य करने की रणनीति बनाई गयी है-

पहली रणनीति- शिक्षक द्वारा पाठ पढ़कर सुनाना और सम्बंधित अभ्यास कार्य	पहली रणनीति- शिक्षक के मार्गदर्शन में पठन और संबंधित अभ्यास कार्य
सप्ताह 1 से सप्ताह 15 में 3 दिन के दौरान पाठ संख्या 1, 2, 3, 4, 5, 7, 8, 9, 10, 11, 12 और 13 पर मौखिक रूप से पाठ पढ़कर सुनाना और चर्चा एवं अभ्यास कार्य किया जाएगा।	सप्ताह 16 से सप्ताह 24 में 3 दिन के दौरान पाठ सं. 1, 2, 3, 5, 6, 9, 10 और 12 पर पठन और अभ्यास कार्य किया जाएगा।

पाठ की प्रकृति और स्तर को ध्यान में रखकर झिलमिल-2 को दिवसवार योजना/प्लानर में व्यवस्थित किया गया है। कुछ पाठों के लिए दोनों ही प्रकार की रणनीतियों के अनुसार कार्य की योजना दी गई हैं।

'नई सुगम' पर कार्य करने की रणनीति

नई सुगम से भाषा शिक्षण के खंड 2 और 3 में डिकोडिंग कौशल की पुनरावृत्ति, प्रवाहपूर्ण पठन, पढ़कर समझना और लेखन कौशल पर कार्य किया जाएगा। नई सुगम में पाठों को दो भागों में रखा गया है।

भाग 1: इस भाग पर भाषा शिक्षण के खंड 2 में कार्य किया जाएगा। इस भाग में सप्ताह 8 तक डिकोडिंग कौशल की पुनरावृत्ति से जुड़े पाठ हैं और सप्ताह 9 से आगे पढ़कर समझना और लेखन कौशल से जुड़े पाठ हैं। इन पाठों में निपुण भारत के लक्ष्य और दक्षताओं के आधार बनाकर अभ्यास दिए गए हैं। सप्ताह के पहले चार दिन पाठ आधारित पठन और लेखन अभ्यास के कार्य हैं, पांचवां दिन पुनरावृत्ति और छठा दिन आकलन प्रपत्र - मैंने सीख लिया दिया गया है।

भाग 2 : इस भाग पर भाषा शिक्षण के खंड 3 में कार्य किया जाएगा। इस भाग में प्रवाहपूर्ण पठन के अभ्यास से जुड़े पाठ हैं। इन पाठों को बच्चों के स्तर को ध्यान में रखकर विकसित किया गया हैं ताकि वे इन पाठों का स्वतंत्र पठन कर पाएँ। प्रत्येक सप्ताह के लिए 3-4 पाठ दिए गए हैं जिन पर सप्ताह के पहले चार दिन कार्य होना है। इस दौरान शिक्षक द्वारा बच्चों के प्रवाहपूर्ण पठन के स्तर का आकलन भी किया जाएगा।

गतिविधियों पर कार्य कैसे करें?

इस संदर्शिका के पृष्ठ .... पर साप्ताहिक और दिवसवार योजना की गतिविधियों का विस्तृत विवरण है, जिसे इस प्रकार रखा गया है–

मौखिक भाषा विकास / पाठ्यपुस्तक एवं संबंधित लेखन गतिविधियाँ	17	से	30
डिकोडिंग / अभ्यास पुस्तिका एवं संबंधित पठन–लेखन गतिविधियाँ	31	से	35
पठन गतिविधियाँ	36	से	38
पुनरावृत्ति एवं आकलन	39	से	43
दैनिक शिक्षण योजना	68	से	87

गतिविधि के मुख्य चरण

प्रत्येक गतिविधि करवाने के लिए मुख्य चरण दिए गए हैं। शिक्षक कक्षा में गतिविधि करवाने के इन चरणों को पढ़कर समझ लें। आप इसको आधार बनाकर अपनी नई शिक्षण योजना तैयार कर सकते हैं।

शिक्षण योजना

शिक्षण योजना गतिविधि को कक्षा में करवाने के लिए एक विस्तृत उदाहरण है। इसमें आपको गतिविधि के लक्ष्य, आवश्यक तैयारी एवं सामग्री की जानकारी प्राप्त हो सकेगी। साथ ही, ध्यान रखने योग्य मुख्य बातों के साथ गतिविधि को करवाने की प्रक्रिया भी दी गई है।

गतिविधियों को कक्षा में प्रभावी रूप से करवाने के लिए निम्न बातों का ध्यान रखें–

- शिक्षक दिवसवार योजना को ध्यानपूर्वक पढ़कर समझ लें तथा जिस गतिविधि को आपने कक्षा में करवाना है, उस गतिविधि के लिए दिए गए चरणों को समझते हुए आवश्यक पूर्व तैयारी कर लें।
- किसी गतिविधि को नए विषयवस्तु के साथ कक्षा में करने के लिए मुख्य चरण दिए गए हैं। इन चरणों को आधार बनाकर आप इस गतिविधि को आगे कक्षा में करवाएँ। मुख्य चरणों के लिए आइकन का उपयोग किया गया है।
- पृष्ठ 68–87 पर उदाहरण स्वरूप कुछ विस्तृत शिक्षण योजनाएँ दी गई हैं, जिनको आधार बनाकर आप कक्षा में गतिविधियाँ करवाएँ। शिक्षण योजना के लिए आइकन का उपयोग किया गया है।
- शिक्षण योजना में गतिविधि/दिवस के लिए एक अधिगम उद्देश्य निर्धारित है, जिसके लिए आइकन का उपयोग किया गया है।
- गतिविधियों को करवाते समय तथा करवाने के बाद अनौपचारिक आकलन के द्वारा बच्चों के सीखने की स्थिति जाँचें और अपनी शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा करें। समय–समय पर समीक्षा के आधार पर शिक्षण प्रक्रिया में आवश्यक बदलाव करें।
- शिक्षक स्वयं भी अलग–अलग विषयवस्तु और दक्षताओं के लिए शिक्षण योजना का निर्माण करके लागू कर सकते हैं। शिक्षक अपनी शिक्षण योजना बनाने के लिए दिए गए शिक्षण योजना के उदाहरणों को आधार बना सकते हैं।

मौखिक भाषा विकास/पाठ्यपुस्तक एवं संबंधित लेखन गतिविधियाँ

मौखिक भाषा विकास का अर्थ वास्तविक तौर पर बोलने और सुनने की क्षमता से कहीं ज़्यादा होता है। स्कूल में आने के पूर्व ही बच्चे मौखिक रूप से बहुत सारे चिंतन कौशलों पर पकड़ बना चुके होते हैं, जैसे- अनुमान लगाना, तर्क देना, अपने अनुभव साझा करना, आदि।

कक्षा 2 में मुख्य ज़ोर रचनात्मक तरीके से उच्चस्तरीय समझ को विकसित करना है जिसके लिए हमने पाठ्यपुस्तक को आधार बनाकर मौखिक भाषा विकास की कई गतिविधियाँ शामिल की हैं। साथ-साथ चित्र-कथाओं की मदद से कहानी बनाने और सृजनात्मक कार्य करने से जुड़ी गतिविधियाँ होंगी। मौखिक और लेखन के कार्य एक-दूसरे से जुड़े होंगे। कक्षा की शुरूआत एक कविता के साथ करें (3-5)। इससे बच्चे कक्षा के माहौल से जुड़ पाएँगे।

मौखिक भाषा विकास/पाठ्यपुस्तक

5 मिनट

- कविता/बालगीत

25 मिनट

- पाठ्यपुस्तक के पाठों पर कार्य
- चित्र-चार्ट पर कार्य
- चित्र-कथा पर कार्य
- सृजनात्मक गतिविधियाँ
- कहानी सुनाना/अभिनय

कविता पर कार्य

सामग्री: नानी कहे कहानी, कविता पोस्टर, पाठ्यपुस्तक, अन्य स्रोत

इस गतिविधि के लिए पाठ्यपुस्तक, कविता पोस्टर, 'नानी कहे कहानी' इत्यादि से कोई भी कविता ली जा सकती है। आप स्थानीय कविताओं को भी शामिल करें। प्रतिदिन एक कविता पर कार्य करें। शुरुआत के दिनों में छोटी-छोटी कविताओं का चयन करें। कविताओं पर कार्य करने के लिए नीचे दिए गए क्रम के आधार पर कार्य करें-

1. शिक्षक पहले बच्चों को कविता लय के साथ गाकर सुनाएँ।
2. शिक्षक कविता गाएँ व बच्चों को साथ में दोहराने के लिए कहें।
3. ऐसा 2-3 बार करें, ताकि बच्चे कविता की लय और शब्दों को अच्छे से पकड़ पाएँ।
4. सुनाई गई कविता के विषय से जुड़ी कोई और कविता को याद दिलाएँ और बच्चों को सुनाने को कहें। अगर कोई ऐसी कविता नहीं है तो पिछली सुनी हुई कविता उनसे सुनें।

चित्र-चार्ट पर कार्य

सामग्री: चित्र-चार्ट, पाठ्यपुस्तक

चित्र पर चर्चा के लिए चित्र-चार्ट और पाठ्यपुस्तक की सामग्री चित्र काम में लिए जा सकते हैं। चित्र पर बातचीत करने के विविध स्तर हो सकते हैं, जो क्रमश: सरल यानि जो दिख रहा है उनके नाम बताने से लेकर, संबंध बताने वाले, तर्क करने वाले और खुद के अनुभवों से जोड़ने वाले हो सकते हैं। इस बात का ध्यान रखने की अत्यधिक आवश्यकता है कि बातचीत के लिए बच्चों को अपनी भाषा के उपयोग के मौके मिलने चाहिए।

इस गतिविधि के लिए निम्नलिखित चरणों का अनुसरण करें-

- बच्चों के बीच समूह (4-5 बच्चों के) बनाकर चित्र-चार्ट दें और उन्हें आपस में चर्चा करने को कहें।
- बच्चों को चित्र के बारे में बताएँ और प्रश्नों के द्वारा उन्हें संवाद के लिए प्रेरित करें।
- सरल और अनुभव वाले प्रश्न पूछकर चर्चा करें।
- चित्र से जुड़े शब्दों को बच्चों से पूछकर लिखें और साथ में पढ़ें।
- बच्चों के बीच आपस में संवाद को बढ़ावा देना और गौर करें कि सभी बच्चे इस बातचीत में भाग ले रहे हैं या नहीं।
- फिर पहले बच्चों को कल्पना करने, अनुमान लगाने (खुले छोर वाले) वाले प्रश्न इत्यादि की मदद से चर्चा करें।
- बच्चों को उनकी कल्पना से जुड़े लेखन कार्य करवाएँ। जैसे- दुकान से आप क्या-क्या खरीदा, उनका चित्र बनाओ?

ध्यान रखने योग्य बातें:

- खुले छोर के प्रश्न अधिक हो सकते हैं।
- बातचीत के दौरान बच्चों के उच्चारण की गलतियों पर ध्यान न दें।
- बच्चों को घर की भाषा में अपने विचार रखने दें तथा उन्हें घर की भाषा प्रयोग करने के लिए उत्साहित करें।

चित्र-कथा पोस्टर पर कार्य

सामग्री: चित्र-कथा पोस्टर

चित्र-कथा बच्चों को कहानी की घटनाओं के क्रम, अंतर्संबंध और तार्किकता को समझने में मदद करती हैं। किसी घटना पर अच्छी समझ बनाने के लिए ये आवश्यक दक्षताएँ हैं। बच्चों को ऐसे अभ्यास करने की ज़रूरत है, जिससे वे कहानी में घट रही चीज़ों के बीच संबंध बैठा पाएँ। बच्चों के लिए ऐसा करना न सिर्फ रोचक कार्य है, बल्कि इससे बच्चों को कहानी के क्रम के बारे में सोचने, आगे की कल्पना करने और कई घटनाओं को एक सूत्र में मिलाने जैसे कार्य करने होते हैं।

इस गतिविधि के लिए निम्नलिखित चरणों का अनुसरण करें-

- बच्चों को बराबर-बराबर चार समूहों में बाँटे। प्रत्येक समूह को एक-एक चित्रकथा पोस्टर दें।
- बच्चों को इसे देखने और समझने को कहें। शिक्षक यह सुनिश्चित करें कि बच्चे आपस में बात कर रहे हों।
- शिक्षक सभी समूहों में जाकर थोड़ी बातचीत करें और चर्चा को आगे बढ़ाने में बच्चों की मदद करें।
- फिर प्रत्येक समूह के बच्चों से कहानी के बारे में पूछें। सही गलत के निष्कर्ष पर नही जाएँ, बल्कि उनके वर्णन और घटनाओं के क्रम पर चर्चा करें।
- प्रत्येक समूह में बनी कहानी/घटना को समूह में सुनाने के लिए कहें।

ध्यान रखने योग्य बातें:

- सप्ताह 11 से 24 में दिए गए चरणों के अनुसार कार्य करें।

कहानी सुनाना और अभिनय करना

सामग्री: कुछ नहीं

अपने शब्दों में कहानी सुनाना: सुनी हुई कहानी को अपने शब्दों में सुना पाना एक अहम कौशल है। बच्चों के अभिव्यक्ति कौशल के स्तर को बढ़ाने में यह काम महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इसके लिए बच्चों से पहले सुनी हुई कहानी को उनके शब्दों में सुनाने को कहें।

कहानी पर अभिनय करना: किसी कहानी को नाटक के रूप में अभिनय करना एक उपयोगी भाषायी कौशल है। इसको विकसित करने के लिए बच्चों को पूरे मौके देने चाहिए। सप्ताह में काम में ली गई कहानियों/पाठ पर बच्चों के साथ अभिनय कराया जा सकता है। इसके लिए बच्चों को सुनी हुई कहानी के पात्रों के बारे में समझाएँ कि कहानी का कौन-सा पात्र कौन बच्चा बनेगा और उसे क्या संवाद बोलना है, फिर बच्चों को अपना-अपना अभिनय करने दें और बच्चों को प्रोत्साहित करें। यह कार्य भी छोटे-छोटे समूहों में करवाया जाए ताकि सभी बच्चों को प्रतिभागिता का अवसर मिलें।

पाठ्यपुस्तक के पाठों पर कार्य

सामग्री: पाठ्यपुस्तक 'झिलमिल-2'

इस अकादमिक सत्र में कक्षा-2 की पाठ्यपुस्तक के पाठों पर कार्य करने के लिए एक रणनीति बनाकर कार्य करने की योजना है। इस दौरान बच्चों को पाठ पढ़कर सुनाने, उस पर समझ बढ़ाने, उच्चस्तरीय मौखिक कार्य (जैसे, तर्क करना, कल्पना करना, राय बनाना, इत्यादि कार्य) और समझ आधारित लेखन के मौके दिए जाएँगे।

पाठ्यपुस्तक के पाठों पर उनकी प्रकृति और बच्चों के पठन स्तर को ध्यान में रखते हुए अकादमिक सत्र 2024-25 में दो प्रकार से काम किया जाएगा। शुरूआती सप्ताहों में ज़्यादातर पाठों पर मौखिक रूप से कार्य किया जाएगा। सत्र के आखिर के सप्ताहों में कुछ पाठों को चिन्हित किया गया है जिन पर पठन सम्बंधित कार्य भी किया जाएगा और बच्चे शिक्षक के सहयोग से पाठ को पढ़ने का प्रयास करेंगे। कक्षा-2 में प्रत्येक पाठ पर 3 दिन कार्य करने की योजना बनाई गई है।

पहली रणनीतिः शिक्षक द्वारा पाठ पढ़कर सुनाना और संबंधित अभ्यास कार्य

पाठ संख्या 1, 2, 3, 4, 5, 7, 8, 9, 10, 11, 12 और 13

पहला दिन : पाठ पढ़कर सुनाना और अभ्यास कार्य

- पाठ का शीर्षक और चित्र दिखाकर पाठ के बारे में अनुमान लगवाएँ
- पाठ को हाव-भाव के साथ पढ़कर सुनाएँ। अगर कविता है तो उसे लय और हाव-भाव के साथ गाएँ।
- पाठ सुनाने के दौरान बीच-बीच में प्रश्न पूछकर पता करें कि बच्चे पाठ सुनकर समझ रहे हैं या नहीं। ध्यान दें कि इस दौरान अधिक चर्चा ना की जाए। ये ज़रूर सुनिश्चित करलें की बच्चों का पाठ सुनने पर पूरा ध्यान है।
- पाठ को सुनाने के बाद बच्चों के अनुमान पर चर्चा करें।
- बच्चों से पाठ के अंत में दी गई गतिविधि करवाएँ।

दूसरा दिनः पाठ पढ़कर सुनाना, विस्तृत चर्चा और अभ्यास कार्य

- पिछले दिन पढ़ाये गए पाठ को दोहराएँ।
- पाठ पढ़ने के बाद बच्चों के साथ समझ आधारित चर्चा करें। (बच्चों से बंद और खुले छोर के प्रश्न पूछें)
- बच्चों से पाठ के अंत में दी गई गतिविधियाँ करवाएँ।

तीसरा दिनः अपने शब्दों में कहानी सुनाना और अभ्यास कार्य

- पूरे पाठ को एक बार फिर दोहराएँ।
- किन्ही 2-3 बच्चों को बुलाएँ और पाठ को अपने शब्दों में सुनाने के लिए कहें।
- बच्चों से पाठ के अंत में दी गई गतिविधियाँ करवाएँ।

दूसरी रणीतिः शिक्षक के मार्गदर्शन में पठन और अभ्यास कार्य

पाठ संख्या 1, 2, 3, 5, 6, 9, 10 और 12

पहला दिन : पाठ पढ़कर सुनाना और अभ्यास कार्य

- पाठ का शीर्षक और चित्र दिखाकर पाठ के बारे में अनुमान लगवाएँ। *
- पाठ के चिन्हित भाग को हाव-भाव के साथ पढ़कर सुनाएँ। अगर कविता है तो उसे लय और हाव-भाव के साथ गाएँ।

पाठ के चिन्हित भाग को सुनाने के दौरान बीच-बीच में प्रश्न पूछकर पता करें कि बच्चे पाठ सुनकर समझ रहे हैं या नहीं। ध्यान दें कि इस दौरान अधिक चर्चा ना की जाए। ये ज़रूर सुनिश्चित करलें की बच्चों का पाठ सुनने पर पूरा ध्यान है।

पाठ के चिन्हित भाग को सुनाने के बाद बच्चों के साथ पाठ के अंत में दी गई गतिविधि करवाएँ।

* अगर इस पाठ को पहले पढ़ाया जा चुका है तो बच्चों को पाठ याद दिलाएं और पाठ के बारे में बताने के लिए कहें।

दूसरा दिन: पाठ पढ़कर सुनाना, मार्गदर्शन में पठन और अभ्यास कार्य

पिछले दिन पढ़ाये गए पाठ को दोहराएँ।

बच्चों को जोड़ों में बिठाएँ और पाठ का चिन्हित भाग पढ़ने के लिए कहें।

बच्चों को पढ़ते हुए सुनें और यदि बच्चे किसी शब्द को पढ़ने में कठिनाई महसूस कर रहे हैं तो आवश्यकता अनुसार पढ़ने में उनकी मदद करें।

बच्चों से पाठ के अंत में दी गई गतिविधियाँ करवाएँ।

तीसरा दिन: मार्गदर्शन में पठन और अभ्यास कार्य

पिछले दिन पढ़ाये गए पाठ को दोहराएँ।

बच्चों को जोड़ों में बिठाएँ और पाठ का चिन्हित भाग पढ़ने के लिए कहें।

बच्चों को पढ़ते हुए सुनें और दिवस 2 की तरह आवश्यकता अनुसार पढ़ने में उनकी मदद करें।

अंत में पूरे पाठ पर सामान्य चर्चा करें।

बच्चों से पाठ के अंत में दी गई गतिविधियाँ करवाएँ।

सृजनात्मक गतिविधियों पर कार्य

सामग्री: गतिविधियों के अनुसार अलग-अलग सामग्री, शिक्षक संदर्शिका

कक्षा 2 में बच्चों के लिए कई ऐसी मौखिक सृजनात्मक गतिविधियाँ प्रस्तावित की गई हैं जो उन्हें समूह बनाकर करनी हैं। ऐसी गतिविधियाँ बच्चों को सोचने, अपने अनुभवों को साझा करने, आपस में तर्क करने, नयी रचना करने विश्लेषण करने, निष्कर्ष निकालने और समस्या का हल निकालने जैसे उच्च स्तरीय कौशलों को विकसित करने के मौके उपलब्ध कराएँगी।

सृजनात्मक गतिविधियाँ

1. सवाल बनाओ

कहानी की किताबें

- पूरी कक्षा को 4 से 5 समूहों में बाँट दें। प्रत्येक समूह को कहानी की किताब दें। अब हर समूह को इस कहानी पर चर्चा करने को कहें और कहानी से संबंधित 4-5 सवाल बनाने को कहें। इसके लिए उन्हें 10 मिनट का समय दें। समय समाप्त होने के बाद हर समूह से उनके द्वारा बनाए गए प्रश्नों को सुनें।
- आप इस बात का ख्याल रखें कि प्रत्येक समूह के सभी सदस्य सवाल बनाने की प्रक्रिया में सम्मिलित हों और समूह का हर सदस्य एक सवाल पूछे।

2. शब्द अंताक्षरी

बच्चों के लिए पेपर एवं लेखन सामग्री

- बच्चों को 5 छोटे समूहों में बाँटें। हर समूह को 2-3 पर्चे दें, जिनमें हिन्दी के एक-एक सरल शब्द लिखे हुए हों।
- सबसे पहले हर समूह में से कोई एक बच्चा अपनी मर्ज़ी से इनमें से एक पर्ची को उठाकर शब्द को पढ़ेगा। उसके दाईं तरफ वाले बच्चे को उस शब्द के आखिरी वर्ण की ध्वनि से नया शब्द बनाना है।
- कोई भी शब्द दोबारा उपयोग में नहीं लाया जा सकता। इस तरह, बारी-बारी से यह प्रक्रिया समूह में चलेगी। अगर कोई बच्चा शब्द नहीं बताता तो उसके बाद वाले बच्चे को बताना होगा। यह तब तक चलता रहेगा, जब तक सारे बच्चे किसी एक वर्ण पर आकर ना अटक जाएँ और आखिरी वर्ण से कोई नया शब्द ना बना पाएँ।
- इसके बाद सारे बच्चों को याद करके अंताक्षरी के पहले राउंड में आए हुए कम से कम 5 शब्दों को अपने पेपर पर लिखना होगा और समूह में साझा करना होगा।
- गतिविधि समाप्त होने के बाद हर समूह के कार्य को कक्षा के 'बच्चों के काम का कोना' (Students work corner) में लगा दें।

3. क्या अच्छा लगा

कक्षा में अपनी भावनाएँ सामने रखना।

- बच्चों को घेरे में आराम से बिठाएँ और यह सुनिश्चित करें कि वे सहज महसूस कर रहे हों।
- कागज़ की एक गेंद या खिलौना जिसे बच्चे एक-दूसरे के पास बढ़ा सकें।
- नोट- यह गतिविधि कक्षा में अंतिम समय पर करवाई जा सकती है।

- बच्चों को बताएँ कि आप कागज़ की गेंद घेरे में घुमाएँगे। गेंद जिसके पास भी पहुँचेगी उसे बताना होगा कि कल उन्हें कौन-सी गतिविधि सबसे ज़्यादा अच्छी लगी। इस गतिविधि में सभी बारी-बारी से अपनी बात कहेंगे।
- इस चर्चा की शुरुआत आप करें और बच्चों को बताएँ कि कल आपको सबसे अच्छी गतिविधि कौन-सी लगी थी? ध्यान रखें कि आप किसी बच्चे का नाम न लें और पूरी कक्षा को एक साथ संबोधित करें।
- सभी बच्चों को बारी-बारी से अपनी बात कहने के लिए मदद और मौका दें।
- सहभागिता बढ़ाने के लिए एक सहज और सुरक्षित माहौल तैयार करें।

4. भावनाएँ

बच्चे संकेतों की मदद से अपने आपको अभिव्यक्त करके दिखाएँगे।

बच्चों के लिए संकेत तैयार रखें।

- बच्चों को बताएँ कि आप उन्हें कुछ ख़ास स्थितियाँ देंगे और उन्हें ये दिखाना है कि वे उस स्थिति में होते तो किस तरह की प्रतिक्रिया देते। उन्हें ये करके दिखाना है कि उस स्थिति में वे कैसा महसूस करते और क्या प्रतिक्रिया देते।
- इसके बाद बच्चों को भावनाएँ चुननी हैं। अब बच्चों से निम्नलिखित प्रश्नों पर बातचीत करें:
  - मम्मी ने गुलाब जामुन बनाएँ हैं और आपको औरों से दो ज़्यादा गुलाब जामुन दिए हैं। आपको कैसा लगेगा?
  - आज सुबह सीढ़ियों से उतरते हुए आप गिर पड़े थे। गिरने पर क्या हुआ और आपको कैसा लगा?

5. अनोखी बातचीत

बच्चे के लिए पेपर एवं लेखन सामग्री

- बच्चों को जोड़ों में बाँटे और हर एक जोड़े को 2 वस्तुओं/जानवर/पक्षी/पेड़-पौधे (जो इंसान नहीं है) बादल, चिड़िया आदि का नाम एक पर्चे में लिख कर दें।
- हर जोड़ी को अपने आप को उन वस्तुओं की जगह रखकर बातचीत करनी होगी। बच्चों को बातचीत को रोचक बनाने के 2-3 उदाहरण दें और इस बातचीत को अपने-अपने पन्ने में 5-7 मिनट के अंदर लिखने को कहें।
- बच्चों को कक्षा के सामने अपने लिखे हुए को पढ़ने के लिए 2-3 मिनट दें।
- गतिविधि समाप्त होने के बाद हर जोड़े की कहानी को कक्षा के 'बच्चों के काम का कोना' (Students Work Corner) में लगा दें।

6. सुनो और पता लगाओ

हर समूह के लिए शब्दों की गड्डी। कोशिश कीजिए कि हर समूह को अलग-अलग शब्द मिलें।

- बच्चों को 5 छोटे समूहों में बाँटें। हर एक समूह के बीच 10-12 शब्द और उनकी विशेषता, जैसे- उपयोगिता, रंग, रूप आदि के बारे में 3 बातें लिखकर पर्ची की गड्डी रख दें।
- समूह के सारे बच्चे बारी-बारी से 2-2 पर्चे उठाएँ और बिना देखे अपने पास रख लें।
- कोई भी बच्चा अपने समूह में शुरुआत कर सकता है। वह अपने पर्चे को बिना देखे अपने दाईं तरफ के बच्चे को देगा। यह बच्चा उस पर्ची में लिखे शब्द को मन में पढ़ेगा और उसके बारे में लिखी हुई बातों को बोलकर अपने मित्र को दिए गए शब्द को पहचानने को कहेगा।
- 3 बार शब्द नहीं पहचान पाने पर दूसरे बच्चे द्वारा उत्तर बताया जाएगा। इसी तरह यह खेल आगे बढ़ेगा। इस खेल के दो राउंड होंगे और हर प्रतिभागी को 2 मौके मिलेंगे।

7. करके दिखाओ

इस खेल में बच्चे अलग-अलग तरह की विधा, शैली एवं चीजों से संबंधित कुछ वाक्य बोलने का प्रयास करते हैं।

सामग्री: कागज की गेंद, लिखी हुई कुछ पर्चियाँ

- विभिन्न विषयों से संबंधित पर्चियाँ बना लें, जैसे- कविता सुनाना, कहानी सुनाना, गाना गाना, जानवर की आवाज निकालना, चुटकुला सुनाना आदि।
- बच्चों के साथ गोल घेरे में बैठें। पर्चियों को अपने सामने रखें और किसी एक बच्चे को कागज की बनाई गई गेंद दें। अब ताली बजाएँ और जब तक ताली बजेगी, बच्चे उस गेंद को क्रम से एक-दूसरे को देते जाएँ।
- ताली रुकते ही, जिस बच्चे के पास गेंद हो, वह रखी हुई पर्चियों में से एक पर्ची उठाये और उसे पढ़कर बताए। यदि बच्चा पढ़ नहीं सकता तो शिक्षक उसे पढ़कर सुना दें।
- बच्चा पर्ची में लिखे गए कार्य को करके दिखाए, जैसे- यदि पर्ची में 'कविता सुनाओ' लिखा गया हो तो बच्चा कविता सुनाए। इसी तरह फिर शिक्षक ताली बजाए और खेल को आगे बढ़ाए।

8. मैं कौन हूँ

इस खेल में कुछ बच्चे चयनित वस्तुओं के बारे में विस्तार से बताने का प्रयास करते हैं और कुछ बच्चे उन विशेषताओं के आधार पर नाम का अंदाजा लगाते हैं।

सामग्री: कुछ चित्र कार्ड

- सभी बच्चे 'यू' आकार में बैठें। शिक्षक चित्र कार्ड को उल्टा करके रख दें।
- कोई एक बच्चा आगे आए व एक चित्र कार्ड उठाकर देखे। ध्यान रहे, यह चित्र कार्ड बाकी बच्चे न देख पाएँ।
- अब चित्र कार्ड में बने जानवर/फल/वस्तु के बारे में उसे कुछ बताना है। उदाहरण के लिए, अगर आम का चित्र आया है तो वह बता सकता है- 'यह एक फल है, बहुत मीठा होता है, हम इसे गर्मियों के मौसम में खाते हैं' इत्यादि।
- यह सुनकर कक्षा के बाकी बच्चों को अंदाजा लगाना है कि उसके पास जो कार्ड है, वह किस चीज का है। (शुरुआत में शिक्षक बोल रहे बच्चे की मदद करें – 'अब इसके रंग के बारे में बताओ', 'इसका आकार कैसा है, वह बताओ', 'यह किस श्रेणी में आता है, वह बताओ – फल, जानवर, सब्जी या पक्षी' आदि। एक बार बच्चे खेल समझ जाएँ तो शिक्षक मदद करना छोड़ दें।)

9. मिट्टी से क्या-क्या बनाया जा सकता है? चित्र बनाओ और लिखो।

चित्र बनाने और लिखने के लिए रंग और पेपर।

- बच्चों से पहले मिट्टी के बारे में चर्चा करें। फिर, सभी बच्चों को एक-एक पेपर दें और बताएँ कि मिट्टी से बनने वाली चीज़ें (4-5) के चित्र बनाने हैं और हर चित्र के बारे में एक-एक वाक्य लिखना है। इसके लिए बच्चों को 1-2 उदाहरण दें।
- यह गतिविधि सारे बच्चे स्वतंत्र रूप से करेंगे। इसे करने के लिए 10 मिनट का समय दें और बाकी समय में उन्हें कक्षा के सामने अपने कार्य की प्रस्तुति करने का अवसर दें।
- अगली बार ऐसी ही गतिविधि लोहा/प्लास्टिक से बनने वाली चीज़ों के लिए करवा सकते हैं।

10. चलो, अपना स्कूल बनाएँ

लिखने के लिए पेपर, (यदि ज़रूरत हो तो चित्र बनाने के लिए रंग)

- गतिविधि: दिए गए विषय पर सूची बनाना– 'अगर आपको एक स्कूल बनाना है तो आप को किन–किन चीजों की ज़रूरत पड़ेगी? उनकी सूची बनाओ।'
- आप गाँव के विषय का उदाहरण दें (बच्चों से चर्चा करते हुए बोर्ड पर लिखे, गाँव में क्या–क्या होता है? जैसे- घर, पेड़, जानवर, स्कूल, खेत आदि।)
- अब बच्चों को इस गतिविधि का विषय दें और उस पर चर्चा करें। बच्चों को उत्तर देने दें। थोड़ी–सी चर्चा के बाद बच्चों को जोड़ों में बाँटें और उन्हें 10 मिनट में उपर्युक्त गतिविधि पर एक सूची बनाने को कहें। आखिर के 10 मिनट में अलग–अलग जोड़ियों को प्रस्तुतिकरण के लिए कहें।

11. अजीब कहानी हमने बनाई

इस खेल में बच्चे मिलकर मजेदार कहानी बनाने का प्रयास करते हैं।

सामग्री: कागज की गेंद

- शिक्षक अपने हाथ में कागज की एक गेंद रखें और कोई भी एक अनोखा वाक्य बोलें। यह वाक्य कहानी का पहला वाक्य होगा।
- इसके बाद शिक्षक किसी एक बच्चे की ओर गेंद फेंकें। यह गेंद जिस बच्चे के पास जाए, वह उस वाक्य के साथ एक और मजेदार वाक्य जोड़े।
- फिर वह बच्चा गेंद को किसी दूसरे बच्चे की ओर फेंकें। जिस बच्चे के पास गेंद जाए, वह कहानी में एक नया वाक्य जोड़े।
- इस प्रकार पूरी कहानी बनाएँ। यह कहानी 8–10 वाक्यों से अधिक लम्बी न हो।
- कहानी पूरी होने के बाद कुछ बच्चों से पूरी कहानी सुनें।
- अंत में, खुद भी कहानी को हाव–भाव सहित सुनाएँ।

12. क्या हो अगर?

इस खेल में बच्चे एक-दूसरे से काल्पनिक परिस्थितियों को लेकर सवाल-जवाब करने का प्रयास करते हैं।

सामग्री: कुछ नहीं।

- बच्चे आमने–सामने मुँह करके दो लाइन बनाकर खड़े हों।
- पहली लाइन से एक बच्चा अपने सामने वाले बच्चे को 'क्या हो अगर' से शुरू होती एक मजेदार काल्पनिक स्थिति दें। जैसे– क्या हो अगर मेरे पंख लग जाएँ, या क्या हो अगर कभी रात न हो, आदि।
- दूसरी लाइन में खड़े बच्चे को इसका जवाब देना होगा।
- फिर दूसरी लाइन से अगला बच्चा पहली लाइन के अगले बच्चे से एक सवाल पूछेगा, जिसका उसे जवाब देना होगा।
- इसी प्रकार खेल आगे बढ़ेगा।

13. स्कूल के अंदर : खेल (2 दिन)

प्रश्न पत्र का नमूना और प्रश्न पत्र।

- पहले दिन: सर्वेक्षण का नमूना दिखाना व उस पर बात करना।
- दूसरे दिन: प्रस्तुतिकरण के लिए मुख्य बिंदु पर बात करना, लिखना और प्रस्तुत करना।
- कक्षा को 3-5 समूहों में बाँटें और प्रति समूह को सर्वेक्षण पत्र दें, जिसमें 2 सवाल लिखे होंगे। बच्चों को कक्षा तीसरी और चौथी के बच्चों से पूछकर इस पत्र को भरकर लाने को कहें।

प्रश्न 1: क्या आप स्कूल से जाने के बाद खेल खेलते हैं? (हाँ/नहीं)

प्रश्न 2: आपको कौन-सा खेल पसंद है? (खेल का नाम)

नाम	प्रश्न 1		प्रश्न 2
	हाँ	नहीं	खेल का नाम
कुल			

14. आलसी बिल्ली

बच्चों को स्कूल के प्रति अपनी भावनाओं के बारे में सोचने और उनको पहचानने में मदद देना

- इस बात पर ध्यान दें कि बच्चों के चलने-फिरने के लिए जगह पर्याप्त हो।
  इस बात का ख्याल रखें कि बच्चे अपनी-अपनी जगह आराम से खड़े हों। कोई भी बच्चा परेशान दिखाई न दे।

- बच्चों को निम्नलिखित निर्देश दें-
- उन्हें कहें कि वे आलसी बिल्ली का अभिनय करें- एक ऐसी बिल्ली, जो देर तक गहरी नींद में सोने के बाद उठकर अंगड़ाई ले रही है।
  - उन्हें लंबी उबासी लेने के लिए कहें।
  - म्याऊँ-म्याऊँ करने के लिए कहें।
  - अब उन्हें अपनी बाँह, टाँगें और पीठ फैलाकर सीधी करने के लिए कहें। उन्हें धीरे-धीरे, बिल्ली की तरह अपना शरीर फैलाना है। इसके बाद आराम से बैठ जाएँ।
- अब उन्हें तकरीबन 10 सेकंड तक हवा में तैरते एक पंख का अभिनय करना है।
  - इसके बाद उन्हें अचानक बिना हिले एक मूर्ति में बदल जाना है। उन्हें कहें कि इसके बाद वे बिल्कुल ना हिलें।
  - इसके बाद उन्हें दोबारा उड़ते पंख में आकर, जैसे आराम करते हैं, उस स्थिति में आने के लिए कहें।
  - प्रक्रिया को दोहराएँ और सुनिश्चित करें कि जब गतिविधि समाप्त हो तो बच्चे एक विश्रामपूर्ण अवस्था में उड़ते पंख की स्थिति में हों।
- बच्चों के मार्गदर्शन के लिए उनके साथ-साथ यह गतिविधि करते जाएँ।

15. महसूस करें

बच्चों को अपने आसपास की चीजों के प्रति जागरूक करना, उनके बारे में अपनी भावनाएँ व्यक्त करना

बच्चे आराम से घेरे में बैठ जाएँ। कोई भी बच्चा परेशान या बेचैन ना हो।

- बच्चों से उनके आसपास मौजूद तीन चीजों को छूने के लिए कहें। वे ऐसी तीन चीजों को छू सकते हैं, जो उनके एकदम पास मौजूद हैं। उन्हें किसी चीज को छूने के लिए उठकर जाने की जरूरत नहीं हो।
- उन्हें अपने हाथों में उन चीजों को महसूस करने के लिए कहें। उन्हें उस वस्तु की बाहरी सतह, खुरदरापन, आकार, वजन पर ध्यान देने को कहें।
- उन्हें इस बारे में सोचने के लिए कहें कि उन्हें उन चीजों को हाथ में लेकर कैसा महसूस हुआ।
- उन्हें कुछ शब्दों में अपनी भावनाएँ व्यक्त करने को कहें।
- अब उन्हें धीरे-धीरे अपना ध्यान अपनी साँस पर केंद्रित करने को कहें। उन्हें नाक में हवा के आवागमन पर ध्यान देने को कहें। उन्हें अपने साँसों की लय पर ध्यान देने दें।

16. स्कूल के बाहर : सफर (2 दिन)

प्रश्न पत्र का नमूना और प्रश्न पत्र।

- निर्देश: शिक्षक कक्षा को 3–5 समूहों में बाँटें और प्रत्येक समूह को एक सर्वेक्षण पत्र दें, जिसमें 2 सवाल लिखे होंगे। बच्चों को अपने घर के आस-पास के 10 लोगों से पूछकर इस पत्र को भरकर लाना होगा।

प्रश्न 1: क्या आप ट्रेन या बस में सफर करते हैं? (हाँ/नहीं)
प्रश्न 2: आपको ट्रेन या बस में से किसका सफर अच्छा लगता है? (बस / ट्रेन)

नाम	प्रश्न 1		प्रश्न 2
	हाँ	नहीं	(बस / ट्रेन)
कुल			

17. भावनाओं के भी चित्र होते हैं

जिन भावनाओं पर पहले चर्चा हुई थी, बच्चे उनका चित्र जोड़ों में बनाएँगे

दो-दो बच्चों के जोड़े बनाएँ। उनके पास खाली पेपर और पेंसिल हो।

- सभी जोड़ों को एक-एक खाली पेपर दें। अगर पेपर नहीं है तो ये कार्य कॉपी में भी कर सकते हैं।
- पिछली गतिविधि में जिसका नाम 'भावनाएँ' था पर चर्चा हुई थी, उन वाक्यों/संकेतों को अब बारी-बारी फिर से बोलें और बच्चों को उनसे संबंधित स्माइली (हँसता हुआ चेहरा) बनाने को कहें। चित्र में दिख रही स्माइली को आप बच्चों को सहयोग देने के लिए बोर्ड पर बना दें। जैसे-
  - आप बहुत देर तक होमवर्क कर रहे थे? आपको कैसा लगा?
  - इस पर आप कौन-कौन सी स्माइली बनाएँगे?
- बच्चों के साथ उन स्माइली और उनकी भावनाओं पर बातचीत करें। (इस गतिविधि में जो स्माइली दिख रहे हैं, आप उस तरह की स्माइली भी बना सकते हैं।

18. अभिनय करो और पहचानो

कक्षा में बच्चों की अभिव्यक्ति के मौके देना

- सभी बच्चों को अपनी-अपनी जगह आराम से बैठने के लिए कहें।
  पूरी कक्षा को 4-5 समूहों में बाँट लें और गतिविधि के लिए कुछ क्रिया शब्द सोचकर रखें।

- बच्चों को (डम्ब शराड) 'अभिनय करो और पहचानो' के बारे में बताएँ।
- सभी समूहों को कहें कि उन्हें मिलकर ये तय करना है कि वे अभिनय के लिए अपनी तरफ से किस बच्चे को भेजेंगे।
- प्रत्येक समूह को अभिनय के लिए बारी-बारी से अपने सदस्यों को भेजने का अवसर दें।
- अभिनय करने वाले प्रत्येक बच्चे को एक शब्द दें। उस बच्चे को कोई आवाज निकाले बिना उस शब्द का अभिनय करके दिखाना होगा।
- उस बच्चे के समूह के सदस्यों को उस शब्द का अनुमान लगाना है। समूह को तभी मदद दें, जब वे अटक जाएँ।
- दूसरे समूहों को कहें कि वे शब्द का अनुमान लगाने में मदद न करें।
- अभिनय करने के लिए बच्चों को ये शब्द दें: पीने का पानी, दौड़ना, नाचना, गाना। आप चाहें तो अन्य शब्द भी बच्चों को दे सकते हैं।

19. सर्वेक्षण (स्कूल से बाहर) : टीवी देखना (2 दिन)

प्रश्न पत्र का नमूना और प्रश्न पत्र।

- पहले दिन: सर्वेक्षण का नमूना दिखाना व उस पर बात करना।
- दूसरा दिन: प्रस्तुतिकरण
- कक्षा को 4 समूहों में बाँटें और प्रत्येक बच्चे को एक सर्वेक्षण पत्र दें, जिसमें 2 सवाल लिखे होंगे। बच्चों को अपने घर के आस-पास के लोगों से पूछकर इस पत्र को भरकर लाना होगा। सर्वेक्षण पत्र: इसके पहले दिए गए 2 सर्वेक्षण पत्रों के आधार पर एक सर्वेक्षण पत्र बनाएँ एवं निम्नलिखित बिंदुओं को शामिल करें:

प्रश्न 1: क्या आपको टीवी देखना पसंद है? (हाँ/नहीं)
प्रश्न 2: आप टीवी में क्या देखना पसंद करते हैं?

नाम	प्रश्न 1		प्रश्न 2
	हाँ	नहीं	टीवी में जो देखना पसंद है
कुल			

20. पहेली बनाओ

हर समूह के लिए एक पेपर और लेखन सामग्री — 20 मिनट

- शिक्षक सबसे पहले 3–4 सरल एवं परिवेशीय उदाहरण देकर बच्चों को समझाएँ कि पहेली कैसी होती है।
- फिर बच्चों को 5 छोटे समूहों में बाँटें। हर समूह को 4 पर्चे दें और उनमें से किसी दो पर बच्चों को पहेली बनाने को कहें। पहेली के लिए शब्द सरल एवं उनके परिवेश से होने चाहिए।
- प्रस्तुति में हर एक समूह दूसरे समूहों से अपनी 2 पहेलियों को पूछेंगे और सही जवाब नहीं आने पर उनके उत्तर दूसरों के साथ साझा करेंगे।
- गतिविधि समाप्त होने के बाद समूह कार्य के पेपर को कक्षा के 'बच्चों के काम का कोना' (Students Work Corner) में लगा दें।

21. मनमोहक वाक्य और चित्र के साथ विज्ञापन बनाना — 20 मिनट

एक मजबूत पेपर की शीट, रंग और लिखने के लिए सामान, बच्चों को दिखाने के लिए कुछ विज्ञापन (अखबार, पैम्फलेट आदि के नमूना), अलग-अलग चीजों का आवरण (wrapper), जैसे- बिस्कुट, नमकीन, खिलौना, पेंसिल, कॉपी आदि।

- किसी एक विज्ञापन का उदाहरण दें और उसे बोर्ड पर बच्चों के सामने बनाएँ। विज्ञापन में पंच लाइन जोड़कर विज्ञापन बनाएँ। उदाहरण में दिया गया है- 'जो भी खाए खाता जाए, सबसे सस्ता सबसे मीठा।' यह एक पंच लाइन है। आप किसी विषय पर 2–3 विज्ञापन एवं पंच लाइन का उदाहरण दें। इससे बच्चों को पंच लाइन एवं विज्ञापन क्या होता है, इसे समझने में मदद मिलेगी।
- पंच लाइन पर चर्चा करें और मौखिक रूप से बच्चों से अलग-अलग चीजों के लिए इसे बनवाने का प्रयास करें। आप बच्चों को विभिन्न विषय बताएँ, जिन पर विज्ञापन बनाए जा सकते हैं।

- इस कार्य के लिए पूरी कक्षा को 4-4 बच्चों के समूहों में बाँटें और अपने-अपने समूह का विज्ञापन बनाने को कहें। आप हर समूह को एक निर्धारित विषय/चीज दे दें। जैसे- नमकीन, खिलौना, पेंसिल, कॉपी आदि। हर समूह को पंच लाइन लिखना आवश्यक है। इस कार्य के लिए 10 मिनट दें और आखिर के 5 मिनट में हर समूह को उनके द्वारा बनाए गए पंच लाइन कक्षा में साझा करने को कहें।
- सभी बच्चों के विज्ञापन को 'बच्चों का कोना' में लगाएँ। यदि यह गतिविधि एक दिन में पूरी नहीं होती है तो दूसरे दिन भी इसी पर कार्य कराया जा सकता है।

मौखिक भाषा से जुड़ी लेखन गतिविधियाँ

मौखिक भाषा विकास की गतिविधियों के दौरान लेखन पर भी कार्य शामिल है। ये सभी गतिविधियाँ मौखिक गतिविधियाँ जैसे– चित्र–चार्ट पर चर्चा, कहानी सुनाना, खेल आदि से जुड़ी हुई हैं। इन्हें करवाते समय दिए गए चरणों का अनुसरण करें–

चित्र बनाना

- मौखिक गतिविधि के बाद चित्र बनवाएँ, रंग भरवाएँ और नाम लिखवाएँ।
- चित्र के बारे में कुछ अन्य शब्द/वाक्य लिखने को कहें।
- बने हुए चित्र पर कक्षा में बातचीत करें।

ध्यान रखने योग्य बातें:

- बच्चों को चित्र बनाने के मौके दें। इस दौरान बच्चों को ये न सुझाएँ कि चित्र कैसे बनाएँ कौन–से रंग इस्तेमाल करें, आदि।
- इन चित्रों का संबंध कहानी या पाठ से हो सकता है, जो उस दिन उन्हें बताया/सुनाया गया हो। बच्चे जो कुछ भी बनाएँ, उन पर बातचीत करें।

स्वतंत्र लेखन

- बच्चों को किसी चित्र/कहानी/कोई अनुभव के बारे में अपनी बात लिखने के लिए कुछ समय दें।
- लिखने के बाद उन्हें अपनी लिखावट साझा करने को कहें और इस पर बातचीत करें।
- बच्चों के लेखन कार्य को कक्षा में प्रदर्शित करें और एक निश्चित समय अंतराल के बाद इन्हें बदलें।

ध्यान रखने योग्य बातें:

- लेखन के दौरान जैसा चाहे लिख सकते हैं। वे शायद अच्छे से न लिख पाएँ, सिर्फ कोई लकीर, आकृति, वर्ण ऐसा ही कुछ लिखें। आप बच्चों के साथ पढ़ें और उन्हें प्रोत्साहित करते रहें।

नोट: बच्चों की रूचि को ध्यान में रखकर गतिविधियों में बदलाव कर सकते हैं।

डिकोडिंग/अभ्यास पुस्तिका एवं संबंधित पठन-लेखन गतिविधियाँ

डिकोडिंग में कक्षा-2 के स्तर पर अपेक्षा है कि बच्चे वर्ण/अक्षरों से बने शब्दों को शुद्धता के साथ पढ़ पाएँ और कक्षा स्तर के विभिन्न शैली/विधाओं के वाक्यों/पाठों को पढ़ पाएँ। डिकोडिंग सम्बन्धी दक्षताओं के विकास हेतु अभ्यास पुस्तिका नई सुगम का प्रयोग किया जाएगा, जिसमें वर्ण पहचान, अक्षर/मात्रा पहचान, मिलाकर शब्द पढ़ना, शब्द/वाक्यांश पठन, पाठ से संबंधित पठन-लेखन के कार्य और प्रवाहपूर्ण पठन के अभ्यास सम्मिलित हैं।

डिकोडिंग/अभ्यास पुस्तिका

1 से 8 सप्ताह (पुनरावृत्ति)

- वर्ण पहचान पर दोहरान कार्य
- अक्षर पहचान पर दोहरान कार्य
- मात्रा पहचान पर दोहरान कार्य
- मिलाकर पढ़ना
- शब्द/वाक्य पठन व लेखन

9 से 24 सप्ताह (पाठ आधारित पठन लेखन)

- अभ्यास पुस्तिका के पाठों पर कार्य
  - आदर्श वाचन
  - संबंधित लेखन कार्य

वर्ण पहचान पर कार्य

सामग्रीः वर्ण कार्ड, अभ्यास पुस्तिका (भाग-1)

न

इस गतिविधि के लिए निम्नलिखित चरणों का अनुसरण करें:

1. 'नल' को बोर्ड पर लिखें और उसकी पहली आवाज के प्रतीक पर घेरा लगाएँ। फिर 'न' का कार्ड दिखाकर /न/ का 3-5 बार उच्चारण करें। बच्चों से 'न' की आवाज से शुरू होने वाले शब्द/नाम पूछकर बोर्ड पर लिखें। शब्द को तोड़कर पहली ध्वनि पर बल दें और /न/ पर गोला लगवाएँ।
2. बच्चों को 'न' वर्ण को कक्षा में प्रदर्शित सामग्रियों और कक्षा-1 की पाठ्यपुस्तक से ढूँढकर बताने को कहें।
3. वर्ण पहचान का कोई एक खेल करवाएँ।
4. अभ्यास पुस्तिका और पाठ्यपुस्तक से वर्ण पहचान और लेखन का अभ्यास करवाएँ।

अक्षर पहचान पर कार्य

सामग्री: अक्षर कार्ड, ग्रिड, अभ्यास पुस्तिका (भाग-1)

ना

न	ना	नी
ग	गा	गी
म	मा	मी

इस गतिविधि के लिए निम्नलिखित चरणों का अनुसरण करें:

- वर्ण-मात्रा से लक्षित क्रमिक ग्रिड बनाएँ और 4-5 बार उच्चारण करके दिखाएँ।
- वर्ण-मात्रा से बने इस ग्रिड से वर्ण-अक्षर पढ़ें ओर बच्चे को अपने बाद बोलने को कहें।
- फिर बच्चों को छोटे ग्रिड कार्ड चार-पाँच के समूह में दें और साथ-साथ पढ़ने को कहें।
- अक्षर पहचान का कोई एक खेल करवाएँ।
- अभ्यास पुस्तिका से अक्षर पहचान एवं लेखन का अभ्यास करवाएँ।

मात्रा पहचान पर कार्य

सामग्री: ग्रिड, अभ्यास पुस्तिका (भाग-1)

न	ना
ग	गा
म	मा

इस गतिविधि के लिए निम्नलिखित चरणों का अनुसरण करें:

- बोर्ड पर किसी वर्ण को लिखें और इसका उच्चारण करें। फिर उस वर्ण में मात्रा लगाकर अक्षर का उच्चारण करें।
- 5-6 वर्ण के साथ मात्रा लगाकर उच्चारण करें। फिर बच्चों को बोलने को कहें।
- वर्ण-मात्रा से लक्षित क्रमिक ग्रिड दिखाएँ और 4-5 बार उच्चारण करके दिखाएँ।
- फिर बच्चों को छोटे ग्रिड कार्ड 4-5 के समूह में दें और साथ-साथ पढ़ने को कहें।
- अक्षर पहचान का कोई एक खेल करवाएँ या वर्ण और मात्रा/अक्षर की मदद से शब्द बनवाएँ।
- अभ्यास पुस्तिका से पहचान, अभ्यास और लेखन का कार्य करवाएँ।

मिलाकर शब्द पढ़ना

सामग्री: वर्ण/अक्षर कार्ड, अभ्यास पुस्तिका (भाग–1)

इस गतिविधि के लिए निम्नलिखित चरणों का अनुसरण करें:

- बोर्ड पर दो बॉक्स बनाएँ ओर उसमें वर्ण/अक्षर बोलते हुए लिखें। फिर उसके सामने बड़े बॉक्स में इन दोनों वर्णों/अक्षरों से बने शब्द को लिखें (अभ्यास पुस्तिका में दिए गए तरीके के अनुसार)। फिर पहले अलग-अलग उच्चारण करके, फिर जोड़कर 2–3 बार पढ़ें।
- 2–3 बार दोनों शब्दों को बच्चों के साथ ऊपर की तरह जोड़कर पढ़ें।
- अब बच्चों को अभ्यास पुस्तिका में इस गतिविधि पर आधारित अभ्यासों को करने को कहें।

शब्द पढ़ना

सामग्री: अभ्यास पुस्तिका (भाग–1)

इस गतिविधि के लिए निम्नलिखित चरणों का अनुसरण करें:

- अभ्यास पुस्तिका में दिए शब्दों (4–5 शब्द) को बोर्ड पर लिखें। इन्हें दो बार धीरे-धीरे पढ़ें।
- फिर इन्हें बच्चों को शब्द-दर-शब्द पढ़ने को कहें। आप बच्चों की ज़रूरत के अनुसार मदद करें।
- अब बच्चों को अभ्यास पुस्तिका से इन शब्दों को पढ़ने को कहें। आवश्यकतानुसार उनकी मदद करें।
- शब्द स्तर का कोई खेल बच्चों से करवाएँ।

* वाक्यांश / वाक्य पठन पर भी इसी प्रकार कार्य करवाएँ।

अभ्यास पुस्तिका के पाठों पर पठन-लेखन कार्य

सामग्री: अभ्यास पुस्तिका (भाग-1)

सप्ताह 9 से 24 तक अभ्यास पुस्तिका में पाठ सम्बंधित कार्य दिए गए हैं। प्रत्येक पाठ पर दो दिन तक कार्य किया जायेगा। इस दौरान बच्चों को पाठ को पढ़ने, उच्चस्तरीय मौखिक कार्य (जैसे- तर्क करना, कल्पना करना, राय बनाना, इत्यादि कार्य) और उससे संबंधित समझ आधारित लेखन के मौके दिए जायेंगे। प्रत्येक पाठ पर कार्य करने की दो दिन की योजना निम्न प्रकार है:

पहला दिन: शिक्षक द्वारा पाठ पढ़कर सुनाना (आदर्श वाचन) और अभ्यास

- पाठ का चित्र और शीर्षक दिखाकर चर्चा करें और पाठ के बारे में अनुमान लगवाएँ।
- पाठ को उचित उतार-चढ़ाव के साथ पढ़कर सुनाएँ। अगर कविता है तो उसे लय और हाव-भाव के साथ गाएँ।
- बच्चों को भी साथ में पाठ पर अँगुली रखकर देखने को कहें।
- पाठ सुनाने के दौरान बीच-बीच में प्रश्न पूछकर पता कर लें कि बच्चे कहानी सुनकर समझ रहे हैं या नहीं।
- पाठ के बाद बच्चों से समझ आधारित चर्चा करें। बच्चों से खुले छोर वाले प्रश्न पूछें।
- सभी बच्चों को जोड़ी में बाँट दें और उन्हें पाठ को जोड़ियों में पढ़ने के लिए कहें। शिक्षक अलग-अलग जोड़ियों में जाकर आवश्यकतानुसार बच्चों की पढ़ने में मदद करें।
- कक्षा से किन्हीं 2-3 बच्चों से कक्षा के सामने पाठ को पढ़ने के लिए कहें।

दूसरा दिन: पाठ पर स्वतंत्र पठन एवं लेखन अभ्यास

- पिछले दिन पढ़ाए गए पाठ को एक बार आदर्श तरीके से पढ़कर सुनाएँ।
- बच्चों को दो-दो की जोड़ी में बाँट दें या उन्हें पाठ स्वतंत्र रूप से पढ़ने के लिए कहें। जिन बच्चों को आवश्यकता है उनकी पाठ पढ़ने में मदद करें।
- फिर अभ्यास पुस्तिका में दी गई गतिविधियों पर चर्चा करें और लेखन कार्य करने को कहें।
- अंत में, बच्चों के लेखन कार्य पर अपनी राय दें और उन्हें प्रोत्साहित करें।

श्रुतलेख पर कार्य

सामग्रीः अभ्यास पुस्तिका (भाग-1)

1. पिछले सप्ताह तक सीखे गए स्तर के अनुसार सरल शब्दों/वाक्यों का चयन करें।
2. जब बच्चे अपनी नोटबुक के साथ तैयार हों तो शिक्षक पहला शब्द/वाक्य बोलें। बच्चों को इसे दोहराने को कहें। इससे ये पता चल जाएगा कि बच्चों ने सही सुना है या नहीं।
3. अब बच्चों को लिखने को कहें, फिर इसे कम से कम तीन बार बोलें।
4. अगले शब्द/वाक्य के साथ भी यही प्रक्रिया दोहराएँ।
5. फिर शिक्षक बच्चों के लेखन की जाँच करें और सुधार के लिए अपनी राय दें।

ध्यान रखने योग्य बातें:

- अभ्यास पुस्तिका में श्रुतलेख संबंधी गतिविधियाँ दी गई हैं, परन्तु पर्याप्त नहीं हैं। श्रुतलेख पर कार्य नियमित तौर पर किया जाना चाहिए ताकि बच्चों में डिकोडिंग कौशल सुदृढ़ हो सकें।

पठन गतिविधियाँ

पठन अभ्यास

1 से 10 सप्ताह
- पठन अभ्यास (जोड़ों में/स्वतंत्र पठन)
- कहानी की किताबों से स्वतंत्र पठन

12 से 24 सप्ताह
- प्रवाहपूर्ण पठन
- कहानी की किताबों से स्वतंत्र पठन

पठन अभ्यास (जोड़ों में / स्वतंत्र पठन)

सामग्री: अभ्यास पुस्तिका (भाग-2)

इस गतिविधि के लिए निम्नलिखित चरणों का अनुसरण करें:

1. शिक्षक बच्चों को पाठ पढ़कर सुनाएँ।
2. बच्चों को जोड़े में पढ़ने के लिए कहें और कक्षा में घूमते हुए बच्चों को पढ़ते हुए सुनें। अगर बच्चे किसी शब्द में कठिनाई महसूस कर रहे हैं तो आवश्यकतानुसार पढ़ने में मदद करें।
3. अब बच्चों को स्वतंत्र रूप से पाठ को पढ़ने के लिए कहें। जो बच्चे अभी स्वतंत्र रूप से पाठ पढ़ने में सक्षम नहीं हैं, शिक्षक उन बच्चों को धीरे-धीरे शब्दों को पढ़ने में मदद करें।

ध्यान रखने योग्य बातें:

- इस गतिविधि के लिए बच्चों के स्तर के अनुरूप 2-2 के जोड़े बनाएँ। ध्यान रखें कि बच्चों के स्तर में बहुत ज़्यादा अंतर न हो।

प्रवाहपूर्ण पठन और आकलन

सामग्री: अभ्यास पुस्तिका (भाग-2)

कक्षा-2 में बच्चों के पठन अभ्यास के लिए अभ्यास पुस्तिका के भाग-2 के पाठों पर प्रवाहपूर्ण पठन का कार्य किया जाना है। इसकी प्रक्रिया नीचे दी गई है-

बच्चों को जोड़ों में या व्यक्तिगत रूप से पाठ को पढ़ने के लिए कहें।

जब बच्चे पढ़ रहे हों उसी दौरान कक्षा के 4-5 बच्चों का प्रवाहपूर्ण पठन का आकलन करें।

प्रवाहपूर्ण पठन के आकलन का तरीका

तैयारी: शिक्षक आकलन के लिए अपने पास मोबाइल, पेंसिल और अभ्यास पुस्तिका रख लें।

मोबाइल में 1 मिनट का टाइमर लगा लें और अपने पास अभ्यास पुस्तिका की प्रति और पेंसिल रख लें।

⬇

एक बच्चे को अपने पास बुलाएँ और उसे अपनी प्रति से उस दिन का पाठ पढ़ने को कहें।

⬇

बच्चे की अभ्यास पुस्तिका अपने पास रख लें क्योंकि उसी में आपको रिकॉर्ड करना है।

⬇

बच्चा जैसे ही पढ़ने लगता है, आप उसके सही और गलत पढ़े गए शब्दों को गौर से सुनें।

⬇

जब बच्चा किसी शब्द को गलत पढ़ता है तो उस शब्द के नीचे लाईन खींच दें। अगर उसी शब्द को वह फिर से सही पढ़ लेता है तो उस शब्द के नीचे एक ओर लाइन खींच दें।

⬇

जब एक मिनट हो जाए तो अंतिम पढ़े गए शब्द पर ']' का निशान लगा दें। अब इस निशान तक सही पढ़े गए शब्दों को गिनकर 'सही पढ़े गए शब्दों की संख्या' वाले बॉक्स में लिखें और पढ़ने में लिए गए समय को समय वाले बॉक्स में लिख दें।

⬇

साथ ही, बच्चों के स्तर के लिए किसी एक बॉक्स में निम्नलिखित मापदंड के अनुसार सही (✓) का निशान लगाएँ।

स्तर 1	नहीं पढ़ पाया या अधिकतम 5 शब्द पढ़ता हो।
स्तर 2	वर्ण/अक्षरों को जोड़-जोड़कर शब्द पढ़ता हो।
स्तर 3	शब्द-दर-शब्द पढ़ रहा हो, वाक्य पर ध्यान नहीं है।
स्तर 4	वाक्य को वाक्य की तरह पढ़ रहा हो।

⬇

उस बच्चे के आकलन की जानकारी शिक्षक संदर्शिका के पृष्ठ 90 पर दी गई तालिका में भरें।

⬇

फिर अन्य बच्चों को बुलाएँ। उनके साथ भी यही प्रक्रिया दोहराएँ।

प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास के लिए प्रतिदिन यह प्रक्रिया 4-5 बच्चों से करवाएँ।

ध्यान रखने योग्य बातें:

- यहाँ यह ध्यान रखना ज़रूरी है कि इस प्रक्रिया में बच्चों को हतोत्साहित ना होना पड़े। इसलिए सभी बच्चों के लिए सामान्य प्रोत्साहन वाले वाक्य या शब्द ही इस्तेमाल करें।
- जो बच्चे प्रवाहपूर्ण पठन में आगे हैं, ज़रूरी नहीं है कि उन बच्चों की विशेष तारीफ हो। बच्चे सीखने की प्रक्रिया में अलग-अलग स्तर पर हो सकते हैं, मगर यह उपलब्धि का आखिरी पड़ाव नहीं है। प्रवाहपूर्ण पठन में पढ़ने के अभ्यास का बहुत महत्व है। भरपूर अभ्यास से बच्चों के स्तर में वृद्धि की जा सकती है।
- जो बच्चे प्रवाहपूर्ण पठन में पीछे हैं, यानि प्रति मिनट उनके द्वारा सही पढ़े गए शब्दों की संख्या कम है, तो शिक्षक उन बच्चों के पढ़ने के दौरान हो रही गलतियों की प्रकृति पर गौर करें। आप पठन अभ्यास के दौरान इन गलतियों के बारे में बात कर उन्हें सही पढ़ने के मौके दे सकते हैं। अगर एक समय में बच्चों को किसी एक प्रकार की गलती पर ध्यान आकर्षित कराया जाए तो वे बहुत जल्दी से उसे सुधारने लगते हैं।

कहानी की किताबों से स्वतंत्र पठन

सामग्री: कहानी की किताबें (अगर कहानी की किताबें उपलब्ध नहीं हैं तो अभ्यास पुस्तिका के पाठ को उपयोग में लें)

इस गतिविधि के लिए निम्नलिखित चरणों का अनुसरण करें:

1. बच्चों को अपनी पसंद की पुस्तकालय की कहानी की किताब/अभ्यास पुस्तिका से पाठ चुनने को कहें और उन्हें खुद से पढ़ने को कहें। इसके लिए 10-12 मिनट का समय दें।
2. बच्चे अपने साथी के साथ या स्वतंत्र पढ़ें।
3. फिर सभी बच्चों को एक जगह बुलाकर बातचीत करें। (आप उनसे कहानी, उसके पात्र, चित्र, घटना के बारे में बातचीत कर सकते हैं। इस बातचीत का उद्देश्य बच्चों को पढ़ने के लिए प्रेरित करने, उनकी रुचि को बनाए रखने और पढ़ने में आई दिक्कतों को समझना है। जो बच्चे अभी भी पढ़ने में संघर्ष कर रहे हैं, उन्हें भी पढ़ने के मौके दें। उन्हें ऐसे बच्चों के साथ भी बिठा सकते हैं, जो पढ़ने में उनकी मदद करें।)

ध्यान रखने योग्य बातें:

- बच्चों को किताब पढ़ने के लिए स्वतंत्र समय देना चाहिए। इस समय बच्चे कहानी पढ़ नहीं पा रहे होंगे, मगर उन्हें किताब पकड़ने, चित्र देखने इत्यादि के मौके मिलते हैं। इनमें पाठ्यपुस्तक के अलावा कविता-कहानियों की रोचक किताबें हों।
- बच्चे व्यक्तिगत रूप से अलग-अलग बैठकर किताबें पढ़ें।

आकलन एवं पुनरावृत्ति

आकलन अपने आप में कोई अलग प्रक्रिया नहीं हैं, बल्कि यह शिक्षण कार्य का ही अभिन्न अंग हैं। सीखने को सुनिश्चित करने के लिए दक्षता के अनुसार सतत आकलन करना शिक्षण प्रक्रिया को प्रभावशाली बनाता है। आकलन शिक्षण को उद्देश्य आधारित प्रक्रिया बनाता है, जिसे नियमित और योजनाबद्ध रूप से किया जाना आवश्यक है।

आकलन के उद्‌देश्य

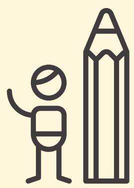

1. बच्चों की प्रगति को जानना

हर बच्चे के सीखने की गति अलग-अलग होती है। कक्षा के किस बच्चे ने क्या सीख लिया और क्या छूट गया है, इसे समझने में आकलन हमारी मदद करता है। निश्चित अंतराल में किया गया आकलन व्यवस्थित तौर पर बच्चों के सीखने के स्तरों का विश्लेषण करने में सहायता करता है।

2. सीखने में आ रही कठिनाइयों को जानना

बच्चों को अवधारणाओं को समझने या किसी भी अवधारणा के अनुप्रयोग में आ रही कठिनाइयों को समझने में सतत आकलन बहुत ही प्रभावी होता है। आकलन के दृष्टिकोण से आपके द्वारा पूछे गए प्रश्न और बच्चों द्वारा दिए गए जवाब उनकी सीखने की वास्तविक तस्वीर उजागर करते हैं।

3. बच्चों की मदद के लिए प्रभावी रणनीतियाँ बनाना

सुनियोजित आकलन शिक्षण प्रक्रिया को बेहतर बनाने का कार्य करता है। यह शिक्षण कार्य की तैयारी एवं योजना बनाने में मदद करता है, साथ ही बच्चों की आवश्यकता के अनुसार उनके लिए प्रभावी शिक्षण रणनीति बनाने में भी मार्गदर्शन करता है।

4. आगे की शिक्षण योजना बनाना

आकलन आगे की शिक्षण कार्ययोजनाओं के लिए संदर्भ बिंदु की तरह है। आकलन बच्चों के लिए उनकी आवश्यकता के अनुसार शिक्षण योजना में बदलाव के विकल्प ढूँढने में मदद करता है।

आकलन और शिक्षण को एक समग्र और एकीकृत प्रक्रिया के रूप में देखना, अधिगम लक्ष्य की प्राप्ति के लिए महत्वपूर्ण है।

- आप यह सुनिश्चित करें कि बच्चों को सीखने के लिए उचित समय और अभ्यास के लिए पर्याप्त अवसर मिलें।
- बच्चों की उपलब्धियों को जाँचते रहें और विश्लेषण के माध्यम से यह देखें कि कितने बच्चे लक्षित स्तर पर हैं और कितने बच्चे लक्षित स्तर से पीछे हैं।
- बच्चों को होने वाली कठिनाइयों को चिह्नित कर, लक्षित स्तर तक लाने के लिए उचित रणनीतियों का निर्धारण करें।
- शिक्षण प्रक्रिया में आवश्यकता के अनुसार बदलाव करें और नई-नई गतिविधियों को योजना में शामिल करें।

2024-25 की आकलन प्रक्रिया

इस अकादमिक सत्र में तीन प्रकार के आकलन है: साप्ताहिक, सावधिक एवं वार्षिक। इस पर आगे एक-एक करके बात की गई है।

साप्ताहिक आकलन पुनरावृत्ति
हर सप्ताह दिवस 5-6

सावधिक आकलन
सप्ताह 11 एवं 20 में

वार्षिक आकलन
अकादमिक सत्र के अंत में

साप्ताहिक पुनरावृत्ति और आकलन

दिवस 1 → दिवस 2 → दिवस 3 → दिवस 4 → दिवस 5 → दिवस 6

दिवस 1–4: **नई दक्षताओं/शिक्षण उद्देश्यों पर कार्य**

दिवस 5: **साप्ताहिक पुनरावृत्ति एवं आकलन**

दिवस 6: **दो समूहों में कार्य**

- **समूह 1:** रेमेडियल कार्य
- **समूह 2:** स्व-अभ्यास

दिवस 5 : साप्ताहिक पुनरावृत्ति और आकलन (मैंने सीख लिया)

- साप्ताहिक पुनरावृत्ति का कार्य प्रत्येक सप्ताह के 5 वें दिन रखा गया है।
- सीखी गई विषयवस्तु का दोहरान किया जाएगा। इससे बच्चों के सीखने के बेहतर परिणाम देखे जा सकते हैं। पुनरावृत्ति में वर्ण स्तर की गतिविधि के साथ-साथ ब्लेंडिंग, शब्द पठन, वाक्य पठन की गतिविधियों को सम्मिलित किया गया है।

नई सुगम अभ्यास पुस्तिका के पुनरावृत्ति के पाठों के पृष्ठ पीले रंग के हैं।

- डिकोडिंग से संबंधित दक्षताओं के साप्ताहिक आकलन का मुख्य उद्देश्य बच्चों द्वारा सीखी गई दक्षताओं को जानना और उन बच्चों को पहचानना है, जो उन दक्षताओं को हासिल नहीं कर पाए हैं।
- साथ-साथ उन बिन्दुओं को चिह्नित करना है, जहाँ कक्षा के अधिकतर बच्चों को कठिनाई हो रही है और फिर से इन दक्षताओं का शिक्षण करना है।
- इस कार्य को प्रत्येक सप्ताह के दिवस 5 में किया जाएगा। इस दौरान, आकलन के बाद जिन बच्चों ने लक्षित दक्षता प्राप्त नहीं की है, उनके साथ छठे दिन योजनाबद्ध तरीके से कार्य किया जाना है।
- साप्ताहिक पुनरावृत्ति में दो प्रकार से आकलन किया जाना है–
  - **सप्ताह 1–14:** डिकोडिंग से संबंधित आकलन
  - **सप्ताह 15–24:** पढ़कर समझना पर आधारित आकलन

नई सुगम अभ्यास पुस्तिका के इन पाठों के पृष्ठ इस रंग के हैं।

1–14 सप्ताह

आकलन के आधार पर शिक्षकों को बच्चों के सीखने के कई स्तर मिलेंगे, शिक्षक बच्चों को सीखी गई दक्षताओं के विश्लेषण के आधार पर दो समूहों में बाँटे:

समूह 1 : डिकोडिंग से संबंधित आकलन में जिन बच्चों ने दोनों दक्षताओं में या किसी एक दक्षता में 50% या उससे कम अंक पाए हैं

समूह 2 : डिकोडिंग से संबंधित आकलन में जिन बच्चों ने दोनों दक्षताओं में 50% से अधिक अंक पाए हैं

जब आप समूह 1 के बच्चों के साथ कार्य कर रहे हों तब कक्षा के समूह-2 के बच्चों को उनकी दक्षता के अनुसार स्वतंत्र पठन, लेखन, अभ्यास पुस्तिका और पाठ्यपुस्तक में कार्य करने दें।

15–24 सप्ताह

साप्ताहिक पुनरावृति में दो तरह के कौशलों का आकलन किया जाना है– पढ़कर समझना और श्रुतलेख। पढ़कर समझने के आकलन के लिए अभ्यास पुस्तिका में सप्ताह के अंत में एक पाठ दिया गया है। इस पाठ से पढ़कर समझने के आकलन में दो प्रक्रियाएँ होंगी :–

बच्चों से पाठ बोलकर पढ़वाना

- यह आकलन प्रत्येक बच्चे के साथ अलग–अलग किया जाना है। बच्चे को अपने पास बुलाकर पाठ बोलकर पढ़ने को कहें।
- पढ़ने के दौरान बच्चे जिन शब्दों को पढ़ने में गलती करते हैं, उन्हें नोट करते जाएँ। फिर अंत में अभ्यास पुस्तिका की उनकी प्रति में सही पढ़े गए शब्दों को नोट कर लें।
- पढ़ने के लिए अधिकतम 2 मिनट का समय दें। अगर बच्चे ने पहले वाक्य के सभी शब्द गलत पढ़े हैं तो उसे पढने से रोक दें और समूह–1 के अनुसार कार्य करवाएँ।

पढ़ने के बाद पाठ के नीचे दिए गए प्रश्न पूछना

- बच्चों से एक–एक कर पाठ के नीचे दिए गए प्रश्न पूछें। प्रश्न के सही उत्तर के लिए एक अंक दें। तीसरे प्रश्न का उत्तर अलग–अलग हो सकते हैं।
- अगर कोई बच्चा 25% से कम शब्द पढ़ पाता है तो उससे प्रश्न न पूछें।

दिवस 6: दो समूहों में कार्य

1–14 सप्ताह

आकलन के आधार पर शिक्षकों को बच्चों के सीखने के कई स्तर मिलेंगे, शिक्षक बच्चों को सीखी गई दक्षताओं के विश्लेषण के आधार पर दो समूहों में बाँटे:

दो समूहों में कार्य

समूह–1
जो बच्चे सीखने में पीछे छूट रहे हैं, उनके साथ कार्य

वर्ण स्तर का कार्य
- वर्णों/अक्षरों की दोबारा पहचान करवाएँ।
- वर्णों/अक्षरों को शब्दों में ढूँढ़कर गोला लगवाएँ।
- ग्रिड से वर्ण/अक्षर की पहचान करवाएँ।
- कॉपी में वर्ण/अक्षर को लिखना और गृहकार्य देना।

शब्द स्तर का कार्य
- ग्रिड से खोजकर शब्द पढ़ने का अभ्यास
- वर्ण/अक्षर जोड़कर शब्द पढ़ने का अभ्यास। (शिक्षक करके दिखाएँ, फिर बच्चे करें।)
- वर्ण/अक्षर जोड़कर शब्द लिखना और पढ़ना।
- लेखन अभ्यास के लिए गृहकार्य देना।

वाक्य स्तर का कार्य
- शब्द पठन का अभ्यास करवाएँ।
- छोटे–छोटे वाक्य जोड़ों में पढ़वाएँ।

(नोट: इन बच्चों के साथ भी शब्द स्तर पर कार्य करें।)

समूह–2
जो बच्चे सीख चुके हैं, उनके साथ कार्य

शिक्षक इसके लिए कुछ समय देकर निर्देश दें, ताकि ये बच्चे खुद इन गतिविधियों को कर पाएँ:
- डिकोडिंग खेल
- कहानी की किताबें/ अभ्यास पुस्तिका पढ़ना।
- देखकर शब्द/वर्ण/अक्षर लिखना

दिवस 6: रेमेडियल एवं पुनरावृत्ति/स्व-अभ्यास कार्य (सप्ताह 9-24)

9-24 सप्ताह

आकलन के बाद बच्चों की पढ़कर समझने की स्थिति के अनुसार शिक्षक बच्चों के साथ पुनरावृति कार्य करें। यहाँ चार मुख्य स्थितियों को ध्यान में रखकर रणनीतियाँ दी गई हैं। इनसे अलग स्थिति में भी इन्हीं दो समूह के आधार पर कार्य करें:

समूह	समूह बनाने के लिए स्थिति	छठे दिन शिक्षण कार्य की रणनीति	आगे की योजना
समूह-1	**स्थिति 1:** यदि बच्चे ने 50% से कम शब्द सही पढ़े और 1 या 0 प्रश्नों के सही उत्तर दिए। (अगर कोई बच्चा 25% से कम शब्द पढ़ पाता है तो उससे प्रश्न ना करें।)	शिक्षक अपनी कक्षा में बच्चों की स्थिति के अनुसार कार्य करवाएँ। **वर्ण/अक्षर स्तर का कार्य** • वर्ण/अक्षर की पहचान का कार्य • वर्ण/अक्षर को लिखना **शब्द स्तर का कार्य** • वर्ण/अक्षरों को जोड़कर शब्द पढ़ने का अभ्यास • वर्ण/अक्षरों को जोड़कर शब्द लिखना **वाक्य स्तर पर कार्य** • शब्द पठन अभ्यास • छोटे-छोटे वाक्य जोड़ों में पढ़ना	यहाँ यह समझना जरूरी है कि समूह-1 के बच्चों के साथ सिर्फ छठे दिन पुनरावृत्ति कार्य करने से बहुत बदलाव नहीं होगा। इन बच्चों के साथ दैनिक स्तर पर वर्ण/अक्षर और शब्द/वाक्य पठन पर कार्य करें।
	स्थिति 2: यदि बच्चा पहले वाक्य से एक भी शब्द नहीं पढ़ पाया तो आप उन्हें कहानी पढ़कर सुना दें और प्रश्न पूछें। उत्तर के लिए कोई अंक नोट न करें। (यहाँ कहानी सुनाने का उद्देश्य सिर्फ उन्हें इस प्रक्रिया में शामिल करना है।)		
समूह-2	**स्थिति 1:** बच्चे ने 50% से अधिक शब्द सही पढ़े और कम से कम 2 प्रश्नों के सही उत्तर दिए।	शिक्षक अपनी कक्षा में बच्चों की स्थिति के अनुसार कार्य करवाएँ। जोड़ियों में अन्य पाठ पढ़ने के लिए कहना और प्रश्न पूछकर और जवाब देना बच्चों को आकलन के प्रश्नों को लिखने के लिए कहना	मौखिक भाषा विकास और पढ़कर समझने के दौरान इन बच्चों से प्रश्न पूछकर प्रश्नों की प्रकृति को समझने का अभ्यास करवाएँ। इसके साथ-साथ बच्चों को कहानी की किताबें देकर कुछ बड़े पाठ पढ़ने का अभ्यास करवाएँ।
	स्थिति 2: बच्चे ने 50% से अधिक शब्द सही पढ़े और 1 या 0 प्रश्नों के सही उत्तर दिए।		

पूर्व की तरह इस पाठ से पठन कौशल के आकलन के बाद शिक्षक बच्चों के साथ दो समूह बनाकर पुनरावृत्ति कार्य करें।

सावधिक आकलन प्रक्रिया

सप्ताह
11 एवं 20

27 सप्ताह की शिक्षण योजना में दो बार सावधिक आकलन किया जाएगा। पहला आकलन 11वें सप्ताह में और दूसरा आकलन 20वें सप्ताह में किया जाना है। इसे आंतरिक आकलन प्रक्रिया के तौर पर देखा जाना चाहिए। इसका उद्देश्य भी बच्चों को कक्षा स्तर की दक्षताओं को हासिल करने में मदद करना है।

सावधिक आकलन का सप्ताह 12 दिवस का होगा। पहले दो दिवस में आकलन किया जाएगा तथा शेष 10 दिवसों में सावधिक पुनरावृत्ति पर कार्य किया जाएगा।

सावधिक आकलन ⟶ **सावधिक पुनरावृत्ति** - >

3 4 5 6 7 8 9 10 11 12

सावधिक आकलन एवं समूह निर्धारण

बच्चों द्वारा प्राप्त अंकों को सावधिक आकलन के लिए बने ट्रैकर पर दर्ज करना होगा और समूह निर्धारण करना होगा।

- **समूह 1 :** आकलन में जिन बच्चों के 50% या 50% से कम अंक आए हैं।
- **समूह 2 :** आकलन में जिन बच्चों के 50% से अधिक अंक आए हैं।

3-12

सावधिक पुनरावृत्ति के पाठों को दोनो समूहों (समूह 1 एवं 2) के बच्चों के लिए आवश्यकता अनुसार उपयोग में लाएँ।

साप्ताहिक व दैनिक योजना

कक्षा 2 के सप्ताह 1 से 24 तक की योजना यहाँ दी गई है। जिसको साप्ताहिक व दिवसवार विभाजित किया गया है। सप्ताह 1 से 8 तक कक्षा 1 में किए गए कार्य का दोहरान किया जाएगा। सप्ताह 9 से 24 में कक्षा 2 की दक्षताओं पर कार्य किया जाएगा। प्रत्येक सप्ताह के लिए 6 दिन का शिक्षण कार्य मानते हुए दैनिक कार्य योजना बनाई गई है। यह शिक्षण कार्य 3 अलग-अलग खंडों में होगा। प्रत्येक खंड की प्रस्तावित गतिविधियों पर कैसे काम करना है, इससे संबंधित दिशानिर्देश संदर्शिका के पृष्ठ 17 से 38 तक दिए गए हैं। शिक्षक प्रत्येक दिन की कार्य योजना पूरी होने के बाद ट्रैकर वाले कॉलम में अपने हस्ताक्षर करके दिनांक लिखें।

सप्ताह-1				
दिन	मौखिक भाषा विकास/ पाठ्यपुस्तक एवं संबंधित लेखन (30 मिनट)	डिकोडिंग/ अभ्यास पुस्तिका एवं संबंधित पठन-लेखन (40 मिनट)	पठन (20 मिनट)	ट्रैकर
1	• कविता / बालगीत सुनाना / अन्य गतिविधि • पाठ्यपुस्तक के पाठ-1 (कोयल) पर कार्य – पढ़कर सुनाना, सामान्य चर्चा – गतिविधि-1 पर कार्य	• **'क'** वर्ण का दोहरान • अभ्यास पुस्तिका के पाठ-1 पर कार्य	• अभ्यास पुस्तिका के भाग-2 : पठन अभ्यास-1 पर कार्य	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
2	• कविता / बालगीत सुनाना / अन्य गतिविधि • पाठ्यपुस्तक के पाठ-1 (कोयल) पर कार्य – विस्तृत रूप से मौखिक चर्चा – गतिविधि-3 और 4 पर कार्य	• **'म'** वर्ण का दोहरान • अभ्यास पुस्तिका के पाठ-2 पर कार्य	• अभ्यास पुस्तिका के भाग-2 : पठन अभ्यास-1 पर कार्य	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
3	• कविता / बालगीत सुनाना / अन्य गतिविधि • पाठ्यपुस्तक के पाठ-1 (कोयल) पर कार्य – अपने शब्दों में कहानी सुनाना – गतिविधि 2 (मौखिक रूप से) और 7 पर कार्य	• **'ल'** और **'र'** वर्ण का दोहरान • अभ्यास पुस्तिका के पाठ-3 पर कार्य	• अभ्यास पुस्तिका के भाग-2 : पठन अभ्यास-2 पर कार्य	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
4	• कविता / बालगीत सुनाना / अन्य गतिविधि • चित्र-चार्ट-1 पर मौखिक कार्य	• मात्रा ' ा ' का दोहरान • अभ्यास पुस्तिका के पाठ-4 पर कार्य	• अभ्यास पुस्तिका के भाग-2 : पठन अभ्यास-2 पर कार्य	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
5	• कविता / बालगीत सुनाना / अन्य गतिविधि • सृजनात्मक गतिविधि पर कार्य 22 – गतिविधि 1	• **'स'** और **'ब'** वर्ण का दोहरान • अभ्यास पुस्तिका के पाठ-5 पर कार्य • अभ्यास पुस्तिका- **'मैंने सीख लिया'** (साप्ताहिक आकलन)	• कहानी की किताबों से स्वतंत्र पठन (जो बच्चे पढ़ सकते हैं)	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
6	• कविता / बालगीत सुनाना / अन्य गतिविधि • बच्चों द्वारा अपने शब्दों में कहानी सुनाना	• सीखने में पीछे छूट रहे बच्चों के साथ योजनाबद्ध तरीके से समूह में कार्य	• कहानी की किताबों से स्वतंत्र पठन (जो बच्चे पढ़ सकते हैं)	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy

सप्ताह–2				
दिन	मौखिक भाषा विकास/ पाठ्यपुस्तक एवं संबंधित लेखन (30 मिनट)	डिकोडिंग/ अभ्यास पुस्तिका एवं संबंधित पठन-लेखन (40 मिनट)	पठन (20 मिनट)	ट्रैकर
1	• कविता / बालगीत सुनाना / अन्य गतिविधि • पाठ्यपुस्तक के पाठ-1 (कुछ और पढ़ें: कबूतर) पर कार्य – पढ़कर सुनाना, सामान्य चर्चा	• **'न'** और **'प'** वर्ण का दोहरान • अभ्यास पुस्तिका के पाठ-6 पर कार्य	• अभ्यास पुस्तिका के भाग-2 : पठन अभ्यास-3 पर कार्य	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
2	• कविता / बालगीत सुनाना / अन्य गतिविधि • पाठ्यपुस्तक के पाठ-1 (कुछ और पढ़ें: कबूतर) पर कार्य – विस्तृत रूप से मौखिक चर्चा – कठिन शब्दों पर चर्चा	• **'द'** और **'त'** वर्ण का दोहरान • अभ्यास पुस्तिका के पाठ-7 पर कार्य	• अभ्यास पुस्तिका के भाग-2 : पठन अभ्यास-3 पर कार्य	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
3	• कविता / बालगीत सुनाना / अन्य गतिविधि • पाठ्यपुस्तक के पाठ-1 (कुछ और पढ़ें: कबूतर) पर कार्य – मौखिक चर्चा – गतिविधि 5, 6 (पाठ-1 कोयल) पर कार्य	• मात्रा ' ि ' का दोहरान दोहरान • अभ्यास पुस्तिका के पाठ-8 पर कार्य	• अभ्यास पुस्तिका के भाग-2 : पठन अभ्यास-4 पर कार्य	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
4	• कविता / बालगीत सुनाना / अन्य गतिविधि • चित्र-चार्ट-2 पर मौखिक कार्य	• **'ट'** और **'ग'** वर्ण का दोहरान • अभ्यास पुस्तिका के पाठ-9 पर कार्य	• अभ्यास पुस्तिका के भाग-2 : पठन अभ्यास-4 पर कार्य	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
5	• कविता / बालगीत सुनाना / अन्य गतिविधि • सृजनात्मक गतिविधि पर कार्य 22 – गतिविधि 2	• **'थ'** और **'झ'** वर्ण का दोहरान • अभ्यास पुस्तिका के पाठ-10 पर कार्य	• कहानी की किताबों से स्वतंत्र पठन (जो बच्चे पढ़ सकते हैं)	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
		• अभ्यास पुस्तिका- **'मैंने सीख लिया'** (साप्ताहिक आकलन)		
6	• कविता / बालगीत सुनाना / अन्य गतिविधि • बच्चों द्वारा अपने शब्दों में कहानी सुनाना	• सीखने में पीछे छूट रहे बच्चों के साथ योजनाबद्ध तरीके से समूह में कार्य	• कहानी की किताबों से स्वतंत्र पठन (जो बच्चे पढ़ सकते हैं)	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy

सप्ताह-3

दिन	मौखिक भाषा विकास/ पाठ्यपुस्तक एवं संबंधित लेखन (30 मिनट)	डिकोडिंग/ अभ्यास पुस्तिका एवं संबंधित पठन-लेखन (40 मिनट)	पठन (20 मिनट)	ट्रैकर
1	• कविता / बालगीत सुनाना / अन्य गतिविधि • पाठ्यपुस्तक के पाठ-2 (चतुर चूहा) पर कार्य – पढ़कर सुनाना, सामान्य चर्चा – गतिविधि-1 पर कार्य	• 'च' और 'ख' वर्ण का दोहरान • अभ्यास पुस्तिका के पाठ-11 पर कार्य	• अभ्यास पुस्तिका के भाग-2 : पठन अभ्यास-5 पर कार्य	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
2	• कविता / बालगीत सुनाना / अन्य गतिविधि • पाठ्यपुस्तक के पाठ-2 (चतुर चूहा) पर कार्य – विस्तृत रूप से मौखिक चर्चा – गतिविधि 3 और 4 पर कार्य	• 'ध और 'ज' वर्ण का दोहरान • अभ्यास पुस्तिका के पाठ-12 पर कार्य	• अभ्यास पुस्तिका के भाग-2 : पठन अभ्यास-5 पर कार्य	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
3	• कविता / बालगीत सुनाना / अन्य गतिविधि • पाठ्यपुस्तक के पाठ-2 (चतुर चूहा) पर कार्य – मौखिक चर्चा – गतिविधि 2 (मौखिक रूप से) और 5 पर कार्य	• मात्रा 'ि' का दोहरान • अभ्यास पुस्तिका के पाठ-13 पर कार्य	• अभ्यास पुस्तिका के भाग-2 : पठन अभ्यास-6 पर कार्य	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
4	• कविता / बालगीत सुनाना / अन्य गतिविधि • चित्र-चार्ट-3 पर मौखिक कार्य	• 'य' और 'आ' वर्ण का दोहरान • अभ्यास पुस्तिका के पाठ-14 पर कार्य	• अभ्यास पुस्तिका के भाग-2 : पठन अभ्यास-6 पर कार्य	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
5	• कविता / बालगीत सुनाना / अन्य गतिविधि • सृजनात्मक गतिविधि पर कार्य 22 – गतिविधि 3	• 'ह' और 'भ' वर्ण का दोहरान • अभ्यास पुस्तिका के पाठ-15 पर कार्य • अभ्यास पुस्तिका- **'मैंने सीख लिया'** (साप्ताहिक आकलन)	• कहानी की किताबों से स्वतंत्र पठन (जो बच्चे पढ़ सकते हैं)	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
6	• कविता / बालगीत सुनाना / अन्य गतिविधि • बच्चों द्वारा अपने शब्दों में कहानी सुनाना	• सीखने में पीछे छूट रहे बच्चों के साथ योजनाबद्ध तरीके से समूह में कार्य	• कहानी की किताबों से स्वतंत्र पठन (जो बच्चे पढ़ सकते हैं)	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy

सप्ताह–4				
दिन	मौखिक भाषा विकास/ पाठ्यपुस्तक एवं संबंधित लेखन (30 मिनट)	डिकोडिंग/ अभ्यास पुस्तिका एवं संबंधित पठन-लेखन (40 मिनट)	पठन (20 मिनट)	ट्रैकर
1	• कविता / बालगीत सुनाना / अन्य गतिविधि • पाठ्यपुस्तक के पाठ–3 (घड़े की बात) पर कार्य – पढ़कर सुनाना, सामान्य चर्चा – गतिविधि–1 पर कार्य	• **'ई'** और **'श'** वर्ण का दोहरान • अभ्यास पुस्तिका के पाठ–16 पर कार्य	• अभ्यास पुस्तिका के भाग–2 : पठन अभ्यास–7 पर कार्य	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
2	• कविता / बालगीत सुनाना / अन्य गतिविधि • पाठ्यपुस्तक के पाठ–3 (घड़े की बात) पर कार्य – विस्तृत रूप से मौखिक चर्चा – गतिविधि 3, 4 और 5 पर कार्य	• मात्रा ' ु ' का दोहरान • अभ्यास पुस्तिका के पाठ–17 पर कार्य	• अभ्यास पुस्तिका के भाग–2 : पठन अभ्यास–7 पर कार्य	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
3	• कविता / बालगीत सुनाना / अन्य गतिविधि • पाठ्यपुस्तक के पाठ–3 (घड़े की बात) पर कार्य – विस्तृत रूप से मौखिक चर्चा – गतिविधि 2 और 7 शब्द लेखन (मौखिक रूप से) और 8 पर कार्य	• **'छ** और **'व'** वर्ण का दोहरान • अभ्यास पुस्तिका के पाठ–18 पर कार्य	• अभ्यास पुस्तिका के भाग–2 : पठन अभ्यास–8 पर कार्य	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
4	• कविता / बालगीत सुनाना / अन्य गतिविधि • चित्र–चार्ट–4 पर मौखिक कार्य	• **'ड'** और **'फ'** वर्ण का दोहरान • अभ्यास पुस्तिका के पाठ–19 पर कार्य	• अभ्यास पुस्तिका के भाग–2 : पठन अभ्यास–8 पर कार्य	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
5	• कविता / बालगीत सुनाना / अन्य गतिविधि • सृजनात्मक गतिविधि पर कार्य 23 – गतिविधि 4	• मात्रा ' ू ' का दोहरान • अभ्यास पुस्तिका के पाठ–20 पर कार्य • अभ्यास पुस्तिका– **'मैंने सीख लिया'** (साप्ताहिक आकलन)	• कहानी की किताबों से स्वतंत्र पठन (जो बच्चे पढ़ सकते हैं)	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
6	• कविता / बालगीत सुनाना / अन्य गतिविधि • बच्चों द्वारा अपने शब्दों में कहानी सुनाना	• सीखने में पीछे छूट रहे बच्चों के साथ योजनाबद्ध तरीके से समूह में कार्य	• कहानी की किताबों से स्वतंत्र पठन (जो बच्चे पढ़ सकते हैं)	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy

सप्ताह-5				
दिन	मौखिक भाषा विकास/ पाठ्यपुस्तक एवं संबंधित लेखन 30 मिनट	डिकोडिंग/ अभ्यास पुस्तिका एवं संबंधित पठन-लेखन 40 मिनट	पठन 20 मिनट	ट्रैकर
1	• कविता / बालगीत सुनाना / अन्य गतिविधि • पाठ्यपुस्तक के पाठ-4 (तितली) पर कार्य – पढ़कर सुनाना और सामान्य चर्चा – गतिविधि 1 पर कार्य	• 'ऊ', घ, और 'इ' वर्ण का दोहरान • अभ्यास पुस्तिका के पाठ-21 पर कार्य	• अभ्यास पुस्तिका के भाग-2 : पठन अभ्यास-9 पर कार्य	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
2	• कविता / बालगीत सुनाना / अन्य गतिविधि • पाठ्यपुस्तक के पाठ-4 (तितली) पर कार्य – विस्तृत रूप से मौखिक चर्चा – गतिविधि 2 (मौखिक रूप से) और 4 पर कार्य	• मात्रा 'ो' का दोहरान • अभ्यास पुस्तिका के पाठ-22 पर कार्य	• अभ्यास पुस्तिका के भाग-2 : पठन अभ्यास-9 पर कार्य	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
3	• कविता / बालगीत सुनाना / अन्य गतिविधि • पाठ्यपुस्तक के पाठ-4 (तितली) पर कार्य – मौखिक चर्चा – गतिविधि 3, 5 और 6 पर कार्य	• 'औ', ठ, और 'ण' वर्ण का दोहरान • अभ्यास पुस्तिका के पाठ-23 पर कार्य	• अभ्यास पुस्तिका के भाग-2 : पठन अभ्यास-10 पर कार्य	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
4	• कविता / बालगीत सुनाना / अन्य गतिविधि • चित्र-चार्ट-5 पर मौखिक कार्य	• मात्रा 'े' का दोहरान • अभ्यास पुस्तिका के पाठ-24 पर कार्य	• अभ्यास पुस्तिका के भाग-2 : पठन अभ्यास-10 पर कार्य	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
5	• कविता / बालगीत सुनाना / अन्य गतिविधि • सृजनात्मक गतिविधि पर कार्य 23 – गतिविधि 5	• 'अ', 'उ', और 'ए' वर्ण का दोहरान • अभ्यास पुस्तिका के पाठ-25 पर कार्य • अभ्यास पुस्तिका- **'मैंने सीख लिया'** (साप्ताहिक आकलन)	• कहानी की किताबों से स्वतंत्र पठन (जो बच्चे पढ़ सकते हैं)	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
6	• कविता / बालगीत सुनाना / अन्य गतिविधि • बच्चों द्वारा अपने शब्दों में कहानी सुनाना	• सीखने में पीछे छूट रहे बच्चों के साथ योजनाबद्ध तरीके से समूह में कार्य	• कहानी की किताबों से स्वतंत्र पठन (जो बच्चे पढ़ सकते हैं)	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy

सप्ताह-6				
दिन	मौखिक भाषा विकास/ पाठ्यपुस्तक एवं संबंधित लेखन (30 मिनट)	डिकोडिंग/ अभ्यास पुस्तिका एवं संबंधित पठन-लेखन (40 मिनट)	पठन (20 मिनट)	ट्रैकर
1	• कविता / बालगीत सुनाना / अन्य गतिविधि • पाठ्यपुस्तक के पाठ-5 (संगती का फल) पर कार्य – पढ़कर सुनाना, सामान्य चर्चा – गतिविधि 1 पर कार्य	• मात्रा ' ै ' का दोहरान • अभ्यास पुस्तिका के पाठ-26 पर कार्य	• अभ्यास पुस्तिका के भाग-2 : पठन अभ्यास-11 पर कार्य	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
2	• कविता / बालगीत सुनाना / अन्य गतिविधि • पाठ्यपुस्तक के पाठ-5 (संगती का फल) पर कार्य – विस्तृत रूप से मौखिक चर्चा – गतिविधि 2 (मौखिक रूप से) 4, और 5 पर कार्य	• **'ऐ', ओ,** और **'ष'** वर्ण का दोहरान • अभ्यास पुस्तिका के पाठ-27 पर कार्य	• अभ्यास पुस्तिका के भाग-2 : पठन अभ्यास-11 पर कार्य	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
3	• कविता / बालगीत सुनाना / अन्य गतिविधि • पाठ्यपुस्तक के पाठ-5 (संगती का फल) पर कार्य – मौखिक चर्चा – गतिविधि 6, 7, और 8 पर कार्य	• मात्रा ' ौ ' का दोहरान • अभ्यास पुस्तिका के पाठ-28 पर कार्य	• अभ्यास पुस्तिका के भाग-2 : पठन अभ्यास-12 पर कार्य	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
4	• कविता / बालगीत सुनाना / अन्य गतिविधि • चित्र-चार्ट-6 पर मौखिक कार्य	• **'ढ, त्र, ड़'**,और **'ऋ'** वर्ण का दोहरान • अभ्यास पुस्तिका के पाठ-29 पर कार्य	• अभ्यास पुस्तिका के भाग-2 : पठन अभ्यास-12 पर कार्य	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
5	• कविता / बालगीत सुनाना / अन्य गतिविधि • सृजनात्मक गतिविधि पर कार्य 23 – गतिविधि 6	• **'ढ़, क्ष, ज्ञ, अं'**,और **'श्र'** वर्ण का दोहरान • अभ्यास पुस्तिका के पाठ-30 पर कार्य • अभ्यास पुस्तिका- **'मैंने सीख लिया'** (साप्ताहिक आकलन)	• कहानी की किताबों से स्वतंत्र पठन (जो बच्चे पढ़ सकते हैं)	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
6	• कविता / बालगीत सुनाना / अन्य गतिविधि • पाठ्यपुस्तक से आपने कितना सीखा (पृष्ट सं. 31) • बच्चों द्वारा अपने शब्दों में कहानी सुनाना	• सीखने में पीछे छूट रहे बच्चों के साथ योजनाबद्ध तरीके से समूह में कार्य	• कहानी की किताबों से स्वतंत्र पठन (जो बच्चे पढ़ सकते हैं)	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy

सप्ताह-7				
दिन	मौखिक भाषा विकास/ पाठ्यपुस्तक एवं संबंधित लेखन 30 मिनट	डिकोडिंग/ अभ्यास पुस्तिका एवं संबंधित पठन-लेखन 40 मिनट	पठन 20 मिनट	ट्रैकर
1	• कविता / बालगीत सुनाना / अन्य गतिविधि • पाठ्यपुस्तक के पाठ-6 (बूझो तो जाने) पर कार्य – विस्तृत रूप से मौखिक चर्चा – गतिविधि 1, 4 पर कार्य	• शब्द और वाक्य आधारित कार्य • अभ्यास पुस्तिका के पाठ-31 पर कार्य	• अभ्यास पुस्तिका के भाग-2 : पठन अभ्यास-13 पर कार्य	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
2	• कविता / बालगीत सुनाना / अन्य गतिविधि • पाठ्यपुस्तक के पाठ-6 (बूझो तो जाने) पर कार्य – भाग-1 पर मार्गदर्शन और जोड़ो में पठन – गतिविधि 2 और 3 पर कार्य	• शब्द और वाक्य आधारित कार्य • अभ्यास पुस्तिका के पाठ-32 पर कार्य	• अभ्यास पुस्तिका के भाग-2 : पठन अभ्यास-14 पर कार्य	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
3	• कविता / बालगीत सुनाना / अन्य गतिविधि • पाठ्यपुस्तक के पाठ-6 (बूझो तो जाने) पर कार्य – भाग-2 पर मार्गदर्शन और जोड़ो में पठन – गतिविधि 5, 6 पर कार्य	• शब्द और वाक्य आधारित कार्य • अभ्यास पुस्तिका के पाठ-33 पर कार्य	• अभ्यास पुस्तिका के भाग-2 : पठन अभ्यास-15 पर कार्य	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
4	• कविता / बालगीत सुनाना / अन्य गतिविधि • चित्र-चार्ट-7 पर मौखिक कार्य	• शब्द और वाक्य आधारित कार्य • अभ्यास पुस्तिका के पाठ-34 पर कार्य	• अभ्यास पुस्तिका के भाग-2 : पठन अभ्यास-16 पर कार्य	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
5	• कविता / बालगीत सुनाना / अन्य गतिविधि • सृजनात्मक गतिविधि पर कार्य 24 – गतिविधि 7	• शब्द और वाक्य आधारित कार्य • अभ्यास पुस्तिका के पाठ-35 पर कार्य	• कहानी की किताबों से स्वतंत्र पठन (जो बच्चे पढ़ सकते हैं)	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
		• अभ्यास पुस्तिका- **'मैंने सीख लिया'** (साप्ताहिक आकलन)		
6	• कविता / बालगीत सुनाना / अन्य गतिविधिा • बच्चों द्वारा अपने शब्दों में कहानी सुनाना	• सीखने में पीछे छूट रहे बच्चों के साथ योजनाबद्ध तरीके से समूह में कार्य	• कहानी की किताबों से स्वतंत्र पठन (जो बच्चे पढ़ सकते हैं)	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy

सप्ताह-8				
दिन	मौखिक भाषा विकास/ पाठ्यपुस्तक एवं संबंधित लेखन 30 मिनट	डिकोडिंग/ अभ्यास पुस्तिका एवं संबंधित पठन-लेखन 40 मिनट	पठन 20 मिनट	ट्रैकर
1	• कविता / बालगीत सुनाना / अन्य गतिविधि • पाठ्यपुस्तक के पाठ-7 (मित्र सदा पेड़ों को मानें) पर कार्य – पढ़कर सुनाना, सामान्य चर्चा – गतिविधि 1 और 4 पर कार्य	• शब्द और वाक्य आधारित कार्य • अभ्यास पुस्तिका के पाठ-36 पर कार्य	• अभ्यास पुस्तिका के भाग-2 : पठन अभ्यास-17 पर कार्य	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
2	• कविता / बालगीत सुनाना / अन्य गतिविधि • पाठ्यपुस्तक के पाठ-7 (मित्र सदा पेड़ों को मानें) – विस्तृत रूप से मौखिक चर्चा – गतिविधि 2 (मौखिक रूप से), 5 और 6 पर कार्य	• शब्द और वाक्य आधारित कार्य • अभ्यास पुस्तिका के पाठ-37 पर कार्य	• अभ्यास पुस्तिका के भाग-2 : पठन अभ्यास-18 पर कार्य	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
3	• कविता / बालगीत सुनाना / अन्य गतिविधि • पाठ्यपुस्तक के पाठ-7 (मित्र सदा पेड़ों को मानें) – मौखिक चर्चा – गतिविधि 3, 7 और 9 पर कार्य	• शब्द और वाक्य आधारित कार्य • अभ्यास पुस्तिका के पाठ-38 पर कार्य	• अभ्यास पुस्तिका के भाग-2 : पठन अभ्यास-19 पर कार्य	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
4	• कविता / बालगीत सुनाना / अन्य गतिविधि • चित्र-चार्ट-8 पर मौखिक कार्य	• शब्द और वाक्य आधारित कार्य • अभ्यास पुस्तिका के पाठ-39 पर कार्य	• अभ्यास पुस्तिका के भाग-2 : पठन अभ्यास-20 पर कार्य	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
5	• कविता / बालगीत सुनाना / अन्य गतिविधि • सृजनात्मक गतिविधि पर कार्य 24 – गतिविधि 8	• शब्द और वाक्य आधारित कार्य • अभ्यास पुस्तिका के पाठ-40 पर कार्य • अभ्यास पुस्तिका- **'मैंने सीख लिया'** (साप्ताहिक आकलन)	• कहानी की किताबों से स्वतंत्र पठन (जो बच्चे पढ़ सकते हैं)	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
6	• कविता / बालगीत सुनाना / अन्य गतिविधि • कहानी सुनाना और अभिनय	• सीखने में पीछे छूट रहे बच्चों के साथ योजनाबद्ध तरीके से समूह में कार्य	• कहानी की किताबों से स्वतंत्र पठन (जो बच्चे पढ़ सकते हैं)	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy

सप्ताह-9				
दिन	मौखिक भाषा विकास/ पाठ्यपुस्तक एवं संबंधित लेखन 30 मिनट	डिकोडिंग/ अभ्यास पुस्तिका एवं संबंधित पठन-लेखन 40 मिनट	पठन 20 मिनट	ट्रैकर
1	• कविता / बालगीत सुनाना / अन्य गतिविधि • पाठ्यपुस्तक के पाठ-8 (भाई को पत्र) पर कार्य – पढ़कर सुनाना, सामान्य चर्चा – गतिविधि 1 और 4	• अभ्यास पुस्तिका के पाठ-41 पर कार्य – शिक्षक द्वारा पढ़कर सुनाना और चर्चा – बच्चों द्वारा मार्गदर्शन में पठन	• अभ्यास पुस्तिका के भाग-2 : पठन अभ्यास-21 पर कार्य	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
2	• कविता / बालगीत सुनाना / अन्य गतिविधि • पाठ्यपुस्तक के पाठ-8 (भाई को पत्र) पर कार्य – विस्तृत रूप से मौखिक चर्चा – गतिविधि 2 (मौखिक रूप से), 3 और 5	• अभ्यास पुस्तिका के पाठ-41 पर कार्य – शिक्षक द्वारा आदर्श पठन – बच्चों द्वारा स्वतन्त्र पठन – पाठ आधारित लेखन अभ्यास	• अभ्यास पुस्तिका के भाग-2 : पठन अभ्यास-22 पर कार्य	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
3	• कविता / बालगीत सुनाना / अन्य गतिविधि • पाठ्यपुस्तक पाठ-8 (भाई को पत्र) पर कार्य – मौखिक चर्चा – गतिविधि 6, 7 और 8	• पाठ आधारित लेखन अभ्यास • अभ्यास पुस्तिका के पाठ-42 पर कार्य – शिक्षक द्वारा पढ़कर सुनाना और चर्चा – बच्चों द्वारा मार्गदर्शन में पठन	• अभ्यास पुस्तिका के भाग-2 : पठन अभ्यास-23 पर कार्य	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
4	• कविता / बालगीत सुनाना / अन्य गतिविधि • चित्र-चार्ट-9 पर मौखिक कार्य	• अभ्यास पुस्तिका के पाठ-42 पर कार्य – शिक्षक द्वारा आदर्श पठन – बच्चों द्वारा स्वतन्त्र पठन – पाठ आधारित लेखन अभ्यास	• अभ्यास पुस्तिका के भाग-2 : पठन अभ्यास-24 पर कार्य	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
5	• कविता / बालगीत सुनाना / अन्य गतिविधि • सृजनात्मक गतिविधि पर कार्य 24 – गतिविधि 9	• अभ्यास पुस्तिका के पाठ-43 (पुनरावृत्ति) पर कार्य – आदर्श पठन और बच्चों द्वारा स्वतंत्र पठन – पाठ आधारित लेखन अभ्यास	• कहानी की किताबों से स्वतंत्र पठन (जो बच्चे पढ़ सकते हैं)	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
		• अभ्यास पुस्तिका- **'मैंने सीख लिया'** (साप्ताहिक आकलन)		
6	• कविता / बालगीत सुनाना / अन्य गतिविधि • कहानी सुनाना और अभिनय	• सीखने में पीछे छूट रहे बच्चों के साथ योजनाबद्ध तरीके से समूह में कार्य	• कहानी की किताबों से स्वतंत्र पठन (जो बच्चे पढ़ सकते हैं)	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy

सप्ताह–10				
दिन	मौखिक भाषा विकास/ पाठ्यपुस्तक एवं संबंधित लेखन 30 मिनट	डिकोडिंग/ अभ्यास पुस्तिका एवं संबंधित पठन-लेखन 40 मिनट	पठन 20 मिनट	ट्रैकर
1	• कविता / बालगीत सुनाना / अन्य गतिविधि • पाठ्यपुस्तक पाठ–9 (भोलू की भूल) पर कार्य – पढ़कर सुनाना और सामान्य चर्चा – गतिविधि 1	• अभ्यास पुस्तिका के पाठ–44 पर कार्य – शिक्षक द्वारा पढ़कर सुनाना और चर्चा – बच्चों द्वारा मार्गदर्शन में पठन	• अभ्यास पुस्तिका के भाग–2 : पठन अभ्यास–25 पर कार्य	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
2	• कविता / बालगीत सुनाना / अन्य गतिविधि • पाठ्यपुस्तक पाठ–9 (भोलू की भूल) पर कार्य – विस्तृत रूप से मौखिक चर्चा – गतिविधि 2 (मौखिक रूप से) और 5	• अभ्यास पुस्तिका के पाठ–44 पर कार्य – शिक्षक द्वारा आदर्श पठन – बच्चों द्वारा स्वतन्त्र पठन – पाठ आधारित लेखन अभ्यास	• अभ्यास पुस्तिका के भाग–2 : पठन अभ्यास–26 पर कार्य	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
3	• कविता / बालगीत सुनाना / अन्य गतिविधि • पाठ्यपुस्तक पाठ–9 (भोलू की भूल) पर कार्य – मौखिक चर्चा – गतिविधि 3, 4, 6 और 7	• अभ्यास पुस्तिका के पाठ–45 पर कार्य – शिक्षक द्वारा पढ़कर सुनाना और चर्चा – बच्चों द्वारा मार्गदर्शन में पठन	• अभ्यास पुस्तिका के भाग–2 : पठन अभ्यास–27 पर कार्य	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
4	• कविता / बालगीत सुनाना / अन्य गतिविधि • चित्र–चार्ट–10 पर मौखिक कार्य	• अभ्यास पुस्तिका के पाठ–45 पर कार्य – शिक्षक द्वारा आदर्श पठन – बच्चों द्वारा स्वतन्त्र पठन – पाठ आधारित लेखन अभ्यास	• अभ्यास पुस्तिका के भाग–2 : पठन अभ्यास–28 पर कार्य	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
5	• कविता / बालगीत सुनाना / अन्य गतिविधि • सृजनात्मक गतिविधि पर कार्य 25 – गतिविधि 10	• अभ्यास पुस्तिका के पाठ–46 (पुनरावृत्ति) पर कार्य – आदर्श पठन और बच्चों द्वारा स्वतंत्र पठन – पाठ आधारित लेखन अभ्यास • अभ्यास पुस्तिका– **'मैंने सीख लिया'** (साप्ताहिक आकलन)	• कहानी की किताबों से स्वतंत्र पठन (जो बच्चे पढ़ सकते हैं)	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
6	• कविता / बालगीत सुनाना / अन्य गतिविधि • कहानी सुनाना और अभिनय	• सीखने में पीछे छूट रहे बच्चों के साथ योजनाबद्ध तरीके से समूह में कार्य	• कहानी की किताबों से स्वतंत्र पठन (जो बच्चे पढ़ सकते हैं)	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy

सप्ताह-11 (सावधिक आकलन-1 और रेमेडियल कार्य)			
दिन	मौखिक भाषा विकास/पाठ्यपुस्तक एवं संबंधित लेखन 30 मिनट	डिकोडिंग/ अभ्यास पुस्तिका एवं संबंधित पठन-लेखन 40 मिनट / पठन 20 मिनट	ट्रैकर
1	• कविता/बालगीत सुनाना/अन्य गतिविधि • पाठ्यपुस्तक पाठ-10 (खुद को जाने) पर कार्य – पढ़कर सुनाना और सामान्य चर्चा – गतिविधि 1 पर कार्य	• आकलन • सीखने में पीछे छूटे बच्चों के साथ योजनाबद्ध तरीके से समूह में कार्य	☐ हस्ताक्षर --------------- dd/mm/yyyy
2	• कविता/बालगीत सुनाना/अन्य गतिविधि • पाठ्यपुस्तक पाठ-10 (खुद को जानें) पर कार्य – मौखिक चर्चा – गतिविधि 2 (मौखिक रूप से) और 5 पर कार्य	• आकलन • सीखने में पीछे छूटे बच्चों के साथ योजनाबद्ध तरीके से समूह में कार्य	☐ हस्ताक्षर --------------- dd/mm/yyyy
3	• कविता/बालगीत सुनाना/अन्य गतिविधि • पाठ्यपुस्तक पाठ-10 (खुद को जानें) पर कार्य – मौखिक चर्चा – गतिविधि 3, 4 और 6 पर कार्य	• अभ्यास पुस्तिका के पाठ-47 पर कार्य • सीखने में पीछे छूटे बच्चों के साथ योजनाबद्ध तरीके से समूह में कार्य	☐ हस्ताक्षर --------------- dd/mm/yyyy
4	• कविता/बालगीत /अन्य गतिविधि • चित्र-कथा-1 पर मौखिक कार्य	• अभ्यास पुस्तिका के पाठ-48 पर कार्य • सीखने में पीछे छूटे बच्चों के साथ योजनाबद्ध तरीके से समूह में कार्य	☐ हस्ताक्षर --------------- dd/mm/yyyy
5	• कविता /बालगीत (कविता पोस्टर) • सृजनात्मक गतिविधि- गतिविधि 11 25	• अभ्यास पुस्तिका के पाठ-49 पर कार्य • सीखने में पीछे छूटे बच्चों के साथ योजनाबद्ध तरीके से समूह में कार्य	☐ हस्ताक्षर --------------- dd/mm/yyyy
6	• कविता/बालगीत /अन्य गतिविधि • कहानी सुनाना और अभिनय	• अभ्यास पुस्तिका के पाठ-50 पर कार्य • सीखने में पीछे छूटे बच्चों के साथ योजनाबद्ध तरीके से समूह में कार्य	☐ हस्ताक्षर --------------- dd/mm/yyyy
7	• कविता (पाठ्यपुस्तक पृष्ठ सं. 13) सुनाना • कविता पर सामान्य चर्चा	• अभ्यास पुस्तिका के पाठ-51 पर कार्य • सीखने में पीछे छूटे बच्चों के साथ योजनाबद्ध तरीके से समूह में कार्य	☐ हस्ताक्षर --------------- dd/mm/yyyy
8	• कविता (पाठ्यपुस्तक पृष्ठ सं. 13) दोहरान • कविता पर विस्तृत चर्चा • कठिन शब्दों पर चर्चा और लेखन कार्य	• अभ्यास पुस्तिका के पाठ-52 पर कार्य • सीखने में पीछे छूटे बच्चों के साथ योजनाबद्ध तरीके से समूह में कार्य	☐ हस्ताक्षर --------------- dd/mm/yyyy
9	• कविता/बालगीत /अन्य गतिविधि • सृजनात्मक गतिविधि पर कार्य – गतिविधि 18 28	• अभ्यास पुस्तिका के पाठ-53 पर कार्य • सीखने में पीछे छूटे बच्चों के साथ योजनाबद्ध तरीके से समूह में कार्य	☐ हस्ताक्षर --------------- dd/mm/yyyy
10	• कविता/बालगीत /अन्य गतिविधि • किसी भी कहानी पर अभिनय	• अभ्यास पुस्तिका के पाठ-54 पर कार्य • सीखने में पीछे छूटे बच्चों के साथ योजनाबद्ध तरीके से समूह में कार्य	☐ हस्ताक्षर --------------- dd/mm/yyyy
11	• कविता/बालगीत /अन्य गतिविधि • किसी भी चित्र-चार्ट पर चर्चा और लेखन	• अभ्यास पुस्तिका के पाठ-55 पर कार्य • सीखने में पीछे छूटे बच्चों के साथ योजनाबद्ध तरीके से समूह में कार्य	☐ हस्ताक्षर --------------- dd/mm/yyyy
12	• कविता/बालगीत /अन्य गतिविधि • किसी भी कहानी को अपने शब्दों में सुनाना और अभिनय	• अभ्यास पुस्तिका के पाठ-56 पर कार्य • सीखने में पीछे छूटे बच्चों के साथ योजनाबद्ध तरीके से समूह में कार्य	☐ हस्ताक्षर --------------- dd/mm/yyyy

सप्ताह-12				
दिन	मौखिक भाषा विकास/ पाठ्यपुस्तक एवं संबंधित लेखन 30 मिनट	डिकोडिंग/ अभ्यास पुस्तिका एवं संबंधित पठन-लेखन 40 मिनट	पठन 20 मिनट	ट्रैकर
1	• कविता / बालगीत सुनाना / अन्य गतिविधि • पाठ्यपुस्तक पाठ-11 (स्वच्छता पसंद बापू) पर कार्य – पाठ पढ़कर सुनाना और सामान्य चर्चा – गतिविधि 1 और 4 पर कार्य	• अभ्यास पुस्तिका के पाठ-57 पर कार्य – शिक्षक द्वारा पढ़कर सुनाना और चर्चा – बच्चों द्वारा मार्गदर्शन में पठन	• अभ्यास पुस्तिका के भाग-2 : प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-29 पर कार्य	☐ हस्ताक्षर --------------- dd/mm/yyyy
2	• कविता / बालगीत सुनाना / अन्य गतिविधि • पाठ्यपुस्तक पाठ-11 (स्वच्छता पसंद बापू) पर कार्य – मौखिक चर्चा – गतिविधि 2 (मौखिक रूप से) और 5 पर कार्य	• अभ्यास पुस्तिका के पाठ-57 पर कार्य – शिक्षक द्वारा आदर्श पठन – बच्चों द्वारा स्वतन्त्र पठन – पाठ आधारित लेखन अभ्यास	• अभ्यास पुस्तिका के भाग-2 : प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-30 पर कार्य	☐ हस्ताक्षर --------------- dd/mm/yyyy
3	• कविता / बालगीत सुनाना / अन्य गतिविधि • पाठ्यपुस्तक पाठ-11 (स्वच्छता पसंद बापू) पर कार्य • मौखिक चर्चा • गतिविधि 3, 6 और 7 पर कार्य	• अभ्यास पुस्तिका के पाठ-58 पर कार्य – शिक्षक द्वारा पढ़कर सुनाना और चर्चा – बच्चों द्वारा मार्गदर्शन में पठन	• अभ्यास पुस्तिका के भाग-2 : प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-31 पर कार्य	☐ हस्ताक्षर --------------- dd/mm/yyyy
4	• कविता / बालगीत सुनाना / अन्य गतिविधि • चित्र-कथा-1 पर लिखित कार्य	• अभ्यास पुस्तिका के पाठ-58 पर कार्य – शिक्षक द्वारा आदर्श पठन – बच्चों द्वारा स्वतन्त्र पठन – पाठ आधारित लेखन अभ्यास	• अभ्यास पुस्तिका के भाग-2 : प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-32 पर कार्य	☐ हस्ताक्षर --------------- dd/mm/yyyy
5	• कविता / बालगीत सुनाना / अन्य गतिविधि • सृजनात्मक गतिविधि पर कार्य 25 – गतिविधि 12	• अभ्यास पुस्तिका के पाठ-59 (पुनरावृत्ति) पर कार्य – आदर्श पठन और बच्चों द्वारा स्वतंत्र पठन – पाठ आधारित लेखन अभ्यास • अभ्यास पुस्तिका- **'मैंने सीख लिया'** (साप्ताहिक आकलन)	• कहानी की किताबों से स्वतंत्र पठन (जो बच्चे पढ़ सकते हैं)	☐ हस्ताक्षर --------------- dd/mm/yyyy
6	• कविता / बालगीत सुनाना / अन्य गतिविधि • कहानी सुनाना और अभिनय	• सीखने में पीछे छूट रहे बच्चों के साथ योजनाबद्ध तरीके से समूह में कार्य	• कहानी की किताबों से स्वतंत्र पठन (जो बच्चे पढ़ सकते हैं)	☐ हस्ताक्षर --------------- dd/mm/yyyy

सप्ताह-13				
दिन	मौखिक भाषा विकास/ पाठ्यपुस्तक एवं संबंधित लेखन (30 मिनट)	डिकोडिंग/ अभ्यास पुस्तिका एवं संबंधित पठन-लेखन (40 मिनट)	पठन (20 मिनट)	ट्रैकर
1	• कविता / बालगीत सुनाना / अन्य गतिविधि • पाठ्यपुस्तक पाठ-12 (आसमान गिरा) पर कार्य – पाठ पढ़कर सुनाना और सामान्य चर्चा – गतिविधि 1 पर कार्य	• अभ्यास पुस्तिका के पाठ-60 पर कार्य – शिक्षक द्वारा पढ़कर सुनाना और चर्चा – बच्चों द्वारा मार्गदर्शन में पठन	• अभ्यास पुस्तिका के भाग-2 : प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-33 पर कार्य	☐ हस्ताक्षर --------------- dd/mm/yyyy
2	• कविता / बालगीत सुनाना / अन्य गतिविधि • पाठ्यपुस्तक पाठ-12 (आसमान गिरा) पर कार्य – मौखिक चर्चा – गतिविधि 2 (मौखिक रूप से) 4 और 5 पर कार्य	• अभ्यास पुस्तिका के पाठ-60 पर कार्य – शिक्षक द्वारा आदर्श पठन – बच्चों द्वारा स्वतन्त्र पठन – पाठ आधारित लेखन अभ्यास	• अभ्यास पुस्तिका के भाग-2 : प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-34 पर कार्य	☐ हस्ताक्षर --------------- dd/mm/yyyy
3	• कविता / बालगीत सुनाना / अन्य गतिविधि • पाठ्पुस्तक पाठ-12 (आसमान गिरा) पर कार्य – मौखिक चर्चा – गतिविधि 3, 6 (मौखिक रूप से) और 7	• अभ्यास पुस्तिका के पाठ-61 पर कार्य – शिक्षक द्वारा पढ़कर सुनाना और चर्चा – बच्चों द्वारा मार्गदर्शन में पठन	• अभ्यास पुस्तिका के भाग-2 : प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-35 पर कार्य	☐ हस्ताक्षर --------------- dd/mm/yyyy
4	• कविता / बालगीत सुनाना / अन्य गतिविधि • चित्र-कथा-2 पर मौखिक कार्य	• अभ्यास पुस्तिका के पाठ-61 पर कार्य – शिक्षक द्वारा आदर्श पठन – बच्चों द्वारा स्वतन्त्र पठन – पाठ आधारित लेखन अभ्यास	• अभ्यास पुस्तिका के भाग-2 : प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-36 पर कार्य	☐ हस्ताक्षर --------------- dd/mm/yyyy
5	• कविता / बालगीत सुनाना / अन्य गतिविधि • सृजनात्मक गतिविधि पर कार्य 26 – गतिविधि 13	• अभ्यास पुस्तिका के पाठ-62 (पुनरावृत्ति) पर कार्य – आदर्श पठन और बच्चों द्वारा स्वतंत्र पठन – पाठ आधारित लेखन अभ्यास • अभ्यास पुस्तिका- **'मैंने सीख लिया'** (साप्ताहिक आकलन)	• कहानी की किताबों से स्वतंत्र पठन (जो बच्चे पढ़ सकते हैं)	☐ हस्ताक्षर --------------- dd/mm/yyyy
6	• कविता / बालगीत सुनाना / अन्य गतिविधि • कहानी सुनाना और अभिनय	• सीखने में पीछे छूट रहे बच्चों के साथ योजनाबद्ध तरीके से समूह में कार्य	• कहानी की किताबों से स्वतंत्र पठन (जो बच्चे पढ़ सकते हैं)	☐ हस्ताक्षर --------------- dd/mm/yyyy

सप्ताह-14				
दिन	मौखिक भाषा विकास/ पाठ्यपुस्तक एवं संबंधित लेखन 30 मिनट	डिकोडिंग/ अभ्यास पुस्तिका एवं संबंधित पठन-लेखन 40 मिनट	पठन 20 मिनट	ट्रैकर
1	• कविता / बालगीत सुनाना / अन्य गतिविधि • पाठ्यपुस्तक पाठ-12 कुछ और पढ़ें (बंदर का कलेजा) पर कार्य – पाठ पढ़कर सुनाना और सामान्य चर्चा – कठिन शब्दों पर चर्चा	• अभ्यास पुस्तिका के पाठ-63 पर कार्य – शिक्षक द्वारा पढ़कर सुनाना और चर्चा – बच्चों द्वारा मार्गदर्शन में पठन	• अभ्यास पुस्तिका के भाग-2 : प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-37 पर कार्य	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
2	• कविता / बालगीत सुनाना / अन्य गतिविधि • पाठ्यपुस्तक पाठ-12 कुछ और पढ़ें (बंदर का कलेजा) पर कार्य – मौखिक चर्चा – कठिन शब्दों पर चर्चा	• अभ्यास पुस्तिका के पाठ-63 पर कार्य – शिक्षक द्वारा आदर्श पठन – बच्चों द्वारा स्वतन्त्र पठन – पाठ आधारित लेखन अभ्यास	• अभ्यास पुस्तिका के भाग-2 : प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-38 पर कार्य	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
3	• कविता / बालगीत सुनाना / अन्य गतिविधि • पाठ्यपुस्तक पाठ-12 कुछ और पढ़ें (बंदर का कलेजा) पर कार्य – मौखिक चर्चा	• अभ्यास पुस्तिका के पाठ-64 पर कार्य – शिक्षक द्वारा पढ़कर सुनाना और चर्चा – बच्चों द्वारा मार्गदर्शन में पठन	• अभ्यास पुस्तिका के भाग-2 : प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-39 पर कार्य	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
4	• कविता / बालगीत सुनाना / अन्य गतिविधि • चित्र-कथा-2 पर लिखित कार्य	• अभ्यास पुस्तिका के पाठ-64 पर कार्य – शिक्षक द्वारा आदर्श पठन – बच्चों द्वारा स्वतन्त्र पठन – पाठ आधारित लेखन अभ्यास	• अभ्यास पुस्तिका के भाग-2 : प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-40 पर कार्य	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
5	• कविता / बालगीत सुनाना / अन्य गतिविधि • सृजनात्मक गतिविधि पर कार्य 26 – गतिविधि 14	• अभ्यास पुस्तिका के पाठ-65 (पुनरावृत्ति) पर कार्य – आदर्श पठन और बच्चों द्वारा स्वतंत्र पठन – पाठ आधारित लेखन अभ्यास • अभ्यास पुस्तिका- **'मैंने सीख लिया'** (साप्ताहिक आकलन)	• कहानी की किताबों से स्वतंत्र पठन (जो बच्चे पढ़ सकते हैं)	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
6	• कविता / बालगीत सुनाना / अन्य गतिविधि • कहानी सुनाना और अभिनय	• सीखने में पीछे छूट रहे बच्चों के साथ योजनाबद्ध तरीके से समूह में कार्य	• कहानी की किताबों से स्वतंत्र पठन (जो बच्चे पढ़ सकते हैं)	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy

सप्ताह-15				
दिन	मौखिक भाषा विकास/ पाठ्यपुस्तक एवं संबंधित लेखन 30 मिनट	डिकोडिंग/ अभ्यास पुस्तिका एवं संबंधित पठन-लेखन 40 मिनट	पठन 20 मिनट	ट्रैकर
1	• कविता / बालगीत सुनाना / अन्य गतिविधि • पाठ्यपुस्तक पाठ-13 (रंग बिरंगी होली) पर कार्य – पाठ पढ़कर सुनाना और सामान्य चर्चा – गतिविधि 1 पर कार्य	• अभ्यास पुस्तिका के पाठ-66 पर कार्य – शिक्षक द्वारा पढ़कर सुनाना और चर्चा – बच्चों द्वारा मार्गदर्शन में पठन	• अभ्यास पुस्तिका के भाग-2 : प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-41 पर कार्य	☐ हस्ताक्षर --------------- dd/mm/yyyy
2	• कविता / बालगीत सुनाना / अन्य गतिविधि • पाठ्यपुस्तक पाठ-13 (रंग बिरंगी होली) पर कार्य – मौखिक चर्चा – गतिविधि 2 (मौखिक रूप से), 5 और 6 पर कार्य	• अभ्यास पुस्तिका के पाठ-66 पर कार्य – शिक्षक द्वारा आदर्श पठन – बच्चों द्वारा स्वतन्त्र पठन – पाठ आधारित लेखन अभ्यास	• अभ्यास पुस्तिका के भाग-2 : प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-42 पर कार्य	☐ हस्ताक्षर --------------- dd/mm/yyyy
3	• कविता / बालगीत सुनाना / अन्य गतिविधि • पाठ्यपुस्तक पाठ-13 (रंग बिरंगी होली) पर कार्य – मौखिक चर्चा – गतिविधि 3, 4 और 7 पर कार्य	• अभ्यास पुस्तिका के पाठ-67 पर कार्य – शिक्षक द्वारा पढ़कर सुनाना और चर्चा – बच्चों द्वारा मार्गदर्शन में पठन	• अभ्यास पुस्तिका के भाग-2 : प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-43 पर कार्य	☐ हस्ताक्षर --------------- dd/mm/yyyy
4	• कविता / बालगीत सुनाना / अन्य गतिविधि • चित्र-कथा-3 पर मौखिक कार्य	• अभ्यास पुस्तिका के पाठ-67 पर कार्य – शिक्षक द्वारा आदर्श पठन – बच्चों द्वारा स्वतन्त्र पठन – पाठ आधारित लेखन अभ्यास	• अभ्यास पुस्तिका के भाग-2 : प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-44 पर कार्य	☐ हस्ताक्षर --------------- dd/mm/yyyy
5	• कविता / बालगीत सुनाना / अन्य गतिविधि • सृजनात्मक गतिविधि पर कार्य 27 – गतिविधि 15	• अभ्यास पुस्तिका के पाठ-68 (पुनरावृत्ति) पर कार्य – आदर्श पठन और बच्चों द्वारा स्वतंत्र पठन – पाठ आधारित लेखन अभ्यास • अभ्यास पुस्तिका- **'मैंने सीख लिया'** (साप्ताहिक आकलन)	• कहानी की किताबों से स्वतंत्र पठन (जो बच्चे पढ़ सकते हैं)	☐ हस्ताक्षर --------------- dd/mm/yyyy
6	• कविता / बालगीत सुनाना / अन्य गतिविधि • कहानी सुनाना और अभिनय	• सीखने में पीछे छूट रहे बच्चों के साथ योजनाबद्ध तरीके से समूह में कार्य	• कहानी की किताबों से स्वतंत्र पठन (जो बच्चे पढ़ सकते हैं)	☐ हस्ताक्षर --------------- dd/mm/yyyy

सप्ताह-16				
दिन	मौखिक भाषा विकास/ पाठ्यपुस्तक एवं संबंधित लेखन (30 मिनट)	डिकोडिंग/ अभ्यास पुस्तिका एवं संबंधित पठन-लेखन (40 मिनट)	पठन (20 मिनट)	ट्रैकर
1	• कविता / बालगीत सुनाना / अन्य गतिविधि • पाठ्यपुस्तक पाठ-1 (कोयल) पर कार्य – भाग 1: पाठ पढ़कर सुनाना और विस्तृत चर्चा (देखो....न्यारी है।) – मार्गदर्शन में और जोड़ों में पठन	• अभ्यास पुस्तिका के पाठ-69 पर कार्य – शिक्षक द्वारा पढ़कर सुनाना और चर्चा – बच्चों द्वारा मार्गदर्शन में पठन	• अभ्यास पुस्तिका के भाग-2 : प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-45 पर कार्य	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
2	• कविता / बालगीत सुनाना / अन्य गतिविधि • पाठ्यपुस्तक पाठ-1 (कोयल) पर कार्य – भाग 2: पाठ पढ़कर सुनाना और विस्तृत चर्चा (इसको लोग... सम्मान) – मार्गदर्शन में और जोड़ों में पठन – गतिविधि 2 (लिखित रूप से)	• अभ्यास पुस्तिका के पाठ-69 पर कार्य – शिक्षक द्वारा आदर्श पठन – बच्चों द्वारा स्वतन्त्र पठन – पाठ आधारित लेखन अभ्यास	• अभ्यास पुस्तिका के भाग-2 : प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-46 पर कार्य	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
3	• कविता / बालगीत सुनाना / अन्य गतिविधि • पाठ्यपुस्तक पाठ-1 (कोयल) पर कार्य – भाग 3: पाठ पढ़कर सुनाना और विस्तृत चर्चा (भाई... गाना गाती है।) – मार्गदर्शन में और जोड़ों में पठन	• अभ्यास पुस्तिका के पाठ-70 पर कार्य – शिक्षक द्वारा पढ़कर सुनाना और चर्चा – बच्चों द्वारा मार्गदर्शन में पठन	• अभ्यास पुस्तिका के भाग-2 : प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-47 पर कार्य	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
4	• कविता / बालगीत सुनाना / अन्य गतिविधि • चित्र-कथा-3 पर लिखित कार्य	• अभ्यास पुस्तिका के पाठ-70 पर कार्य – शिक्षक द्वारा आदर्श पठन – बच्चों द्वारा स्वतन्त्र पठन – पाठ आधारित लेखन अभ्यास	• अभ्यास पुस्तिका के भाग-2 : प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-48 पर कार्य	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
5	• कविता / बालगीत सुनाना / अन्य गतिविधि) • सृजनात्मक गतिविधि पर कार्य 27 – गतिविधि 16	• अभ्यास पुस्तिका के पाठ-71 (पुनरावृत्ति) पर कार्य – आदर्श पठन और बच्चों द्वारा स्वतंत्र पठन – पाठ आधारित लेखन अभ्यास • अभ्यास पुस्तिका- **'मैंने सीख लिया'** (साप्ताहिक आकलन)	• कहानी की किताबों से स्वतंत्र पठन (जो बच्चे पढ़ सकते हैं)	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
6	• कविता / बालगीत सुनाना / अन्य गतिविधि • कहानी सुनाना और अभिनय	• सीखने में पीछे छूट रहे बच्चों के साथ योजनाबद्ध तरीके से समूह में कार्य	• कहानी की किताबों से स्वतंत्र पठन (जो बच्चे पढ़ सकते हैं)	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy

सप्ताह-17				
दिन	मौखिक भाषा विकास/ पाठ्यपुस्तक एवं संबंधित लेखन 30 मिनट	डिकोडिंग/ अभ्यास पुस्तिका एवं संबंधित पठन-लेखन 40 मिनट	पठन 20 मिनट	ट्रैकर
1	• कविता / बालगीत सुनाना / अन्य गतिविधि • पाठ्यपुस्तक पाठ-1 कुछ और पढ़ें (कबूतर) पर कार्य – भाग 1: पाठ पढ़कर सुनाना और विस्तृत चर्चा (भोले-भाले... कबूतर।) – मार्गदर्शन में और जोड़ों में पठन	• अभ्यास पुस्तिका के पाठ-72 पर कार्य – शिक्षक द्वारा पढ़कर सुनाना और चर्चा – बच्चों द्वारा मार्गदर्शन में पठन	• अभ्यास पुस्तिका के भाग-2 : प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-49 पर कार्य	☐ हस्ताक्षर ----------------- dd/mm/yyyy
2	• कविता / बालगीत सुनाना / अन्य गतिविधि • पाठ्यपुस्तक पाठ-1 कुछ और पढ़ें (कबूतर) पर कार्य – भाग 2: पाठ पढ़कर सुनाना और विस्तृत चर्चा (कुछ उजले.... कबूतर) – मार्गदर्शन में और जोड़ों में पठन – बच्चों द्वारा स्वतन्त्र पठन	• अभ्यास पुस्तिका के पाठ-72 पर कार्य – शिक्षक द्वारा आदर्श पठन – बच्चों द्वारा स्वतन्त्र पठन – पाठ आधारित लेखन अभ्यास	• अभ्यास पुस्तिका के भाग-2 : प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-50 पर कार्य	☐ हस्ताक्षर ----------------- dd/mm/yyyy
3	• कविता / बालगीत सुनाना / अन्य गतिविधि • पाठ्यपुस्तक पाठ-1 कुछ और पढ़ें (कबूतर) पर कार्य – भाग 3: पाठ पढ़कर सुनाना और विस्तृत चर्चा (आ, अँगुली..... कबूतर।) – मार्गदर्शन में और जोड़ों में पठन	• अभ्यास पुस्तिका के पाठ-73 पर कार्य – शिक्षक द्वारा पढ़कर सुनाना और चर्चा – बच्चों द्वारा मार्गदर्शन में पठन	• अभ्यास पुस्तिका के भाग-2 : प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-51 पर कार्य	☐ हस्ताक्षर ----------------- dd/mm/yyyy
4	• कविता / बालगीत सुनाना / अन्य गतिविधि • चित्र-कथा-4 पर मौखिक कार्य	• अभ्यास पुस्तिका के पाठ-73 पर कार्य – शिक्षक द्वारा आदर्श पठन – बच्चों द्वारा स्वतन्त्र पठन – पाठ आधारित लेखन अभ्यास	• अभ्यास पुस्तिका के भाग-2 : प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-52 पर कार्य	☐ हस्ताक्षर ----------------- dd/mm/yyyy
5	• कविता / बालगीत सुनाना / अन्य गतिविधि • सृजनात्मक गतिविधि पर कार्य 27 – गतिविधि 17	• अभ्यास पुस्तिका के पाठ-74 (पुनरावृत्ति) पर कार्य – आदर्श पठन और बच्चों द्वारा स्वतंत्र पठन – पाठ आधारित लेखन अभ्यास • अभ्यास पुस्तिका- **'मैंने सीख लिया'** (साप्ताहिक आकलन)	• कहानी की किताबों से स्वतंत्र पठन (जो बच्चे पढ़ सकते हैं)	☐ हस्ताक्षर ----------------- dd/mm/yyyy
6	• कविता / बालगीत सुनाना / अन्य गतिविधि • कहानी सुनाना और अभिनय	• सीखने में पीछे छूट रहे बच्चों के साथ योजनाबद्ध तरीके से समूह में कार्य	• कहानी की किताबों से स्वतंत्र पठन (जो बच्चे पढ़ सकते हैं)	☐ हस्ताक्षर ----------------- dd/mm/yyyy

सप्ताह-18				
दिन	मौखिक भाषा विकास/ पाठ्यपुस्तक एवं संबंधित लेखन 30 मिनट	डिकोडिंग/ अभ्यास पुस्तिका एवं संबंधित पठन-लेखन 40 मिनट	पठन 20 मिनट	ट्रैकर
1	• कविता / बालगीत सुनाना / अन्य गतिविधि • पाठ्यपुस्तक पाठ-2 (चतुर चूहा) पर कार्य – भाग 1: पाठ पढ़कर सुनाना और विस्तृत चर्चा (एक समय...पसंद आया।) – मार्गदर्शन में और जोड़ों में पठन	• अभ्यास पुस्तिका के पाठ-75 पर कार्य – शिक्षक द्वारा पढ़कर सुनाना और चर्चा – बच्चों द्वारा मार्गदर्शन में पठन	• अभ्यास पुस्तिका के भाग-2 : प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-53 पर कार्य	☐ हस्ताक्षर --------------- dd/mm/yyyy
2	• कविता / बालगीत सुनाना / अन्य गतिविधि • पाठ्यपुस्तक पाठ-2 (चतुर चूहा) पर कार्य – भाग 2: पाठ पढ़कर सुनाना और विस्तृत चर्चा (निक्कू...माला पहनाएँगे।) – मार्गदर्शन में और जोड़ों में पठन	• अभ्यास पुस्तिका के पाठ-75 पर कार्य – शिक्षक द्वारा आदर्श पठन – बच्चों द्वारा स्वतन्त्र पठन – पाठ आधारित लेखन अभ्यास	• अभ्यास पुस्तिका के भाग-2 : प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-54 पर कार्य	☐ हस्ताक्षर --------------- dd/mm/yyyy
3	• कविता / बालगीत सुनाना / अन्य गतिविधि • पाठ्यपुस्तक पाठ-2 (चतुर चूहा) पर कार्य – भाग 3: पाठ पढ़कर सुनाना और विस्तृत चर्चा (चूहा....रहे थे।) – मार्गदर्शन में और जोड़ों में पठन – गतिविधि 2 (लिखित रूप से)	• अभ्यास पुस्तिका के पाठ-76 पर कार्य – शिक्षक द्वारा पढ़कर सुनाना और चर्चा – बच्चों द्वारा मार्गदर्शन में पठन	• अभ्यास पुस्तिका के भाग-2 : प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-55 पर कार्य	☐ हस्ताक्षर --------------- dd/mm/yyyy
4	• कविता / बालगीत सुनाना / अन्य गतिविधि • चित्र-कथा-4 पर लिखित कार्य	• अभ्यास पुस्तिका के पाठ-76 पर कार्य – शिक्षक द्वारा आदर्श पठन – बच्चों द्वारा स्वतन्त्र पठन – पाठ आधारित लेखन अभ्यास	• अभ्यास पुस्तिका के भाग-2 : प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-56 पर कार्य	☐ हस्ताक्षर --------------- dd/mm/yyyy
5	• कविता / बालगीत सुनाना / अन्य गतिविधि • सृजनात्मक गतिविधि पर कार्य 28 – गतिविधि 18	• अभ्यास पुस्तिका के पाठ-77 (पुनरावृत्ति) पर कार्य – आदर्श पठन और बच्चों द्वारा स्वतंत्र पठन – पाठ आधारित लेखन अभ्यास • अभ्यास पुस्तिका- **'मैंने सीख लिया'** (साप्ताहिक आकलन)	• कहानी की किताबों से स्वतंत्र पठन (जो बच्चे पढ़ सकते हैं)	☐ हस्ताक्षर --------------- dd/mm/yyyy
6	• कविता / बालगीत सुनाना / अन्य गतिविधि • कहानी सुनाना और अभिनय	• सीखने में पीछे छूट रहे बच्चों के साथ योजनाबद्ध तरीके से समूह में कार्य	• कहानी की किताबों से स्वतंत्र पठन (जो बच्चे पढ़ सकते हैं)	☐ हस्ताक्षर --------------- dd/mm/yyyy

सप्ताह-19				
दिन	मौखिक भाषा विकास/ पाठ्यपुस्तक एवं संबंधित लेखन 30 मिनट	डिकोडिंग/ अभ्यास पुस्तिका एवं संबंधित पठन-लेखन 40 मिनट	पठन 20 मिनट	ट्रैकर
1	• कविता / बालगीत सुनाना / अन्य गतिविधि • पाठ्यपुस्तक पाठ-3 (घड़े की बात) पर कार्य – भाग 1: पाठ पढ़कर सुनाना और विस्तृत चर्चा (किसी गाँव. ...मुझे ही है आया।) – मार्गदर्शन में और जोड़ों में पठन	• अभ्यास पुस्तिका के पाठ-78 पर कार्य – शिक्षक द्वारा पढ़कर सुनाना और चर्चा – बच्चों द्वारा मार्गदर्शन में पठन	• अभ्यास पुस्तिका के भाग-2 : प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-57 पर कार्य	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
2	• कविता / बालगीत सुनाना / अन्य गतिविधि • पाठ्यपुस्तक पाठ-3 (घड़े की बात) पर कार्य – भाग 2: पाठ पढ़कर सुनाना और विस्तृत चर्चा (मिट्टी ....हमारा।) – मार्गदर्शन में और जोड़ों में पठन – गतिविधि 2 (लिखित रूप से)	• अभ्यास पुस्तिका के पाठ-78 पर कार्य – शिक्षक द्वारा आदर्श पठन – बच्चों द्वारा स्वतन्त्र पठन – पाठ आधारित लेखन अभ्यास	• अभ्यास पुस्तिका के भाग-2 : प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-58 पर कार्य	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
3	• कविता / बालगीत सुनाना / अन्य गतिविधि • पाठ्यपुस्तक पाठ-3 (घड़े की बात) पर कार्य – भाग 3: पाठ पढ़कर सुनाना और विस्तृत चर्चा (धनिया ....कर रहे हैं।) – मार्गदर्शन में और जोड़ों में पठन – गतिविधि 7 (वाक्य लेखन)	• अभ्यास पुस्तिका के पाठ-79 पर कार्य – शिक्षक द्वारा पढ़कर सुनाना और चर्चा – बच्चों द्वारा मार्गदर्शन में पठन	• अभ्यास पुस्तिका के भाग-2 : प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-59 पर कार्य	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
4	• कविता / बालगीत सुनाना / अन्य गतिविधि • चित्र-कथा-5 पर मौखिक कार्य	• अभ्यास पुस्तिका के पाठ-79 पर कार्य – शिक्षक द्वारा आदर्श पठन – बच्चों द्वारा स्वतन्त्र पठन – पाठ आधारित लेखन अभ्यास	• अभ्यास पुस्तिका के भाग-2 : प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-60 पर कार्य	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
5	• कविता / बालगीत सुनाना / अन्य गतिविधि • सृजनात्मक गतिविधि पर कार्य 28 – गतिविधि 19	• अभ्यास पुस्तिका के पाठ-80 (पुनरावृत्ति) पर कार्य – आदर्श पठन और बच्चों द्वारा स्वतंत्र पठन – पाठ आधारित लेखन अभ्यास • अभ्यास पुस्तिका- **'मैंने सीख लिया'** (साप्ताहिक आकलन)	• कहानी की किताबों से स्वतंत्र पठन (जो बच्चे पढ़ सकते हैं)	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
6	• कविता / बालगीत सुनाना / अन्य गतिविधि • कहानी सुनाना और अभिनय	• सीखने में पीछे छूट रहे बच्चों के साथ योजनाबद्ध तरीके से समूह में कार्य	• कहानी की किताबों से स्वतंत्र पठन (जो बच्चे पढ़ सकते हैं)	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy

सप्ताह-20 (सावधिक आकलन-2 और रेमेडियल कार्य)				
दिन	मौखिक भाषा विकास/पाठ्यपुस्तक एवं संबंधित लेखन 30 मिनट	डिकोडिंग/ अभ्यास पुस्तिका एवं संबंधित पठन-लेखन 40 मिनट	पठन 20 मिनट	ट्रैकर
1	• कविता/बालगीत सुनाना/अन्य गतिविधि • पाठ्यपुस्तक पाठ-5 (संगती का फल) पर कार्य – भाग 1: पाठ पढ़कर सुनाना और विस्तृत चर्चा (एक राजा....उड़ता रहा।) – मार्गदर्शन में और जोड़ों में पठन	• आकलन • सीखने में पीछे छूटे बच्चों के साथ योजनाबद्ध तरीके से समूह में कार्य		☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
2	• कविता/बालगीत/अन्य गतिविधि • पाठ्यपुस्तक पाठ-5 (संगती का फल) पर कार्य – भाग 2: पाठ पढ़कर सुनाना और विस्तृत चर्चा (राजा एक आश्रम....आदर सहित बैठाया।) – मार्गदर्शन में और जोड़ों में पठन – गतिविधि 2 (लिखित रूप से)	• आकलन • सीखने में पीछे छूटे बच्चों के साथ योजनाबद्ध तरीके से समूह में कार्य		☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
3	• कविता/बालगीत /अन्य गतिविधि • पाठ्यपुस्तक पाठ-5 (संगती का फल) पर कार्य – भाग 3: पाठ पढ़कर सुनाना और विस्तृत चर्चा (राजा ने....फल क्या होता है?) – मार्गदर्शन में और जोड़ों में पठन – गतिविधि 8 (2-3 वाक्य लेखन)	• अभ्यास पुस्तिका के पाठ-81 पर कार्य • सीखने में पीछे छूटे बच्चों के साथ योजनाबद्ध तरीके से समूह में कार्य		☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
4	• कविता/बालगीत /अन्य गतिविधि • चित्र-कथा-7 पर लिखित कार्य (वाक्य लेखन)	• अभ्यास पुस्तिका के पाठ-81 पर कार्य • सीखने में पीछे छूटे बच्चों के साथ योजनाबद्ध तरीके से समूह में कार्य		☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
5	• कविता /बालगीत (कविता पोस्टर) 29 • सृजनात्मक गतिविधि- गतिविधि 20	• अभ्यास पुस्तिका के पाठ-82 पर कार्य • सीखने में पीछे छूटे बच्चों के साथ योजनाबद्ध तरीके से समूह में कार्य		☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
6	• कविता/बालगीत /अन्य गतिविधि • कहानी सुनाना और अभिनय	• अभ्यास पुस्तिका के पाठ-82 पर कार्य • सीखने में पीछे छूटे बच्चों के साथ योजनाबद्ध तरीके से समूह में कार्य		☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
7	• कविता/बालगीत /अन्य गतिविधि • पाठ्यपुस्तक के किसी भी पाठ पर दोहरान कार्य • पाठ पढ़कर सुनाना और चर्चा	• अभ्यास पुस्तिका के पाठ-83 पर कार्य • सीखने में पीछे छूटे बच्चों के साथ योजनाबद्ध तरीके से समूह में कार्य		☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
8	• कविता/बालगीत /अन्य गतिविधि • पाठ्यपुस्तक के किसी भी पाठ पर दोहरान कार्य • पाठ पढ़कर सुनाना और चर्चा	• अभ्यास पुस्तिका के पाठ-83 पर कार्य • सीखने में पीछे छूटे बच्चों के साथ योजनाबद्ध तरीके से समूह में कार्य		☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
9	• कविता/बालगीत /अन्य गतिविधि • सृजनात्मक गतिविधि पर कार्य	• अभ्यास पुस्तिका के पाठ-84 पर कार्य • सीखने में पीछे छूटे बच्चों के साथ योजनाबद्ध तरीके से समूह में कार्य		☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
10	• कविता/बालगीत /अन्य गतिविधि • किसी भी कहानी को सुनाना और अभिनय	• अभ्यास पुस्तिका के पाठ-84 पर कार्य • सीखने में पीछे छूटे बच्चों के साथ योजनाबद्ध तरीके से समूह में कार्य		☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
11	• कविता/बालगीत /अन्य गतिविधि • चित्र-कथा चार्ट पर चर्चा और लेखन	• अभ्यास पुस्तिका के पाठ-85 पर कार्य • सीखने में पीछे छूटे बच्चों के साथ योजनाबद्ध तरीके से समूह में कार्य		☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
12	• कविता/बालगीत /अन्य गतिविधि • कहानी सुनाना और अभिनय	• अभ्यास पुस्तिका के पाठ-85 पर कार्य • सीखने में पीछे छूटे बच्चों के साथ योजनाबद्ध तरीके से समूह में कार्य		☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy

सप्ताह-21				
दिन	मौखिक भाषा विकास/ पाठ्यपुस्तक एवं संबंधित लेखन 30 मिनट	डिकोडिंग/ अभ्यास पुस्तिका एवं संबंधित पठन-लेखन 40 मिनट	पठन 20 मिनट	ट्रैकर
1	• कविता / बालगीत सुनाना / अन्य गतिविधि • पाठ्यपुस्तक पाठ-9 (भोलू की भूल) पर कार्य – भाग 1: पाठ पढ़कर सुनाना और विस्तृत चर्चा (एक हरा-भरा... चला गया।) – मार्गदर्शन में और जोड़ों में पठन	• अभ्यास पुस्तिका के पाठ-86 पर कार्य – शिक्षक द्वारा पढ़कर सुनाना और चर्चा – बच्चों द्वारा मार्गदर्शन में पठन	• अभ्यास पुस्तिका के भाग-2 : प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-61 पर कार्य	☐ हस्ताक्षर --------------- dd/mm/yyyy
2	• कविता / बालगीत सुनाना / अन्य गतिविधि • पाठ्यपुस्तक पाठ-9 (भोलू की भूल) पर कार्य – भाग 2: पाठ पढ़कर सुनाना और विस्तृत चर्चा (भोलू पेड़ से ....मैं कौआ नहीं हूँ, मैं मोर हूँ।) – मार्गदर्शन में और जोड़ों में पठन – गतिविधि 2 (लिखित रूप से)	• अभ्यास पुस्तिका के पाठ-86 पर कार्य – शिक्षक द्वारा आदर्श पठन – बच्चों द्वारा स्वतन्त्र पठन – पाठ आधारित लेखन अभ्यास	• अभ्यास पुस्तिका के भाग-2 : प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-62 पर कार्य	☐ हस्ताक्षर --------------- dd/mm/yyyy
3	• कविता / बालगीत सुनाना / अन्य गतिविधि • पाठ्यपुस्तक पाठ-9 (भोलू की भूल) पर कार्य – भाग 3: पाठ पढ़कर सुनाना और विस्तृत चर्चा (यह सुनकर. ....छोड़कर मत जाना।) – मार्गदर्शन में और जोड़ों में पठन – गतिविधि 5 (वाक्य लेखन)	• अभ्यास पुस्तिका के पाठ-87 पर कार्य – शिक्षक द्वारा पढ़कर सुनाना और चर्चा – बच्चों द्वारा मार्गदर्शन में पठन	• अभ्यास पुस्तिका के भाग-2 : प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-63 पर कार्य	☐ हस्ताक्षर --------------- dd/mm/yyyy
4	• कविता / बालगीत सुनाना / अन्य गतिविधि • चित्र-कथा-6 पर मौखिक कार्य	• अभ्यास पुस्तिका के पाठ-87 पर कार्य – शिक्षक द्वारा आदर्श पठन – बच्चों द्वारा स्वतन्त्र पठन – पाठ आधारित लेखन अभ्यास	• अभ्यास पुस्तिका के भाग-2 : प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-64 पर कार्य	☐ हस्ताक्षर --------------- dd/mm/yyyy
5	• कविता / बालगीत सुनाना / अन्य गतिविधि • सृजनात्मक गतिविधि पर कार्य 29 – गतिविधि 21	• अभ्यास पुस्तिका के पाठ-88 (पुनरावृत्ति) पर कार्य – आदर्श पठन और बच्चों द्वारा स्वतंत्र पठन – पाठ आधारित लेखन अभ्यास • अभ्यास पुस्तिका- **'मैंने सीख लिया'** (साप्ताहिक आकलन)	• कहानी की किताबों से स्वतंत्र पठन (जो बच्चे पढ़ सकते हैं)	☐ हस्ताक्षर --------------- dd/mm/yyyy
6	• कविता / बालगीत सुनाना / अन्य गतिविधि • कहानी सुनाना और अभिनय	• सीखने में पीछे छूट रहे बच्चों के साथ योजनाबद्ध तरीके से समूह में कार्य	• कहानी की किताबों से स्वतंत्र पठन (जो बच्चे पढ़ सकते हैं)	☐ हस्ताक्षर --------------- dd/mm/yyyy

सप्ताह-22				
दिन	मौखिक भाषा विकास/ पाठ्यपुस्तक एवं संबंधित लेखन (30 मिनट)	डिकोडिंग/ अभ्यास पुस्तिका एवं संबंधित पठन-लेखन (40 मिनट)	पठन (20 मिनट)	ट्रैकर
1	• कविता / बालगीत सुनाना / अन्य गतिविधि • पाठ्यपुस्तक पाठ-10 (खुद को जाने) पर कार्य – पाठ पढ़कर सुनाना और विस्तृत चर्चा – गतिविधि 2 (लिखित रूप से)	• अभ्यास पुस्तिका के पाठ-89 पर कार्य – शिक्षक द्वारा पढ़कर सुनाना और चर्चा – बच्चों द्वारा मार्गदर्शन में पठन	• अभ्यास पुस्तिका के भाग-2 : प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-65 पर कार्य	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
2	• कविता / बालगीत सुनाना / अन्य गतिविधि • पाठ्यपुस्तक पाठ-10 (खुद को जाने) पर कार्य – भाग 1: मार्गदर्शन में और जोड़ों में पठन(आओ ....दिन-रात।)	• अभ्यास पुस्तिका के पाठ-89 पर कार्य – शिक्षक द्वारा आदर्श पठन – बच्चों द्वारा स्वतन्त्र पठन – पाठ आधारित लेखन अभ्यास	• अभ्यास पुस्तिका के भाग-2 : प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-66 पर कार्य	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
3	• कविता / बालगीत सुनाना / अन्य गतिविधि • पाठ्यपुस्तक पाठ-10 (खुद को जाने) पर कार्य – भाग 2: मार्गदर्शन में और जोड़ों में पठन (दाँत....उनकी तकदीर।)	• अभ्यास पुस्तिका के पाठ-90 पर कार्य – शिक्षक द्वारा पढ़कर सुनाना और चर्चा – बच्चों द्वारा मार्गदर्शन में पठन	• अभ्यास पुस्तिका के भाग-2 : प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-67 पर कार्य	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
4	• कविता / बालगीत सुनाना / अन्य गतिविधि • चित्र-कथा-6 पर लिखित कार्य (वाक्य लेखन)	• अभ्यास पुस्तिका के पाठ-90 पर कार्य – शिक्षक द्वारा आदर्श पठन – बच्चों द्वारा स्वतन्त्र पठन – पाठ आधारित लेखन अभ्यास	• अभ्यास पुस्तिका के भाग-2 : प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-68 पर कार्य	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
5	• कविता / बालगीत सुनाना / अन्य गतिविधि • सृजनात्मक गतिविधि पर कार्य 28 – गतिविधि 18	• अभ्यास पुस्तिका के पाठ-91 (पुनरावृत्ति) पर कार्य – आदर्श पठन और बच्चों द्वारा स्वतंत्र पठन – पाठ आधारित लेखन अभ्यास • अभ्यास पुस्तिका- **'मैंने सीख लिया'** (साप्ताहिक आकलन)	• कहानी की किताबों से स्वतंत्र पठन (जो बच्चे पढ़ सकते हैं)	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
6	• कविता / बालगीत सुनाना / अन्य गतिविधि • कहानी सुनाना और अभिनय	• सीखने में पीछे छूट रहे बच्चों के साथ योजनाबद्ध तरीके से समूह में कार्य	• कहानी की किताबों से स्वतंत्र पठन (जो बच्चे पढ़ सकते हैं)	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy

सप्ताह-23				
दिन	मौखिक भाषा विकास/ पाठ्यपुस्तक एवं संबंधित लेखन 30 मिनट	डिकोडिंग/ अभ्यास पुस्तिका एवं संबंधित पठन-लेखन 40 मिनट	पठन 20 मिनट	ट्रैकर
1	• कविता / बालगीत सुनाना / अन्य गतिविधि • पाठ्यपुस्तक पाठ-12 (आसमान गिरा) पर कार्य – भाग 1: पाठ पढ़कर सुनाना और विस्तृत चर्चा (गरमी का मौसम ... कहाँ भागे जा रहे हो?) – मार्गदर्शन में और जोड़ों में पठन	• अभ्यास पुस्तिका के पाठ-92 पर कार्य – शिक्षक द्वारा पढ़कर सुनाना और चर्चा – बच्चों द्वारा मार्गदर्शन में पठन	• अभ्यास पुस्तिका के भाग-2 : प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-69 पर कार्य	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
2	• कविता / बालगीत सुनाना / अन्य गतिविधि • पाठ्यपुस्तक पाठ-12 (आसमान गिरा) पर कार्य – भाग 2: मार्गदर्शन में और जोड़ों में पठन (खरगोश और लोमड़ी....तुम भी भागो।) – गतिविधि 2 (लिखित रूप से)	• अभ्यास पुस्तिका के पाठ-92 पर कार्य – शिक्षक द्वारा आदर्श पठन – बच्चों द्वारा स्वतन्त्र पठन – पाठ आधारित लेखन अभ्यास	• अभ्यास पुस्तिका के भाग-2 : प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-70 पर कार्य	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
3	• कविता / बालगीत सुनाना / अन्य गतिविधि • पाठ्यपुस्तक पाठ-12 (आसमान गिरा) पर कार्य – भाग 3: मार्गदर्शन में और जोड़ों में पठन (शेर ने ..... सभी हँसने लगे।) – गतिविधि 6 (लिखित रूप से)	• अभ्यास पुस्तिका के पाठ-93 पर कार्य – शिक्षक द्वारा पढ़कर सुनाना और चर्चा – बच्चों द्वारा मार्गदर्शन में पठन	• अभ्यास पुस्तिका के भाग-2 : प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-71 पर कार्य	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
4	• कविता / बालगीत सुनाना / अन्य गतिविधि • चित्र-कथा-7 पर मौखिक एवं लिखित कार्य (वाक्य लेखन)	• अभ्यास पुस्तिका के पाठ-93 पर कार्य – शिक्षक द्वारा आदर्श पठन – बच्चों द्वारा स्वतन्त्र पठन – पाठ आधारित लेखन अभ्यास	• अभ्यास पुस्तिका के भाग-2 : प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-72 पर कार्य	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
5	• कविता / बालगीत सुनाना / अन्य गतिविधि • सृजनात्मक गतिविधि पर कार्य 29 – गतिविधि 21	• अभ्यास पुस्तिका के पाठ-94 (पुनरावृत्ति) पर कार्य – आदर्श पठन और बच्चों द्वारा स्वतंत्र पठन – पाठ आधारित लेखन अभ्यास • अभ्यास पुस्तिका- **'मैंने सीख लिया'** (साप्ताहिक आकलन)	• कहानी की किताबों से स्वतंत्र पठन (जो बच्चे पढ़ सकते हैं)	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
6	• कविता / बालगीत सुनाना / अन्य गतिविधि • कहानी सुनाना और अभिनय	• सीखने में पीछे छूट रहे बच्चों के साथ योजनाबद्ध तरीके से समूह में कार्य	• कहानी की किताबों से स्वतंत्र पठन (जो बच्चे पढ़ सकते हैं)	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy

सप्ताह-24				
दिन	मौखिक भाषा विकास/ पाठ्यपुस्तक एवं संबंधित लेखन 30 मिनट	डिकोडिंग/ अभ्यास पुस्तिका एवं संबंधित पठन-लेखन 40 मिनट	पठन 20 मिनट	ट्रैकर
1	• कविता / बालगीत सुनाना / अन्य गतिविधि • पाठ्यपुस्तक पाठ-12 कुछ और पढ़ें (बंदर का कलेजा) पर कार्य – भाग 1: पाठ पढ़कर सुनाना और विस्तृत चर्चा (पृष्ट सं. 66-67) – मार्गदर्शन में और जोड़ों में पठन	• अभ्यास पुस्तिका के पाठ-95 पर कार्य – शिक्षक द्वारा पढ़कर सुनाना और चर्चा – बच्चों द्वारा मार्गदर्शन में पठन	• अभ्यास पुस्तिका के भाग-2 : प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-73 पर कार्य	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
2	• कविता / बालगीत सुनाना / अन्य गतिविधि • पाठ्यपुस्तक पाठ-12 कुछ और पढ़ें (बंदर का कलेजा) पर कार्य – भाग 2: पाठ पढ़कर सुनाना और विस्तृत चर्चा (पृष्ट सं. 67-68) – मार्गदर्शन में और जोड़ों में पठन	• अभ्यास पुस्तिका के पाठ-95 पर कार्य – शिक्षक द्वारा आदर्श पठन – बच्चों द्वारा स्वतन्त्र पठन – पाठ आधारित लेखन अभ्यास	• अभ्यास पुस्तिका के भाग-2 : प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-74 पर कार्य	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
3	• कविता / बालगीत सुनाना / अन्य गतिविधि • पाठ्यपुस्तक पाठ-12 कुछ और पढ़ें (बंदर का कलेजा) पर कार्य – मार्गदर्शन में और जोड़ों में पठन – मौखिक चर्चा	• अभ्यास पुस्तिका के पाठ-96 पर कार्य – शिक्षक द्वारा पढ़कर सुनाना और चर्चा – बच्चों द्वारा मार्गदर्शन में पठन	• अभ्यास पुस्तिका के भाग-2 : प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-75 पर कार्य	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
4	• कविता / बालगीत सुनाना / अन्य गतिविधि • चित्र-कथा-8 पर मौखिक एवं लिखित कार्य (वाक्य लेखन)	• अभ्यास पुस्तिका के पाठ-96 पर कार्य – शिक्षक द्वारा आदर्श पठन – बच्चों द्वारा स्वतन्त्र पठन – पाठ आधारित लेखन अभ्यास	• अभ्यास पुस्तिका के भाग-2 : प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-75 पर कार्य	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
5	• कविता / बालगीत सुनाना / अन्य गतिविधि • सृजनात्मक गतिविधि पर कार्य 28 – गतिविधि 18	• अभ्यास पुस्तिका के पाठ-97 (पुनरावृत्ति) पर कार्य – आदर्श पठन और बच्चों द्वारा स्वतंत्र पठन – पाठ आधारित लेखन अभ्यास • अभ्यास पुस्तिका- **'मैंने सीख लिया'** (साप्ताहिक आकलन)	• कहानी की किताबों से स्वतंत्र पठन (जो बच्चे पढ़ सकते हैं)	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
6	• कविता / बालगीत सुनाना / अन्य गतिविधि • कहानी सुनाना और अभिनय	• सीखने में पीछे छूट रहे बच्चों के साथ योजनाबद्ध तरीके से समूह में कार्य	• कहानी की किताबों से स्वतंत्र पठन (जो बच्चे पढ़ सकते हैं)	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy

दैनिक शिक्षण योजना के नमूने

सप्ताह-3 दिवस-3 **खंड-2**

डिकोडिंग / अभ्यास पुस्तिका एवं संबंधित पठन-लेखन (40 मिनट)

अक्षर पहचान कर उसकी ध्वनि बताना और लिखना।

ची

तैयारी और सामग्री

- ग्रिड, पाठ्यपुस्तक, अभ्यास पुस्तिका, अक्षर कार्ड
- शिक्षक मात्रा के अनुसार प्रयोग होने वाली ग्रिड और अक्षर कार्ड का पहले ही चुनाव करके रख लें।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- ची, री, नी, मी- यहाँ अक्षर को सीधे सिखाया जाता है। वर्ण और मात्रा को अलग-अलग नहीं बताना है।
- ग्रिड को 2-3 तरीकों के साथ इस्तेमाल करें।
- ' ी' से बने अक्षर सिखाने से पूर्व अब तक सीखे वर्ण-मात्रा दोहराएँ।

प्रक्रिया

- कक्षा की शुरुआत स्थानीय कविता या गीत को हाव-भाव के साथ गाकर करें। इसमें सभी बच्चों को हिस्सा लेने के लिए उनका प्रोत्साहन करें। इस खेल गतिविधि के लिए 3 से 5 मिनट का समय दें।
- शिक्षक बोर्ड पर किसी वर्ण को लिखें और इसका उच्चारण करें। फिर उस वर्ण से 'ी' मात्रा (लक्षित मात्रा) लगाकर उच्चारण करें। जैसे- 'च', 'ची'। कुछ अन्य वर्ण लेकर (वही वर्ण, जिन पर अब तक के सप्ताहों में बच्चों के साथ कार्य किया जा चुका है), उसमें ' ी' मात्रा (लक्षित मात्रा) लगाकर ग्रिड बनाएँ और उच्चारण करें, जैसे- न - नी , र - री , म - मी आदि।
- अब ' ी' मात्रा की ग्रिड से वर्ण/अक्षर पढ़ें और बच्चों को अपने साथ-साथ बोलने के लिए कहें।
- शिक्षक बच्चों से कक्षा में लगी सामग्री में वर्ण/अक्षर को खोजनें के लिए कहें।
- अब शिक्षक कक्षा को 4 से 5 बच्चों के समूह में बाँट दें और सभी समूह में ' ी' मात्रा की ग्रिड दें और सभी को समूह में पढ़ने के लिए कहें।
- बच्चों को ' ी' मात्रा से बने अक्षर कक्षा में प्रदर्शित सामग्री और पाठ्यपुस्तक से ढूँढ़कर बताने को कहें। शिक्षक पाठ्यपुस्तक में ' ी' मात्रा के अक्षरों पर गोला लगाने को भी कह सकते हैं।
- अंत में, अक्षर पहचान से संबंधित अभ्यास कार्य को अभ्यास पुस्तिका से करवाएँ।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चे अक्षरों की पहचान कर पाए? यदि नहीं, तो ऐसे बच्चों की पहचान करें और उनको अतिरिक्त अभ्यास करवाएँ।
- अगली कक्षाओं में पूर्व में सिखाए गए वर्णों/अक्षरों का अभ्यास भी साथ में जरूर करवाएँ।

सप्ताह-8 दिवस-1 खंड-1

मौखिक भाषा विकास/ पाठ्यपुस्तक एवं संबंधित लेखन (30 मिनट)

शिक्षक द्वारा मौखिक रूप से पाठ पढ़कर सुनाना और अभ्यास कार्य

तैयारी और सामग्री

- स्थानीय कविता या बालगीत
- पाठ्यपुस्तक झिलमिल-2, पाठ 7 'मित्र सदा पेड़ों को मानें'

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- पाठ सुनाने के दौरान स्पष्ट और सरल भाषा शैली का इस्तेमाल करें।
- चर्चा के दौरान कक्षा में बच्चों को घर की भाषा इस्तेमाल करने के भरपूर मौके दें।
- सभी बच्चों को गतिविधि में शामिल करें।

प्रक्रिया: कविता/बालगीत/गतिविधि पर कार्य : स्थानीय कविता / बालगीत

- कविता को पूरे हाव भाव के साथ और उतार चढ़ाव के साथ करवाएँ।
- शिक्षक कविता गाएँ व बच्चों के साथ कविता दोहराने के लिए कहें।
- ऐसा दो से तीन बार करें, ताकि बच्चे कविता की लय और शब्दों को अच्छे से पकड़ पाएँ।
- सुनाई गई कविता के विषय से जुड़ी कोई और कविता को याद दिलाएँ और उन्हें सुनाने के लिए कहें। अगर कोई ऐसी कविता नहीं है तो पिछली सुनी कोई कविता या बालगीत उनसे सुनें।

झिलमिल-2 के पाठ 7 'मित्र सदा पेड़ों को मानें' पर कार्य

- शिक्षक बच्चों से कहें, "मैं आपको पाठ्यपुस्तक के पाठ 'मित्र सदा पेड़ों को मानें' को पढ़कर सुनाऊँगा/सुनाऊँगी।" अब बच्चों को अपनी-अपनी पाठ्यपुस्तक में पाठ खोलने के लिए कहें। पाठ में दिए गए चित्रों को देखने और चित्र के आधार पर पाठ का अनुमान लगाने के लिए कहें, जैसे- आपके अनुसार पाठ में कौन-कौन होगा ? आप क्या सोचते हैं, यह पाठ किस बारे में होगा? मित्र कौन होता है?
- अब शिक्षक 'मित्र सदा पेड़ों को मानें' पाठ को बच्चों को उचित उतार-चढ़ाव, पूरे हाव-भाव और लय के साथ पढ़कर सुनाएँ।
- पाठ सुनाने के दौरान बीच-बीच में प्रश्न पूछकर पता करें कि बच्चे पाठ सुनकर समझ रहे हैं या नहीं। ध्यान दें कि इस दौरान अधिक चर्चा ना की जाए। ये ज़रूर सुनिश्चित कर लें कि बच्चों का पाठ सुनने पर पूरा ध्यान है।
- शिक्षक पाठ पढ़कर सुनाने के बाद बच्चों के अनुमानों पर चर्चा करें, जैसे- आप सभी ने पाठ सुनने से पहले जो अनुमान लगाया था क्या यह पाठ उस बारे में था? यदि नहीं तो क्या अलग था? क्या पाठ में वही किरदार थे जिनका आपने अनुमान लगाया था? यदि नहीं तो अलग था? हमें पेड़ों को मित्र क्यों मानना चाहिए? आदि।
- पाठ पर चर्चा के बाद शिक्षक बच्चों के साथ पाठ में आए कठिन शब्दों (पाठ्यपुस्तक से अभ्यास कार्य: गतिविधि 1) पर चर्चा करें। एक-एक करके शब्दों को बोर्ड पर लिखें और उनके अर्थ पर बच्चों के साथ चर्चा करें। इसके बाद शिक्षक बच्चों से पाठ की गतिविधि 4 करने के लिए कहें।

डिकोडिंग / अभ्यास पुस्तिका एवं संबंधित पठन-लेखन (40 मिनट)

'नई सुगम' के पाठ 36 पर कार्य

तैयारी और सामग्री

- बोर्ड , चॉक
- नई सुगम अभ्यास पुस्तिका
- श्रुतलेख के लिए 4-5 शब्दों की सूची बना लें

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- अभ्यास पुस्तिका के पाठ को पहले से देख लें।
- कक्षा के सभी बच्चों को उनके स्तर के अनुसार कार्य में शामिल करें।
- जिन बच्चों को डिकोडिंग के कार्य की अधिक आवश्यकता है उनकी सहभागिता पर अधिक ज़ोर दें।
- पाठ को एक बार देख/पढ़ लें।

प्रक्रिया

- शिक्षक कल कराए गए कार्य के बारे में पूछें और कल पढ़ाये गए कुछ शब्द या वाक्य बच्चों से दोहराने के लिए कहें ।
- अब अभ्यास पुस्तिका 'नई सुगम' से पाठ-36 में कार्य के निर्देश एक बार बच्चों को समझाएँ फिर कार्य करने के लिए कहें।
- पाठ में दिए टेक्स्ट को बोर्ड पर लिखें और बच्चों को एक बार हाव-भाव के साथ पढ़कर सुनाएँ।
- अब सभी बच्चों को वह पाठ जोड़ियों में पढ़ने के लिए कहें।
- जिन बच्चों को मदद की आवश्यकता है उनकी आवश्यकतानुसार पढ़ने में मदद करें।
- पाठ पढ़ने के बाद सभी बच्चों का ध्यान श्रुतलेखन की गतिविधि पर ले जाएँ।
- शिक्षक बच्चों को निर्देश दें कि "मैं अब एक-एक करके कुछ शब्द बोलूँगा/बिलूँगी। आपको ध्यान से सुनना है और अपनी अभ्यास पुस्तिका / नोटबुक में लिखना है।" एक-एक करके शिक्षक 4 से 5 सरल शब्द (पिछले सप्ताहों में सिखाये गए) साफ़ आवाज़ में कक्षा में बोलें। 1 से 2 बार एक शब्द को दोहराएँ और बच्चों से पूछें की आपने क्या बोला।
- जब बच्चे बता चुके हों तो बच्चों को शब्द लिखने के लिए कहें।
- अब बच्चों के कार्य पर उचित फीडबैक दें और दिनांक लिखें।

सप्ताह-8 दिवस-1

खंड-3

पठन (20 मिनट)

अभ्यास पुस्तिका 'नई सुगम' के भाग-2 पठन अभ्यास-17 पर कार्य

तैयारी और सामग्री

- अभ्यास पुस्तिका 'नई सुगम' भाग-2 सप्ताह 8

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- पाठ को एक बार पहले से देख लें और कुछ अतिरिक्त कहानी की किताबें या टेक्स्ट अपने पास रखें।

प्रक्रिया

- शिक्षक बच्चों को 'नई सुगम' के भाग-2 से पठन अभ्यास-17 खोलने के लिए कहें।
- सभी बच्चों को जोड़ियों में बैठाएँ और यह पाठ पढ़ने के लिए कहें। शिक्षक घूमते हुए बच्चों को पढ़ते हुए सुनें। अगर किसी बच्चे को कठिनाई महसूस हो रही तो उसकी मदद करें।
- अब बच्चों को स्वतंत्र रूप से पाठ पढ़ने के लिए कहें।
- कक्षा में किसी एक बच्चे के पास जाएँ और उससे पाठ पढ़ने के लिए कहें।
- सही पढ़े गए शब्दों को उसके द्वारा पढ़े गए पाठ में दिए गए कॉलम में दर्ज करें।
- अब इसी तरह अन्य 4 से 5 बच्चों के साथ भी यही प्रक्रिया अपनाएँ।
- इस दौरान बाकि बच्चों को पढ़ने दें और आवश्यकतानुसार बच्चों की मदद करें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने सभी गतिविधियों में प्रतिभाग किया ?
- क्या सभी बच्चे अपने मन की बात या पाठ से सम्बन्धित अपने विचार सहजता से कह पा रहे थे ?
- क्या सभी बच्चे पाठ को पढ़ पाए और सभी गतिविधियाँ कर पाए?
- यदि नहीं तो उन बच्चों को पहचानकर उन्हें अतिरिक्त अभ्यास दें और उनके स्तर के अनुसार उनसे कार्य करवाएँ और आगे के कार्य के लिए प्रोत्साहित करें।

मौखिक भाषा विकास/ पाठ्यपुस्तक एवं संबंधित लेखन (30 मिनट)

सृजनात्मक गतिविधि - 'मैं कौन हूँ'

तैयारी और सामग्री

- वस्तुओं जानवर/पक्षी आदि के चित्र कार्ड पहले से ही बना लें।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- बच्चों द्वारा गतिविधि करवाने से पहले एक उदाहरण देकर समझाएँ।
- गतिविधि के दौरान बच्चों को ध्यान पूर्वक सुनें और ज़रूरी मदद प्रदान करें।
- अगर बच्चे अपेक्षित तरीके से कार्य नहीं कर पा रहे हैं तो उन्हें सुझाव दें और बेहतर करने के लिए प्रोत्साहित करें।

प्रक्रिया: कविता/बालगीत/गतिविधि पर कार्य : स्थानीय कविता / बालगीत

- कविता को पूरे हाव भाव के साथ और उतार चढ़ाव के साथ करवाएँ।
- शिक्षक कविता गाएँ व बच्चों के साथ कविता दोहराने के लिए कहें।
- ऐसा दो से तीन बार करें, ताकि बच्चे कविता की लय और शब्दों को अच्छे से पकड़ पाएँ।
- सुनाई गई कविता के विषय से जुड़ी कोई और कविता को याद दिलाएँ और उन्हें सुनाने के लिए कहें। अगर कोई ऐसी कविता नहीं है तो पिछली सुनी कोई कविता या बालगीत उनसे सुनें।

<u>सृजनात्मक गतिविधि पर कार्य</u>

- सृजनात्मक गतिविधि के लिए बच्चों को बताएँ कि हम आज एक खेल खेलेंगे जिसका नाम है 'मैं कौन हूँ'।
- अब सभी बच्चों को गतिविधि समझाएँ ''एक बच्चा एक चित्र कार्ड उठाएगा और उसके बारे में बताएगा'' और कोई एक उदाहरण बच्चों को दें, ''जैसे अगर आम का चित्र आया तो आप कह सकते हैं 'यह एक फल है। यह मीठा होता है। यह फलों का राजा होता है' आदि। बाकि बच्चे अनुमान लगाएँगे कि वह क्या है।''
- अब शिक्षक एक-एक बच्चे को बुलाएँ और गतिविधि में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित करें।
- इसके बाद बच्चों से उन शब्दों पर चर्चा करें और किसी भी शब्द का चित्र बनाकर रंग भरने के लिए कहें।

सप्ताह-8 दिवस-5 खंड-2

डिकोडिंग / अभ्यास पुस्तिका एवं संबंधित पठन-लेखन (40 मिनट)

‘नई सुगम’ के पाठ-40 पर पुनरावृत्ति कार्य और साप्ताहिक आकलन ‘मैंने सीख लिया’

तैयारी और सामग्री

- बोर्ड, चॉक
- अभ्यास पुस्तिका ‘नई सुगम’

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- जिन बच्चों का आकलन होता जाए उनके लिए योजना तैयार रखें।
- आकलन के रिकॉर्ड के लिए संदर्शिका पास में रखें।
- पुनरावृत्ति और आकलन के लिए संदर्शिका का नोट अच्छे से पढ़ लें।

प्रक्रिया

पुनरावृत्ति

- सभी बच्चों से अभ्यास पुस्तिका के पाठ-40 को खोलने के लिए कहें।
- अब सभी को पाठ को उचित हाव-भाव से पढ़कर सुनाएँ।
- अब पाठ को जोड़ियों में पढ़ने के लिए कहें। इसके लिए बच्चों को 5-10 मिनट का समय दें।
- पाठ पढ़ लेने के बाद सभी बच्चों को आगे के पाठ पर कार्य के निर्देशों को समझाएँ और चर्चा करें। सभी को कार्य करने दें।

आकलन

- अब एक-एक बच्चे के पास जाएँ और आकलन ‘मैंने सीख लिया’ की शीट पर कार्य करें।
- आप इस कार्य में बच्चों की सहायता न करें बल्कि प्रोत्साहन दें।
- बच्चों द्वारा सही पढ़े गए शब्दों पर एक छोटा सा निशान लगा दें और उपयुक्त जगह में उनके द्वारा प्राप्त किए गए अंक लिख दें।
- यदि कोई बच्चा एक भी शब्द नहीं पढ़ पाया है तो उसके आकलन पत्रक में (0) अंक देने के स्थान पर उसमें (-) का चिन्ह लगा दें। शिक्षक संदर्शिका में दी गई तालिका में उनके स्तर और समूह को दर्ज करें।
- प्रत्येक बच्चे के साथ आकलन पत्रक पर कार्य करने के बाद उन्हें अपने स्थान पर जाकर बैठने के लिए कहें। आकलन पत्रक पर कार्य करने के बाद या 10-15 मिनट बाद सभी के साथ श्रुतलेखन का कार्य करवाएँ। ये गतिविधि पूरी कक्षा के साथ एक साथ की जाएगी।
- आकलन के परिणाम के अनुसार जिन बच्चों के अंक 50% प्रतिशत से कम हैं उनको समूह-1 में चिन्हित करें और जिनके 50% से अधिक हैं उन्हें समूह-2 के लिए चिन्हित करें।

ध्यान रखने योग्य बातें- यदि इस समय में आकलन पूरा नहीं होता है तो पठन के समय में भी आकलन करते रहें। पठन के समय में जिस बच्चे का आकलन किया जा रहा है उसे छोड़कर बाकि सभी बच्चों के साथ प्रावाहपूर्ण पठन खंड का कार्य जारी रखें।

पठन (20 मिनट)

स्वतंत्र पठन

तैयारी और सामग्री

- अभ्यास पुस्तिका 'नई सुगम'
- पुस्तकालय की किताबें, बरखा सीरीज की किताबे या अन्य कहानियों की किताबें।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- सभी बच्चों के स्तर के अनुसार किताबें उपलब्ध रहें।

प्रक्रिया

- बच्चों को उनकी पसंद की किताबें चुनने के लिए कहें।
- उन्हें स्वतंत्र रूप से पाठ / कहानी पढ़ने के लिए कहें।
- बच्चों को उनके स्तर की किताबों को चुनने में सहायता करें और उन्हें पढ़ने में मदद करें। आवश्यकता पड़ने पर बच्चों को जोड़ी बनाकर पढ़ने के लिए भी कह सकते हैं।
- जिन बच्चों का आकलन डिकोडिंग खंड में नहीं हुआ है उनका आकलन इस खंड (पठन) में करें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने सृजनात्मक गतिविधि में प्रतिभाग किया ?
- क्या सभी बच्चों का आकलन हो पाया ?
- क्या सभी बच्चे पाठ / कहानी को पढ़ पाए?
- यदि नहीं तो उन बच्चों के साथ पठन खंड में भी आकलन जारी रखें जिनके साथ आकलन नहीं हुआ है।
- यदि सभी पाठ नहीं पढ़ पाए हैं तो उन्हें छठे दिन अतिरिक्त अभ्यास दें और उनके स्तर के अनुसार उनसे कार्य करवाएँ। आगे के कार्य के लिए प्रोत्साहित करें और अगली बार उनकी सक्रिय भागीदारी की योजना बनाएँ।
- क्या उपलब्ध किताबें या सामग्री बच्चों के लिए रोचक व उनके स्तर की थीं? यदि नहीं तो यह चिन्हित करें कि बच्चों को किस प्रकार की किताबें पसंद आ रही थीं।

मौखिक भाषा विकास/ पाठ्यपुस्तक एवं संबंधित लेखन (30 मिनट)

कहानी सुनाना और अभिनय

तैयारी और सामग्री

- कौन-सा समूह किस क्रम में प्रस्तुति देगा पहले से बच्चों के साथ मिलकर तय कर लें ।
- प्रस्तुतीकरण पर जिन प्रश्नों के माध्यम से चर्चा की जानी है उन्हें डायरी में नोट कर लें।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- किसी कहानी को नाटक के रूप में अभिनय करना एक उपयोगी भाषायी कौशल है। अभिनय करते हुए बच्चे उस पात्र के नज़रिए से भी कहानी को समझ रहे होते हैं। इससे संवेदनशीलता और अन्य नज़रिए से किसी घटना को समझने जैसे कौशल विकसित होते हैं।

प्रक्रियाः कविता/बालगीत/गतिविधि पर कार्य : स्थानीय कविता / बालगीत

- कविता को पूरे हाव-भाव के साथ और उतार चढ़ाव के साथ करवाएँ।
- शिक्षक कविता गाएँ व बच्चों के साथ कविता दोहराने के लिए कहें।
- ऐसा दो से तीन बार करें, ताकि बच्चे कविता की लय और शब्दों को अच्छे से पकड़ पाएँ।
- सुनाई गई कविता के विषय से जुड़ी कोई और कविता को याद दिलाएँ और उन्हें सुनाने के लिए कहें। अगर कोई ऐसी कविता नहीं है तो पिछली सुनी कोई कविता या बालगीत उनसे सुनें।

अभिनय करना

- बच्चों को पिछले सप्ताहों में पढ़ी-सुनी कहानियों के नाम याद दिलाएँ और प्रत्येक समूह को अपने लिए एक कहानी चुनने के लिए कहें।
- चुनी हुई कहानी पर बच्चों को अभिनय करने के लिए प्रेरित करें। पात्र चुनने, संवाद गढ़ने, आस-पास मौजूद वस्तुओं का उपयोग करने (प्रोपर्टी के तौर पर) में मदद और मार्गदर्शन करें।
- बच्चों को संवाद गढ़ते समय अपनी घर की भाषा इस्तेमाल करने का मौका़ दें। ये संवाद बच्चे मौखिक गढ़ेंगे, इस कार्य में उनकी मदद करें। जैसे- कहानी में बिल्ली पात्र है तो वह कैसे बोलेगी, क्या बोलेगी, कैसे चलेगी, उसके हाव-भाव कैसे होंगे इत्यादि।
- शुरुआती कहानियों पर अभिनय करते समय एक पात्र शिक्षक स्वयं भी चुनें। इससे बच्चों को पूरी प्रक्रिया को समझने में मदद मिलेगी व उनकी झिझक दूर होगी।

सप्ताह-8 दिवस-6 — खंड-2

डिकोडिंग / अभ्यास पुस्तिका एवं संबंधित पठन-लेखन (40 मिनट)

आकलन के आधार पर बच्चों के साथ योजनाबद्ध तरीके से समूह में कार्य

तैयारी और सामग्री

- अभ्यास पुस्तिका 'नई सुगम'

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- दिवस 5 में किये गए आकलन के आधार पर समूह की जानकारी रखें।
- बच्चों के लिए यदि अतिरिक्त सामग्री की आवश्यकता है तो इसे तैयार रखें।

प्रक्रिया

- शिक्षक 50% से कम और ज़्यादा के आधार पर बच्चों को समूह-1 और समूह-2 में बाँटें।
- समूह-1 के बच्चों के साथ वर्ण/अक्षर पहचान, शब्द पठन पर कार्य करें।
- समूह-2 के बच्चों के साथ डिकोडिंग के खेल, कहानी की किताबें, देखकर वर्ण/अक्षर/शब्द लिखना पर कार्य करें।

सप्ताह-8 दिवस-6 — खंड-3

पठन (20 मिनट)

स्वतंत्र पठन (HIN209)

तैयारी और सामग्री

- अभ्यास पुस्तिका 'नई सुगम'
- पुस्तकालय की किताबें, बरखा सीरीज की किताबे या अन्य कहनियों की किताबें।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- सभी बच्चों के स्तर के अनुसार किताबें उपलब्ध रहें।

प्रक्रिया

- बच्चों को उनकी पसंद की किताबें चुनने के लिए कहें।
- उन्हें स्वतंत्र रूप से पाठ पढ़ने के लिए कहें।
- बच्चों को उनके स्तर की किताबों को चुनने में सहायता करें और उन्हें पढ़ने में मदद करें। आवश्यकता पड़ने पर बच्चों को जोड़ी बनाकर पढ़ने के लिए भी कह सकते हैं।
- जिन बच्चों के आकलन डिकोडिंग खंड में नहीं हुआ है उनका आकलन इस खंड (पठन) में करें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने सभी गतिविधियों में प्रतिभाग किया ?
- क्या उपलब्ध किताबें या सामग्री बच्चों के लिए रोचक व उनके स्तर की थीं? यदि नहीं तो यह चिन्हित करें कि बच्चों को किस प्रकार की किताबें पसंद आ रही थीं।
- यदि नहीं तो उन बच्चों को पहचानकर उन्हें आगे के कार्य के लिए प्रोत्साहित करें और अगली बार उनकी सक्रिय भागीदारी की योजना बनाएँ।

सप्ताह-15 दिवस-1 खंड-1

मौखिक भाषा विकास/ पाठ्यपुस्तक एवं संबंधित लेखन (30 मिनट)

शिक्षक द्वारा पाठ्यपुस्तक से पाठ पढ़कर सुनाना और अभ्यास कार्य

तैयारी और सामग्री

- स्थानीय कविता या बालगीत
- पाठ्यपुस्तक झिलमिल-2, पाठ-13 'रंग बिरंगी होली'

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- पाठ सुनाने के दौरान स्पष्ट और सरल भाषा शैली का इस्तेमाल करें।
- चर्चा के दौरान कक्षा में बच्चों को घर की भाषा इस्तेमाल करने के भरपूर मौके दें।
- सभी बच्चों को गतिविधि में शामिल करें।

प्रक्रिया: कविता/बालगीत/गतिविधि पर कार्य : स्थानीय कविता / बालगीत

- कविता को पूरे हाव भाव के साथ और उतार चढ़ाव के साथ करवाएँ।
- शिक्षक कविता गाएँ व बच्चों के साथ कविता दोहराने के लिए कहें।
- ऐसा दो से तीन बार करें, ताकि बच्चे कविता की लय और शब्दों को अच्छे से पकड़ पाएँ।
- सुनाई गई कविता के विषय से जुड़ी कोई और कविता को याद दिलाएँ और उन्हें सुनाने के लिए कहें। अगर कोई ऐसी कविता नहीं है तो पिछली सुनी कोई कविता या बालगीत उनसे सुनें।

झिलमिल-2 के पाठ 13 'रंग बिरंगी होली' पर कार्य

- शिक्षक बच्चों से कहें, "मैं आपको पाठ्यपुस्तक के पाठ 'रंग बिरंगी होली' को पढ़कर सुनाऊँगा/सुनाऊँगी।" अब बच्चों को अपनी-अपनी पाठ्यपुस्तक में पाठ खोलने के लिए कहें। पाठ में दिए गए चित्रों को देखने और चित्र के आधार पर पाठ का अनुमान लगाने के लिए कहें, जैसे- आपके अनुसार पाठ में क्या होगा? यह पाठ किस बारे में होगा? आपको कौन-सा त्यौहार पसंद है? आदि।
- अब शिक्षक 'रंग बिरंगी होली' पाठ को बच्चों को उचित उतार-चढ़ाव, पूरे हाव-भाव और लय के साथ पढ़कर सुनाएँ।
- पाठ सुनाने के दौरान बीच-बीच में प्रश्न पूछकर पता करें कि बच्चे पाठ सुनकर समझ रहे हैं या नहीं। ध्यान दें कि इस दौरान अधिक चर्चा ना की जाए। ये ज़रूर सुनिश्चित कर लें कि बच्चों का पाठ सुनने पर पूरा ध्यान है।
- शिक्षक पाठ पढ़कर सुनाने के बाद बच्चों के अनुमानों पर चर्चा करें, जैसे- आप सभी ने पाठ सुनने से पहले जो अनुमान लगाया था? क्या यह पाठ उस बारे में था? यदि नहीं तो क्या अलग था? क्या पाठ में वही किरदार थे जिनका आपने अनुमान लगाया था? यदि नहीं तो अलग था? बच्चों ने होली पर क्या किया? आदि।
- पाठ पर चर्चा के बाद शिक्षक बच्चों के साथ पाठ में आए कठिन शब्दों (पाठ्यपुस्तक से अभ्यास कार्य: गतिविधि 1) पर चर्चा करें। एक-एक करके शब्दों को बोर्ड पर लिखें और उनके अर्थ पर बच्चों के साथ चर्चा करें। शिक्षक बच्चों से अपने पसंदीदा त्यौहार का चित्र बनाकर 2-3 शब्द लिखने के लिए भी कह सकते हैं।

सप्ताह-15 दिवस-1

डिकोडिंग / अभ्यास पुस्तिका एवं संबंधित पठन-लेखन (40 मिनट)

अभ्यास पुस्तिका 'नई सुगम' के पाठ-66 पर कार्य

तैयारी और सामग्री

- अभ्यास पुस्तिका 'नई सुगम'
- बंद व खुले छोर के प्रश्नों की सूची बना लें।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- पाठ को एक बार पढ़ लें।

प्रक्रिया

- शिक्षक सभी बच्चों से अभ्यास पुस्तिका का पाठ-66 खोलने के लिए कहें।
- फिर शिक्षक बच्चों से चित्र पर और कहानी के विषय पर अनुमान लगाने के लिए कहें कि कहानी किस बारे में होगी? बच्चों के साथ कहानी के नाम और चित्र पर चर्चा करें।
- अब शिक्षक पाठ को पूरे हाव-भाव और उतार-चढ़ाव के साथ बच्चों को पढ़कर सुनाएँ।
- बच्चों के साथ, बंद व खुले छोर के प्रश्न करते हुए विस्तृत चर्चा करें। जैसे- किसकी दादी आई थीं? दादी क्या लाई थीं? दादी और क्या बनाकर लाई होंगी? आदि।
- अब शिक्षक पूरी कक्षा को ये पाठ जोड़ों में पढ़ने के लिए कहें।
- जब बच्चे जोड़ो में पाठ पढ़ रहे हों तो, शिक्षक बच्चों के पास जाएँ और आवश्यकतानुसार उनकी मदद करें।
- जब बच्चे पढ़ चुके हों तो शिक्षक 2 -3 बच्चों को पूरी कक्षा के सम्मुख उस पाठ को पढ़ने के लिए कहें।

पठन (20 मिनट)

अभ्यास पुस्तिका के भाग-2 के प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-41 पर कार्य

तैयारी और सामग्री

- अभ्यास पुस्तिका 'नई सुगम' (भाग-2)
- मोबाइल फ़ोन/स्टॉप वाच
- पेंसिल
- शिक्षक संदर्शिका में दिए आकलन के तरीके को एक बार पढ़ लें।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- शिक्षक सभी बच्चों को पठन में शमिल करें।

प्रक्रिया

- सभी बच्चों को अभ्यास पुस्तिका के भाग-2 के पठन अभ्यास-41 को खोलने के लिए कहें।
- अब सभी को वह पाठ खुद से पढ़ने को कहें।
- इसी बीच कक्षा से 3-4 बच्चों को एक-एक कर के अपने पास बुलाएँ और उन्हें पाठ पढ़ने के लिए कहें।
- जब बच्चा पढ़ना शुरू कर दे तो मोबाइल का टाइमर शुरू करें।
- एक मिनट होने पर टाइमर रोक दें और जहाँ तक बच्चे ने पढ़ा है, वहाँ पर बच्चे की अभ्यास पुस्तिका में कोष्टक ']' लगा दें।
- बच्चे ने जितने सही शब्द पढ़े हैं, उन्हें गिनकर सही पढ़े गए शब्दों के खाने में लिख दें।
- बच्चे के स्तर के अनुसार दी गई टेबल में स्तर दर्ज करें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने पढ़ने में भाग लिया?
- क्या सभी बच्चे सहजता के साथ पढ़ पा रहे थे?

मौखिक भाषा विकास/ पाठ्यपुस्तक एवं संबंधित लेखन (30 मिनट)

शिक्षक द्वारा पाठ्यपुस्तक से पाठ पढ़कर सुनाना और अभ्यास कार्य

तैयारी और सामग्री

- स्थानीय कविता या बालगीत।
- पाठ्यपुस्तक झिलमिल–2, पाठ–13 'रंग बिरंगी होली'
- पाठ से सम्बंधित बंद व खुले छोर के प्रश्नों की सूची पहले से बनाकर तैयार रखें।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- चर्चा के दौरान कक्षा में बच्चों को घर की भाषा इस्तेमाल करने के भरपूर मौके दें ।
- आवश्यक सवालों की सूची तैयार रखें ।

प्रक्रिया: कविता/बालगीत/गतिविधि पर कार्य : स्थानीय कविता / बालगीत

- कविता को पूरे हाव–भाव के साथ और उतार–चढ़ाव के साथ करवाएँ।
- शिक्षक कविता गाएँ व बच्चों के साथ कविता दोहराने के लिए कहें।
- ऐसा दो से तीन बार करें, ताकि बच्चे कविता की लय और शब्दों को अच्छे से पकड़ पाएँ।
- सुनाई गई कविता के विषय से जुड़ी कोई और कविता को याद दिलाएँ और उन्हें सुनाने के लिए कहें। अगर कोई ऐसी कविता नहीं है तो पिछली सुनी कोई कविता या बालगीत उनसे सुनें।

पाठ पढ़कर सुनाना और विस्तृत चर्चा और अभ्यास कार्य

- सभी बच्चों से पूछें की कल क्या पढ़ा था। उनसे इस पर चर्चा करें। अब सभी बच्चों से पाठ्यपुस्तक का पाठ 13 'रंग बिरंगी होली' खोलने के लिए कहें।
- पाठ को एक बार पुरे हाव–भाव के साथ पढ़ कर सुनाएँ और चर्चा करें। बच्चों से कुछ खुले छोर के प्रशन पूछें जो पिछले दिन नहीं पूछे थे जैसे– आप होली पर क्या–क्या करते हैं? आपके आस–पास और कौन–से त्यौहार मनाएँ जाते हैं? रंगोली क्या होती है? आपने कभी रंगोली बनी देखी है? अगर हाँ तो कहाँ? रंगोली और कब–कब बनाई जाती है बता सकते हैं?
- अब सभी बच्चों को पाठ के पीछे दी गई गतिविधि 2 मौखिक रूप से करवाएँ। इसके साथ–साथ उन्हें गतिविधि 5 और गतिविधि 6 पर कार्य करने के लिए कहें।
- जब बच्चे लेखन अभ्यास कार्य कर रहे हों तब शिक्षक आवश्यकतानुसार उन बच्चों की मदद करें जो कठिनाई महसूस कर रहे हों।

सप्ताह-15 दिवस-2 खंड-2

डिकोडिंग / अभ्यास पुस्तिका एवं संबंधित पठन-लेखन (40 मिनट)

अभ्यास पुस्तिका 'नई सुगम' के पाठ-66 पर कार्य

तैयारी और सामग्री

- अभ्यास पुस्तिका 'नई सुगम'
- बंद व खुले छोर के प्रश्नों की सूची बना लें।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- बच्चों के कार्य की समीक्षा अवश्य करें उन्हें उचित फीडबैक दें।

प्रक्रिया

- पिछले दिन पढ़ाई गई कहानी 'सूजी का हलवा' बच्चों से पूछें की उन्होंने कल कौन-सी कहानी पढ़ी थी फिर एक या दो बच्चों से मौखिक रूप से कहानी सुनें। कुछ एक या दो सवाल कहानी के बारे में पूछें।
- एक बार फिर से उचित उतार-चढ़ाव के साथ बच्चों को कहानी पढ़कर सुनाएँ।
- सभी बच्चों को अपनी-अपनी अभ्यास पुस्तिका से पाठ को स्वतंत्र रूप से पढ़ने के लिए कहें।
- जो बच्चे पिछले दिन अनुपस्थित थे या जिन बच्चों को पढ़ने में दिक्कत है उन्हें आवश्यकतानुसार उनकी पढ़ने में मदद करें।
- पाठ पढ़ने के बाद बच्चों को प्रत्येक गतिविधि का निर्देश दें और समझाएँ कि किस प्रश्न में क्या करना है।
- आवश्यकता पड़ने पर गतिविधि का उदाहरण दें।
- शब्द पठन के लिए शब्दों को बोर्ड पर लिखें और उन्हें पढ़ने का अभ्यास करवाएँ।
- पाठ पर कार्य के बाद सभी बच्चों को सुनकर लिखने का कार्य करवाएँ। निर्देश के अनुसार शब्द या वाक्य का चयन कर लें। अब बच्चों को वाक्य बोलकर सुनाएँ। बोला गया वाक्य बच्चों से दोहराने के लिए कहें। अब बच्चों को बोला गया वाक्य लिखने के लिए कहें।

पठन (20 मिनट)

अभ्यास पुस्तिका के भाग-2 के प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-42 पर कार्य

तैयारी और सामग्री

- अभ्यास पुस्तिका 'नई सुगम', भाग-2
- मोबाइल फ़ोन/स्टॉप वाच
- पेंसिल
- शिक्षक संदर्शिका में दिए आकलन के तरीके को एक बार पढ़ लें।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- शिक्षक सभी बच्चों को पठन में शमिल करें।

प्रक्रिया

- सभी बच्चों को अभ्यास पुस्तिका के भाग-2 के प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-42 को खोलने के लिए कहें।
- अब सभी को वह पाठ खुद से पढ़ने को कहें।
- इसी बीच कक्षा से 3-4 बच्चों को एक-एक कर के अपने पास बुलाएँ और उन्हें पाठ पढ़ने के लिए कहें।
- जब बच्चा पढ़ना शुरू कर दे तो मोबाइल का टाइमर शुरू करें।
- एक मिनट होने पर टाइमर रोक दें और जहाँ तक बच्चे ने पढ़ा है, वहाँ पर बच्चे की अभ्यास पुस्तिका में कोष्टक ']' लगा दें।
- बच्चे ने जितने सही शब्द पढ़े हैं, उन्हें गिनकर सही पढ़े गए शब्दों के खाने में लिख दें।
- बच्चे के स्तर के अनुसार दी गई टेबल में स्तर दर्ज करें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने सभी गतिविधियों में प्रतिभाग किया ?
- यदि नहीं तो उन बच्चों को पहचानकर उन्हें आगे के कार्य के लिए प्रोत्साहित करें और अगली बार उनकी सक्रिय भागीदारी की योजना बनाएँ।
- क्या सभी बच्चों ने पढ़ने में भाग लिया?
- क्या सभी बच्चे सहजता के साथ पढ़ पा रहे थे?

मौखिक भाषा विकास/ पाठ्यपुस्तक एवं संबंधित लेखन (30 मिनट)

सृजनात्मक गतिविधि पर कार्य- 'महसूस करें'

तैयारी और सामग्री

- सुनिश्चित करें की कक्षा में ऐसी चीज़ें उपलब्ध हों जिनकी बाहरी सतह, आकर, वजन आदि अलग-अलग हो।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- सभी बच्चों के प्रतिभाग को सुनिश्चित करें
- पहले गतिविधि को पढ़ लें और समझ लें

प्रक्रिया: कविता/बालगीत/गतिविधि पर कार्य : स्थानीय कविता / बालगीत

- कविता को पूरे हाव-भाव के साथ और उतार-चढ़ाव के साथ करवाएँ।
- शिक्षक कविता गाएँ व बच्चों के साथ कविता दोहराने के लिए कहें।
- ऐसा दो से तीन बार करें, ताकि बच्चे कविता की लय और शब्दों को अच्छे से पकड़ पाएँ।
- सुनाई गई कविता के विषय से जुड़ी कोई और कविता को याद दिलाएँ और उन्हें सुनाने के लिए कहें। अगर कोई ऐसी कविता नहीं है तो पिछली सुनी कोई कविता या बालगीत उनसे सुनें।

सृजनात्मक गतिविधि पर कार्य

- पिछले सप्ताह कराई गई गतिविधि को एक बार याद दिलाएँ और पूछें की उन्होंने पिछले हफ्ते क्या-क्या किया था ? 3-4 बच्चों से इस बारें में पूरी कक्षा को बताने के लिए कहें।
- आज की सृजनात्मक गतिविधि के लिए बच्चों को बताएँ कि "हम आज एक खेल खेलेंगे जिसका नाम है 'महसूस करें'।"
- अब सभी बच्चों को गतिविधि समझाएँ "अब आप सभी अपने आस-पास मौजूद कोई भी तीन चीज़ों को छुएँ। अब आप इन्हें महसूस करें और बताएँ कि आपको इन्हें हाथ में लेकर कैसा लग रहा है।"
- शिक्षक उन चीज़ों की बाहरी सतह, खुरदरापन, आकार, आदि पर बच्चों का ध्यान ले जाएँ और उदाहरण के साथ समझाएँ।
- इस तरह बच्चों के साथ चर्चा करते हुए गतिविधि को आगे बढ़ाएँ। इसके बाद शिक्षक बच्चों से किसी भी एक चीज़ के बारें में 1-2 वाक्य लिखने के लिए कहें।

सप्ताह–15 दिवस–5 खंड–2

डिकोडिंग / अभ्यास पुस्तिका एवं संबंधित पठन–लेखन (40 मिनट)

पुनरावृत्ति और आकलन 'मैंने सीख लिया' पर कार्य

तैयारी और सामग्री

- बोर्ड, चॉक
- 'नई सुगम' अभ्यास पुस्तिका

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- बच्चों को आकलन के दबाव में न आने दें।
- बच्चों द्वारा उनकी कमियाँ न बताकर उनको सुधार के सुझाव दें और प्रोत्साहन दें।
- यह सुनिश्चित कर लें की सभी के पास लेखन की उचित सामग्री हो।
- आकलन के रिकॉर्ड के लिए संदर्शिका पास में रखें।
- पुनरावृत्ति और आकलन के लिए संदर्शिका का नोट अच्छे से पढ़ लें।

प्रक्रिया

- आप सभी बच्चों से अभ्यास पुस्तिका से उस सप्ताह के पाठ पढ़ने को कहें। इस बीच आप एक–एक बच्चे को अपने पास बुलाकर इस सप्ताह के 'मैंने सीख लिया' आकलन–पत्रक में दिए गए कार्य करने के निर्देश दें।
- इस कार्य को करने में आप बच्चों की सहायता न करें, बल्कि उनका प्रोत्साहन करें।
- बच्चों द्वारा सही पढ़े गए शब्दों को गिनकर एक छोटा–सा निशान लगा दें और प्राप्त किए गए अंक लिख दें।
- यदि कोई बच्चा एक भी शब्द सही तरीके से नहीं पढ़ पा रहा हो तो उसके आकलन–पत्रक में (0) अंक देने के स्थान पर (–) का चिन्ह लगा दें। आप शिक्षक संदर्शिका के पृष्ठ 88 पर बच्चों के स्तर नोट करते जाएँ।
- पाठ पढ़ने के बाद बच्चों से प्रश्न पूछें और सही बताए गए प्रश्नों के आगे अंक नोट करें।
- प्रत्येक बच्चे के साथ आकलन–पत्रक पर कार्य करने के पश्चात् आप उन्हें अपने स्थान पर जाकर बैठने के लिए कहें और 'सुनकर लिखें' वाली गतिविधि करने को कहें। 'सुनकर लिखें' वाली गतिविधि, आप सभी बच्चों के द्वारा आकलन–पत्रक पर कार्य पूरा कर लेने के बाद एक साथ करवाएँ।
- आकलन के परिणाम के अनुसार, समूह बनाकर पुनरावृत्ति का कार्य करें। समूह 1 और 2 को उनके स्तर के अनुसार पुनरावृत्ति कार्य करवाएँ।

पठन (20 मिनट)

स्वतंत्र पठन

तैयारी और सामग्री

- अभ्यास पुस्तिका 'नई सुगम'
- पुस्तकालय की किताबें, बरखा सीरीज की किताबें या अन्य कहानियों की किताबें।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- सभी बच्चों के स्तर के अनुसार किताबें उपलब्ध रहें।

प्रक्रिया

- बच्चों को उनकी पसंद की किताबें चुनने के लिए कहें।
- उन्हें स्वतंत्र रूप से पाठ पढ़ने के लिए कहें।
- बच्चों को उनके स्तर की किताबों को चुनने में सहायता करें और उन्हें पढ़ने में मदद करें। आवश्यकता पड़ने पर बच्चों को जोड़ी बनाकर पढ़ने के लिए भी कह सकते हैं।
- जिन बच्चों के आकलन डिकोडिंग खंड में नहीं हुआ है उनका आकलन करें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने सभी गतिविधि में प्रतिभाग किया ?
- क्या सभी बच्चे पाठ या किताब को पढ़ पाए?
- क्या उपलब्ध किताबें या सामग्री बच्चों के लिए रोचक व उनके स्तर की थीं? यदि नहीं तो यह चिन्हित करें कि बच्चों को किस प्रकार की किताबें पसंद आ रही थीं।
- क्या सभी बच्चों का आकलन हो पाया ?
- क्या सभी बच्चे पाठ को पढ़ पाए?
- यदि नहीं तो उन बच्चों के साथ पठन खंड में भी आकलन जारी रखें जिनके साथ आकलन नहीं हुआ है।
- यदि सभी पाठ नहीं पढ़ पाए हैं तो उन्हें छठे दिन अतिरिक्त अभ्यास दें और उनके स्तर के अनुसार उनसे कार्य करवाएँ। आगे के कार्य के लिए प्रोत्साहित करें और अगली बार उनकी सक्रिय भागीदारी की योजना बनाएँ।

सप्ताह-15 दिवस-6 खंड-1

मौखिक भाषा विकास/ पाठ्यपुस्तक एवं संबंधित लेखन (30 मिनट)

कहानी सुनाना और अभिनय

तैयारी और सामग्री

- कौन-सा समूह किस क्रम में प्रस्तुति देगा पहले से बच्चों के साथ मिलकर तय कर लें।
- प्रस्तुतीकरण पर जिन प्रश्नों के माध्यम से चर्चा की जानी है उन्हें डायरी में नोट कर लें।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- किसी कहानी को नाटक के रूप में अभिनय करना एक उपयोगी भाषायी कौशल है। अभिनय करते हुए बच्चे उस पात्र के नज़रिए से भी कहानी को समझ रहे होते हैं। इससे संवेदनशीलता और अन्य नज़रिए से किसी घटना को समझने जैसे कौशल विकसित होते हैं।

प्रक्रियाः कविता/बालगीत/गतिविधि पर कार्य : स्थानीय कविता / बालगीत

- कविता को पूरे हाव-भाव के साथ और उतार-चढ़ाव के साथ करवाएँ।
- शिक्षक कविता गाएँ व बच्चों के साथ कविता दोहराने के लिए कहें।
- ऐसा दो से तीन बार करें, ताकि बच्चे कविता की लय और शब्दों को अच्छे से पकड़ पाएँ।
- सुनाई गई कविता के विषय से जुड़ी कोई और कविता को याद दिलाएँ और उन्हें सुनाने के लिए कहें। अगर कोई ऐसी कविता नहीं है तो पिछली सुनी कोई कविता या बालगीत उनसे सुनें।

अभिनय करना

- बच्चों को पिछले सप्ताहों में पढ़ी-सुनी कहानियों के नाम याद दिलाएँ और प्रत्येक समूह को अपने लिए एक कहानी चुनने के लिए कहें।
- चुनी हुई कहानी पर बच्चों को अभिनय करने के लिए प्रेरित करें। पात्र चुनने, संवाद गढ़ने, आस-पास मौजूद वस्तुओं का उपयोग करने (प्रोपर्टी के तौर पर) में मदद और मार्गदर्शन करें।
- बच्चों को संवाद गढ़ते समय अपनी घर की भाषा इस्तेमाल करने का मौका दें। ये संवाद बच्चे मौखिक गढ़ेंगे, इस कार्य में उनकी मदद करें। जैसे- कहानी में बिल्ली पात्र है तो वह कैसे बोलेगी, क्या बोलेगी, कैसे चलेगी, उसके हाव-भाव कैसे होंगे इत्यादि।
- शुरुआती कहानियों पर अभिनय करते समय एक पात्र शिक्षक स्वयं भी चुनें। इससे बच्चों को पूरी प्रक्रिया को समझने में मदद मिलेगी व उनकी झिझक दूर होगी।

सप्ताह-15 दिवस-6 खंड-2

डिकोडिंग / अभ्यास पुस्तिका एवं संबंधित पठन-लेखन (40 मिनट)

आकलन के आधार पर रेमेडियल कार्य

तैयारी और सामग्री

- अभ्यास पुस्तिका 'नई सुगम'

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- दिवस 5 में किये गए आकलन के आधार पर समूह की जानकारी रखें।
- बच्चों के लिए यदि अतिरिक्त सामग्री की आवश्यकता है तो इसे तैयार रखें।

प्रक्रिया

- शिक्षक 50% से कम और ज़्यादा के आधार पर बच्चों को समूह-1 और समूह-2 में बाँटें।
- समूह-1 के साथ बच्चों के साथ वर्ण/अक्षर पहचान, शब्द पठन पर कार्य करें।
- समूह-2 के साथ इन बच्चों की जोड़ियाँ बनायें, उन्हें पाठ पढ़ने को दें और एक दूसरे को पढ़कर प्रश्न पूछने और जवाब देने को कहें।

सप्ताह-15 दिवस-6 खंड-3

पठन (20 मिनट)

स्वतंत्र पठन

तैयारी और सामग्री

- अभ्यास पुस्तिका 'नई सुगम'
- पुस्तकालय की किताबें, बरखा सीरीज की किताबें या अन्य कहानियों की किताबें।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- सभी बच्चों के स्तर के अनुसार किताबें उपलब्ध रहें।

प्रक्रिया

- बच्चों को उनकी पसंद की किताबें चुनने के लिए कहें।
- उन्हें स्वतंत्र रूप से पाठ पढ़ने के लिए कहें।
- बच्चों को उनके स्तर की किताबों को चुनने में सहायता करें और उन्हें पढ़ने में मदद करें। आवश्यकता पड़ने पर बच्चों को जोड़ी बनाकर पढ़ने के लिए भी कह सकते हैं।
- जिन बच्चों के आकलन डिकोडिंग खंड में नहीं हुआ है उनका आकलन इस खंड (पठन) में करें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने सभी गतिविधियों में प्रतिभाग किया ?
- क्या उपलब्ध किताबें या सामग्री बच्चों के लिए रोचक व उनके स्तर की थीं? यदि नहीं तो यह चिन्हित करें कि बच्चों को किस प्रकार की किताबें पसंद आ रही थीं।
- यदि नहीं तो उन बच्चों को पहचानकर उन्हें आगे के कार्य के लिए प्रोत्साहित करें और अगली बार उनकी सक्रिय भागीदारी की योजना बनाएँ।

साप्ताहिक आकलन ट्रैकर

सप्ताह 1–14
दिवस 6

सप्ताह 1–14 में डिकोडिंग संबंधित दक्षताओं का आकलन किया जाएगा। साप्ताहिक आकलन 'मैंने सीख लिया' के प्राप्तांकों के आधार पर बच्चों का समूह दर्ज करें।

डिकोडिंग

- अभ्यास पुस्तिका में दिए गए पाठ 'मैंने सीख लिया' से पढ़ पाना।
- पाठ 'मैंने सीख लिया' के प्राप्तांकों के आधार पर जो बच्चे स्तर–1 पर हैं, उनके लिए 1 और जो स्तर–2 पर हैं, उनके लिए 2 लिखें।

मौखिक रूप से अभिव्यक्ति

- अपने अनुभव या किसी घटना के बारे में बोल पाना/अपने विचार रख पाना।
- डिकोडिंग के साथ-साथ मौखिक भाषा विकास से संबंधित अवलोकन नियमित रूप से करें और जिन बच्चों को अधिक मदद की आवश्यकता है, उनके नाम के आगे '–' चिह्न और जिन बच्चों को मदद की आवश्यकता नहीं है उनके नाम के आगे '✓' का चिह्न लगाएँ।

क्रम	बच्चों के नाम	1		2		3		4		5		6		7		8		9		10		11		12		13		14	
1																													
2																													
3																													
4																													
5																													
6																													
7																													
8																													
9																													
10																													
11																													
12																													
13																													
14																													
15																													
16																													
17																													
18																													
19																													
20																													

नोट – अगर कक्षा में बच्चों की संख्या 20 से अधिक हो तो शिक्षक अतिरिक्त शीट का उपयोग करें।

सप्ताह 15–24

दिवस 6

सप्ताह 15–24 में पाठ पढ़कर समझने से संबंधित दक्षताओं का आकलन किया जाएगा। इसके तहत दो दक्षताओं का आकलन होगा– 1. पाठ पढ़ पाना 2. पढ़कर प्रश्नों के मौखिक रूप से उत्तर दे पाना। इन दोनों दक्षताओं के अंक के लिए अलग–अलग मापदंड हैं, उसे समझ लें। साप्ताहिक आकलन 'मैंने सीख लिया' के प्राप्तांकों के आधार पर जो बच्चे स्तर–1 पर हैं, उनके लिए 1 और जो स्तर–2 पर हैं, उनके लिए 2 लिखें।

पठन

- अभ्यास पुस्तिका में दिए गए पाठ 'मैंने सीख लिया' से पढ़ पाना।

पाठ समझना

- पाठ से संबंधित प्रश्नों के उत्तर देना।

क्रम	बच्चों के नाम	15		16		17		18		19		21		22		23		24	
1																			
2																			
3																			
4																			
5																			
6																			
7																			
8																			
9																			
10																			
11																			
12																			
13																			
14																			
15																			
16																			
17																			
18																			
19																			
20																			

नोट – अगर कक्षा में बच्चों की संख्या 20 से अधिक हो तो शिक्षक अतिरिक्त शीट का उपयोग करें।

प्रवाहपूर्ण पठन आकलन ट्रैकर

क्र.	बच्चों के नाम	परिणाम	सप्ताह											
			12	13	14	15	16	17	18	19	21	22	23	24
1		सही शब्दों की सं.												
		स्तर												
2		सही शब्दों की सं.												
		स्तर												
3		सही शब्दों की सं.												
		स्तर												
4		सही शब्दों की सं.												
		स्तर												
5		सही शब्दों की सं.												
		स्तर												
6		सही शब्दों की सं.												
		स्तर												
7		सही शब्दों की सं.												
		स्तर												
8		सही शब्दों की सं.												
		स्तर												
9		सही शब्दों की सं.												
		स्तर												
10		सही शब्दों की सं.												
		स्तर												
11		सही शब्दों की सं.												
		स्तर												
12		सही शब्दों की सं.												
		स्तर												
13		सही शब्दों की सं.												
		स्तर												
14		सही शब्दों की सं.												
		स्तर												
15		सही शब्दों की सं.												
		स्तर												

ध्यान रखने योग्य बातें: बच्चों की संख्या के अनुसार इस प्रपत्र को आकलन पंजिका में बनाएँ।

सावधिक आकलन ट्रैकर में मार्क (अंकित) करने हेतु तय किए गए मार्क (हाँ–Y, ना–N, आशिंक–P)

सप्ताह 11 सावधिक आकलन–1 ट्रैकर

S. R. N.	विद्यार्थी का नाम	सावधिक आकलन–1 हेतु निर्धारित दक्षताएँ												
		हाव–भाव सहित समूह/कक्षा में बालगीत/कविता करवाना/गाना।	कहानी सुनकर समझना और प्रतिक्रिया देना।	कहानी/पाठ से जुड़े सामान्य (कौन, कब, और कहाँ वाले) प्रश्नों के उत्तर देना।	कहानी/पाठ से जुड़े सामान्य कल्पना और तर्क वाले प्रश्नों के उत्तर देना।	शरीर के अंगों के नाम बताना।	सजातीय (एक जैसी) चीजों के समूह बनाने की समझ होना।	विजातीय (समूह से अलग) शब्दों को छांटना।	विभिन्न ध्वनियों की पहचान करते हुए अंतर करना।	वर्णमाला के सभी वर्णों और मात्राओं की पहचान करना।	3–4 अक्षरों के शब्दों को पढ़ना।	छोटे–छोटे (20–30 शब्द वाले) पाठ/कहानी पढ़कर उनका अर्थ ग्रहण करना/समझाना।	वर्ग तालिका/पहेली से ढूँढकर शब्द लिखना।	2–3 अक्षरों से बने सरल परिचित शब्दों को लिखना।
		HIN 201	HIN 203	HIN 203	HIN 203	HIN 205	HIN 205	HIN 205	HIN 207	HIN 207	HIN 208	HIN 209	HIN 211	HIN 211
1														
2														
3														
4														
5														
6														
7														
8														
9														
10														
11														
12														
13														
14														
15														
16														
17														
18														
19														
20														

ध्यान रखने योग्य बातें: बच्चों की संख्या के अनुसार इस प्रपत्र को आकलन पंजिका में बनाएँ।

सप्ताह 20 — सावधिक आकलन–2 ट्रैकर

S. R. N.	विद्यार्थी का नाम	सावधिक आकलन–2 हेतु निर्धारित दक्षताएँ														
		कहानी/कविता में निहित मूलभाव को समझना।	सुनी कहानी को अपनी भाषा में बता पाना।	लिंग, वचन की समझ होना।	विलोम शब्दों की समझ होना।	शब्दों से सरल वाक्य बनाना।	बिना झिझक चर्चा में भागीदारी देना।	अपने आस–पास सफाई एवं स्वच्छता के महत्व को समझना, उस पर चर्चा करना।	शारीरिक स्वच्छता पर चर्चा में भागीदारी करना	त्योहार, शादी पिकनिक, खेल, यात्रा आदि से जुड़े अपने अनुभव बताना।	चित्रों की मदद से कहानी बता पाना।	अनुस्वार की समझ होना।	पहेली पढ़कर जवाब का अनुमान लगा पाना।	सरल शब्दों में लिखे सन्देश को पढ़कर समझ पाना।	अशुद्ध शब्दों को शुद्ध रूप में लिखना।	किसी पाठ/कविता/चित्र के सन्दर्भ में 1–2 वाक्य लिख पाना।	किसी पाठ से जुड़े विविध तरह के प्रश्नों के जवाब देना।
		HIN 203	HIN 202	HIN 214	HIN 214	HIN 204	HIN 204	HIN 204	HIN 204	HIN 204	HIN 206	HIN 207	HIN 209	HIN 209	HIN 211	HIN 212	HIN 213
1																	
2																	
3																	
4																	
5																	
6																	
7																	
8																	
9																	
10																	
11																	
12																	
13																	
14																	
15																	
16																	
17																	
18																	
19																	
20																	

ध्यान रखने योग्य बातें: बच्चों की संख्या के अनुसार इस प्रपत्र को आकलन पंजिका में बनाएँ।

वार्षिक आकलन ट्रैकर

वार्षिक आकलन ट्रैकर

S. R. N.	विद्यार्थी का नाम	वार्षिक आकलन हेतु निर्धारित दक्षताएँ													
		विद्यार्थी 5–7 पंक्तियों की कविता/बालगीत/पहेलियों को सुनकर लय के साथ दोहरा सकते हैं और स्वयं भी कविता सुना सकते हैं।	विद्यार्थी 7–8 पंक्तियों की छोटी कहानी को सुनकर समझ सकते हैं और उसे घर की भाषा एवं हिन्दी में अपने शब्दों में बता सकते हैं।	विद्यार्थी सुनी गई कहानी–कविता, चित्र, परिवेश आधारित सरल प्रश्नों के जवाब घर की भाषा व् हिन्दी में दे सकते हैं। (तथ्यात्मक प्रश्न, निष्कर्षात्मक/तर्क वाले प्रश्न एवं कल्पना आधारित प्रश्न आदि)।	विद्यार्थी घर की भाषा और हिन्दी भाषा में अपने बारे में और अपने आस–पास की चीजों अथवा परिचित चित्रों के बारे में 2–3 वाक्य बोल सकते हैं।	विद्यार्थी स्कूल एवं परिवेश में उपलब्ध परिचित एवं अपरिचित चीजों के नाम हिन्दी में बता सकते हैं।	विद्यार्थी चित्रों के माध्यम से किसी कहानी को घर की भाषा अथवा हिन्दी में हाव–भाव एवं शब्दावली का इस्तेमाल करते हुए सुना सकते हैं।	विद्यार्थी कक्षा 1 में बची हुईं मात्राओं (ॅ, ो, ौ) एवं संयुक्ताक्षरों को पहचान कर बता सकते हैं।	विद्यार्थी कक्षा 2 में सिखाई गईं मात्राओं से बने परिचित शब्दों, दो/तीन/चार अक्षरों के शब्दों को उचित गति एवं शुद्धता के साथ पढ़ सकते हैं।	विद्यार्थी एक पेज (10–12 वाक्यों की) / दो / तीन पेज की कहानी/कविता / पाठ को उपयुक्त उतार– चढ़ाव, शुद्धता एवं प्रवाह के साथ पढ़ कर समझ सकते हैं।	विद्यार्थी नई सीखी हुई मात्राओं को विभिन्न वर्णों के साथ (जैसे– मैं, को, पौ आदि) लगाकर लिख सकते हैं।	विद्यार्थी दो/तीन/चार अक्षरों वाले कठिन शब्द एवं संयुक्ताक्षर वाले शब्द लिख सकते हैं।	विद्यार्थी सुनी/देखी/पढ़ी कहानी/कविता एवं किसी चित्र/संदर्भ से सम्बन्धित बातों के बारे में अपने शब्दों में 5–7 वाक्य लिख सकते हैं।	विद्यार्थी संरचनाबद्ध लेखन गतिविधि के तौर पर पढ़ी हुईं कहानी/पाठ/कविता पर आधारित प्रश्नों के जवाब (1–2 वाक्यों) में दे सकते हैं। (जैसे गाँव का नाम क्या था? बिल्ली चूहे के पीछे क्यों भागी?)	विद्यार्थी सुनी गई कहानी/कविता आदि में लिंग, वचन, मिलते–जुलते लेकिन भिन्नार्थी शब्द (घाट, घटा, घट) विलोम शब्द की पहचान कर सकते हैं।
		HIN 201	HIN 202	HIN 203	HIN 204	HIN 205	HIN 206	HIN 207	HIN 208	HIN 209	HIN 210	HIN 211	HIN 212	HIN 213	HIN 214
1															
2															
3															
4															
5															
6															
7															
8															
9															
10															
11															
12															
13															
14															
15															
16															
17															
18															
19															
20															

☞ **ध्यान रखने योग्य बातें:** बच्चों की संख्या के अनुसार इस प्रपत्र को आकलन पंजिका में बनाएँ।

प्रिंट-रिच वातावरण

पढ़ने-लिखने के शुरूआती चरणों में बच्चों को जितनी अलग-अलग तरह की शिक्षण अधिगम सामग्री और प्रिंट की चीज़ें मिलती हैं, उनका पढ़ना उतना ही रोचक हो जाता है। समृद्ध कक्षा-कक्ष बच्चों के पढ़ने-लिखने, कक्षा और अपने सहपाठियों से जुड़कर कार्य करने एवं झिझक दूर करने में काफी मददगार होता है। ऐसा वातावरण उन बच्चों को और ज़्यादा मदद करता है, जिनके घरों में प्रिंट सामग्री पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध नहीं है।

1. किताबों का कोना

बच्चों के स्तर की किताबों को कक्षा के किसी कोने में सजाकर इस तरह रखें कि बच्चे उन्हें लेकर देख सकें। दीवार में रस्सी टाँगकर भी कुछ किताबों को रखा जा सकता है।

2. चित्र-चार्ट

इनको कक्षा में इस तरह दीवारों और खिड़कियों के सहारे रखें कि ये सबको दिख जाएँ। इन्हें दीवारों पर न चिपकाएँ। चित्र पर चर्चा के लिए इन्हें बच्चों के बीच में रखकर कार्य करना पड़ता है।

3. कविता/कहानी पोस्टर

इन्हें दीवारों पर लगाएँ। ज़मीन से इनकी ऊँचाई ऐसी हो कि बच्चे आसानी से इन्हें देख/पढ़ सकें और इनके साथ कार्य कर सकें।

4. लेबलिंग

कक्षा में मौजूद वस्तुओं के नाम कागज पर लिखकर प्रत्येक वस्तु पर चिपकाएँ जा सकते हैं। जैसे- दरवाजा, खिड़की, अलमारी आदि।

5. बच्चों का कोना

बच्चों द्वारा बनाए गए चित्रों को दीवार पर प्रदर्शित करने के लिए एक निश्चित जगह चुनें। उस पर उनके नाम सहित उनके द्वारा बनाए गए चित्रों को चिपकाएँ या टाँग दें।

6. शब्द दीवार

दीवारों पर कई तरह के शब्द चार्ट लगाए जा सकते हैं - जैसे बच्चों के नाम, जन्मदिन चार्ट, स्थानीय शब्द, कहानी/कविता के शब्द आदि।

☞ **ध्यान रखने योग्य बातें:** कक्षा में प्रदर्शित सामग्री को समय-समय शिक्षण योजना के अनुरूप बदलते रहना चाहिए। इससे कक्षा में नवीनता बनी रहती है और बच्चें इस सामग्री के उपयोग से स्व अभ्यास, नया सीखने के लिए आतुर रहते हैं।

कक्षा-कक्ष प्रबंधन

बेहतर कक्षा प्रबंधन एक रणनीति है जो सभी बच्चों को सक्रिय रूप से कक्षा में हो रही शिक्षण प्रक्रिया से जोड़कर रखती है। प्रभावी कक्षा प्रबंधन वह है जो बच्चों को सीखने में मदद करें। जैसे शिक्षक का दोस्ताना व्यवहार, कक्षा का खुशनुमा वातावरण, अधिगम शिक्षण सामग्री का उपयोग, गतिविधियों एवं शिक्षण कार्य में विविधता, समय प्रबंधन/नियोजन आदि ।

प्रभावी कक्षा प्रबंधन के मुख्य बिंदु-

1. बैठक व्यवस्था

- बैठक की व्यवस्था, कक्षा-कक्ष में हो रही गतिविधियों के अनुसार हो जैसे, गोल घेरे में बैठना, छोटे-छोटे समूहों में बैठना।
- शिक्षण के समय बच्चों और बोर्ड के बीच में दूरी कम हो।

2. बच्चों के साथ जुड़ाव

- कक्षा में शिक्षण के दौरान, आप जब भी बच्चों के साथ बातचीत करें तो उनकी भावनाओं के प्रति सचेत और संवेदनशील रहें।
- ऐसे ही बातचीत में सभी बच्चों को मौका दें।

3. सहज वातावरण

- कक्षा के सभी बच्चों को अपनी बात रखने के भरपूर मौके दें।
- कक्षा-व्यवस्था संबंधी नियमों को आप बच्चों के साथ मिलकर तय करें।
- शिक्षण कार्य के दौरान, आप बच्चों के साथ बराबरी का व्यवहार करें।

4. समय प्रबंधन/नियोजन

- बेहतर शिक्षण के लिए यह समझना आवश्यक है कि बच्चों को 'इंतजार का समय' (Wait Time) और 'काम का समय' (time on task) कितना मिला।
- इंतजार का समय वह समय होता है, जिसमें बच्चों को सोचने का समय दिया जाता है और काम के समय में बच्चे किसी गतिविधि आदि पर समय लगाते हैं।
- जिन शिक्षण सामग्रियों को काम में लेना है, उन्हें पहले से ही इकठ्ठा कर लें।
- शिक्षण योजना को कक्षा में क्रियान्वयन करने से एक दिन पहले अवश्य पढ़ें एवं आवश्यक तैयारी कर लें।
- बहुकक्षीय शिक्षण की अवस्था में शिक्षक को अपने समय-संतुलन पर भी खास ध्यान देना चाहिए।

हरियाणा स्कूल शिक्षा परियोजना परिषद्

निपुण हरियाणा शैक्षणिक प्रकोष्ठ, छठा तल, शिक्षा सदन, सेक्टर 5, पंचकूला, हरियाणा

Website: www.harprathmik.gov.in

Language and Learning foundation
Strong Foundation, Stronger Future

CENTRAL SQUARE FOUNDATION